राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHI/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 243 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शनिवार, 27 फरवरी 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

क्रिकेट से संन्यास लेंगे यूसुफ और विनय

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के लिए क्रिकेट खेलने वाले ऑलराउंडर और इरफान पठान के भाई यूसुफ पठान ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट्स से संन्यास का ऐलान कर दिया है। इस भावुक क्षण पर उन्होंने अपने परिवार, दोस्तों, फैंस, टीम्स, कोचेस और पूरे देश का इतना प्यार देने के लिए तहेदिल से शुक्रिया अदा किया है। साथ ही उन्होंने एक नोट भी शेयर किया है, जिसमें उन्होंने अपनी यादों को लोगों के साथ साझा किया है। वहीं एक और अन्य क्रिकेटर विनय कुमार ने भी अंतरराष्ट्रीय और प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास लिया है।

सेंसेक्स में बड़ी गिरावट 1939 अंक फिसला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वैश्विक बाजारों की गिरावट के बीच कई बड़ी कंपनियों के शेयरों के भाव नीचे आने से शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली। आज हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन संसेक्स 1939 अंक करीब 3.80 फीसदी लुढ़ककर 49,099 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 568 अंक गिरकर 14,529.15 के स्तर पर बंद हुआ। संसेक्स में सबसे अधिक 6 फीसदी से अधिक की गिरावट ओएनजीसी, एमएंडएम और बजाज फिन के शेयरों में देखने को मिली। पांच फीसदी से अधिक की गिरावट बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी, पावरग्रिड, कोटक बैंक, एक्सिस बैंक में देखने को मिली।

हिमा दास बनीं डीएसपी बोलीं सपना सच होने जैसा

गुवाहाटी, (एजेंसी)। भारत की अनुभवी स्टार फर्राटा धाविका हिमा दास को शुक्रवार को असम पुलिस में उप अधीक्षक (डीएसपी) बनाया गया। इस मौके पर हिमा ने इसे बचपन का सपना सच होने जैसा बताया। इस दौरान उन्होंने कहा कि एथलेटिक्स करियर जारी रहेगा। शुक्रवार को आयोजित एक समारोह में असम के मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने हिमा को नियुक्ति पत्र सौंपा। इस मौके पर पुलिस महानिदेशक समेत शीर्ष पुलिस अधिकारी और प्रदेश सरकार के अधिकारी मौजूद थे। वहीं, इस खास मौके पर हिमा ने कहा कि वह बचपन से पुलिस अधिकारी बनने का सपना देखती आई हैं।

नीट परीक्षा के लिए हों कश्मीर में अधिक केंद्र

श्रीनगर, (एजेंसी)। अपनी पार्टी के अध्यक्ष सईद मोहम्मद अल्ताफ बुखारी ने शुक्रवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से अपील करते हुए कहा कि स्नातकोत्तर में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के उम्मीदवारों के लिए कश्मीर क्षेत्र में ही उचित परीक्षा केंद्र स्थापित किए जाएं। श्री बुखारी ने नीट उम्मीदवारों की चिंता को जाहिर करते हुए यहां बयान जारी कर कहा कि कोरोना संक्रमण महामारी समेत कई अन्य कारणों की वजह से उम्मीदवार जम्मू-कश्मीर से बाहर जा कर नीट की परीक्षा देने में सक्षम नहीं है इसलिए कश्मीर में ही उचित संख्या में परीक्षा केंद स्थापित किये जाने चाहिए।

केजरीवाल ने सूरत में किया रोड शो

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को गुजरात के सूरत में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें पांच साल दे दो, बीजेपी के 25 साल भूल जाओगे। साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस और बीजेपी के अच्छे नेता अपनी-अपनी पार्टी छोड़कर हमारी पार्टी में आ जाएं। गुजरात में आने वाले समय में कुछ न कुछ अद्भुत होने वाला है। बता दें कि 'आप' ने हाल में हुए गुजरात नगर निगम चुनावों में सूरत में 27 सीटों पर जीत दर्ज की, जिसके बाद शुक्रवार को सीएम केजरीवाल ने सूरत में एक मेगा रोड शो किया।

बंगाल में आठ चरण में चुनाव, 27 मार्च को पहला मतदान, 2 मई को परिणाम

पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की घोषणा, आचार सहिता लागू

नई दिल्ली ■ एजेंसी

निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल और असम समेत चार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों की घोषणा कर दी।

मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोरा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु तथा पुडुचेरी में अलग-अलग चरणों में मतदान की तारीखों की घोषणा की। असम में तीन चरणों में तथा राजनीतिक रूप से चर्चित पश्चिम बंगाल में आठ चरणों में मतदान कराने की घोषणा की गयी। तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में एक चरण में चुनाव कराये जायेंगे।

उन्होंने बताया कि पहले चरण का मतदान 27 मार्च को होगा, जबकि अंतिम चरण 29 अप्रैल को होगा। सभी विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना दो मई को होगी। तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में एक ही चरण में छह अप्रैल को मतदान होगा। श्री अरोरा के अनुसार, असम में पहले चरण के चुनाव के लिए दो मार्च को अधिसूचना जारी कर दी जायेगी, जबकि दो अन्य चरणों के लिए पांच मार्च और 10 मार्च को अधिसूचना जारी होगी। इस राज्य में 27 मार्च, एक अप्रैल और छह अप्रैल को मतदान कराये जायेंगे।

इन सभी राज्यों में 824 विधानसभा सीटों पर चुनाव कराये जायेंगे जिनमें 18 करोड़ 68 लाख मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे।

इसके लिए दो लाख 70 हजार मतदान केंद्र बनाये गये हैं। श्री अरोरा ने बताया कि चुनाव कार्य सम्पन्न कराने वाले सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को फ्रंटलाइन वॉरियर माना गया है।असम सरकार का कार्यकाल 31 मई को, पश्चिम बंगाल सरकार का कार्यकाल 30 मई को, केरल सरकार का कार्यकाल एक जून को, तमिलनाडू सरकार कार्यकाल 24 मई को और पुडुचेरी का कार्यकाल आठ जून को समाप्त हो रहा है।

इस बार चुनावों की खास बातें

- कुल 824 विधानसभा सीटों पर चुनाव होने जा रहे हैं
- करीब 18.6 करोड़ वोटर के लिए 2.7 लाख मतदान केंद्र बनाए गए
- नामांकन की सुविधा ऑनलाइन होगी
- सिक्योरिटी मनी उम्मीदवारों की भी ऑनलाइन जमा करनी होगी
- मतदान का समय 1 घंटा बढाया गया है
- चुनाव अधिकारियों का वैक्सीनेशन कराया जाएगा

किस राज्य में कब होंगे चुनाव

बंगाल- 8 चरण के चुनाव के क्रम में 27 मार्च को मतदान का पहला चरण, 1 अप्रैल को दूसरे चरण का मतदान, 6 अप्रैल को तीसरे चरण का मतदान, 10 अप्रैल को चौथे चरण का मतदान, 17 अप्रैल को पांचवें चरण का मतदान, 6 अप्रैल को छठे चरण का मतदान, अप्रैल 26 को सातवें चरण का मतदान और अंतिम चरण का मतदान-अप्रैल 29 को होगा। मतगणना की तारीख 2 मई होगी।

असम - यहां 3 चरणों में विधानसभा चुनाव होंगे। प्रथम चरण का मतदान- 27 मार्च, दूसरे चरण का मतदान- पहली अप्रैल और तीसरे चरण का मतदान -6 अप्रैल होगी। मतगणना की तारीख 2 मई होगी।

केरल- 6 अप्रैल को चुनाव होंगे। 2 मई को मतगणना होगी।

तमिलनाडु - यहां 6 अप्रैल को एक ही चरण में विधानसभा चुनाव होंगे। 2 मई को मतगणना होगी।

पुडुचेरी- यहां 6 अप्रैल को चुनाव होंगे और 2 मई को मतगणना होगी।

ममता बनर्जी को एक और झटका, विधायक सिद्दीकुल्लाह चौधरी ने चुनाव लड़ने से किया इनकार

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के लिए तारीखों के ऐलान से ठीक पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस को एक और झटका लगा है। पूर्वी बर्दवान जिले के मंगलकोट से टीएमसी विधायक और लाइब्रेरी मंत्री सिद्दीकुल्लाह चौधरी ने आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। नंदीग्राम आंदोलन में अहम भूमिका निभाने वाले सिद्दीकुल्लाह ने जिला नेतृत्व के खिलाफ नाराजगी जाहिर की है।

चौधरी जमियत-उलेमा-ए-हिंद (जेयूएच) के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं और अल्पसंख्यक वोटर्स पर इनका अच्छा प्रभाव बताया जाता है। इसके सिद्दीकुल्लाह की नाराजगी से पार्टी को काफी नुकसान हो सकता है। संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के खिलाफ प्रदर्शनों में भी ये काफी सक्रिय थे।

चौधरी ने कहा है कि बर्दवान में कमजोर नेतृत्व के कारण जिला विकास के मामले में पिछड़ गया है और वह चुपचाप यह देखते नहीं रहेंगे। उन्होंने कहा है कि जिले में पार्टी के नेताओं के रवैये को लेकर उन्होंने पार्टी नेतृत्व को बताया था अब अपने फैसले की जानकारी भी उन्होंने पार्टी प्रमुख को दे दी है। अभी देखना दिलचस्प होगा कि पार्टी उन्हें कैसे मनाती है या अन्य कई नेताओं की तरह चौधरी भी पार्टी से किनारा कर लेंगे।

हाल के कुछ महीनों में तृणमूल कांग्रेस के कई नेताओं ने पार्टी से बगावत की है और इनमें से अधिकतर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो चुके हैं।

पुडुचेरी में पेट्रोल-डीजल पर वैट घटा

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव की तारीखों के ऐलान से ठीक पहले पुडुचेरी में पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों से राहत देने के लिए ईंधन पर वैट घटा दिया गया है। पुडुचेरी की उप राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौन्दर्य राजन ने पेट्रोल-डीजल पर लगने वाले वैट में 2 फीसद की कमी की है। इससे पहले पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों से राहत देने के लिए कई राज्य पहले ही वैट में कटौती कर चुके हैं। इससे पहले नागालैंड में टैक्स में कटौती की गई। वहां पेट्रोल और अन्य मोटर स्प्रिट पर कर की दर को 29.80फीसद से घटाकर 25फीसद प्रति लीटर या 18.26 रुपये से घटाकर 16.04 रुपये प्रति लीटर (जो भी अधिक हो) कर दिया गया है। वहीं, डीजल के लिए कर की दर 11.08 रुपये से घटाकर 10.51 रुपये प्रति लीटर या 17.50फीसद से घटाकर 16.50 और प्रति लीटर कर दी गई है। वहीं केंद्र सरकार पेट्रोल की रिकॉर्ड कीमतों को लेकर धर्म संकट का सामना कर रही है।

सर्दियां खत्म होने पर कम हो जाएंगी पेट्रोल की कीमतें : पेट्रोलियम मंत्री

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि सर्दियां खत्म होने पर तेल के दामों में भी नरमी आएगी। उन्होंने कहा कि इस सीजन में तेल की कीमतें बढ़ जाती है।

कई शहरों में तेल की कीमतों के 100 रुपये प्रति लीटर के पार पहुंचने के बाद विपक्ष द्वारा विरोध प्रदर्शन चल रहा है। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेट्रोलियम मूल्य में वृद्धि ने उपभोतक्तओं को भी प्रभावित किया है। सर्दियों के जाते ही कीमतें थोड़ी कम हो जाएंगी। यह एक अंतरराष्ट्रीय मामला है। मांग बढ़ने के कारण कीमतें बढ़ी हैं। यह सर्दियों में होता है और आगे कीमतों में कमी आएगी। शुक्रवार को दिल्ली में पेट्रोल, 90.93 प्रति लीटर और डीजल 1 81.31 पर बिक रहा था, जबकि मुंबई में पेट्रोल 97.34 और डीजल 88.44 प्रति लीटर पर बिक रहा है। कोलकाता में पेट्रोल का मूल्य, 94.68 प्रति लीटर और डीजल का 84.20 प्रति लीटर है।

बंगलुरु में पेट्रोल 93.98 और डीजल 86.21 में बिक रहा है। पेट्रोल की कीमत पहले ही राजस्थान और मध्य प्रदेश में कुछ स्थानों पर 100 रुपये से अधिक हो गयी है। ये राज्य ईंधन पर अधिकतम मूल्य वर्धित कर (वैट) लगाते हैं। ये स्थिति तब तक रहेगी जब तक तेल पर टैक्स कम नहीं होता।

संदिग्ध कार के मालिक की हुई पहचान

अंबानी के घर के पास मिली विस्फोटक से भरी कार का मामला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मुकेश अंबानी के घर के बाहर मिली संदिग्ध कार को लेकर पुलिस को बड़ा सुराग हाथ लगा है। मुंबई पुलिस ने कहा कि अंबानी के घर के बाहर जो कार खड़ी की गई थी, उसे किसने रखा इस बात की जानकारी मिल गई है। यही नहीं इस कार को मुंबई के विक्रोली इलाके से कुछ दिन पहले चुराई गया है इसके सबूत भी मिल गए है। गाड़ी का नंबर क्षतिग्रस्त था लेकिन कार के असली मालिक की पहचान कर ली है।

मुंबई पुलिस के मुताबिक जिस शख्स ने वो कार पार्क की थी, वह सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रहा है। हालांकि उसने मास्क पहन रखा था और सिर को हूडी से ढंक रखा था, इस वजह से उसकी पहचान नहीं हो पाई है। जिस कार से जिलेटिन की छड़ें बरामद हुई, उसे कुछ वक्त पहले मुंबई के विक्रोली इलाके से चुराया गया था। गाड़ी का चेसिस नंबर बिगाड़ दिया गया था, लेकिन पुलिस उसके असली मालिक तक पहुंचने में कामयाब रही है।

जहां-जहां से गुजरी कार सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस: यह कार मुंबई में जहां-जहां से गुजरी है, पुलिस ने वहां की सीसीटीवी फुटेज भी इकट्ठा कर ली है। एक हफ्ते से लेकर एक महीने तक ये कार कहां-कहां से गुजरी इसको लेकर भी जांच की जा रही है। पुलिस ने यह भी कहा कि इससे पहले किसी ने अंबानी परिवार को धमकी भरा कॉल या चिट्ठी नहीं भेजी थी।

कार से मिले जिलेटिन का खुलासा

कार में मिले विस्फोटक के बारे में पुलिस ने कहा कि यह मिलिट्री-ग्रेड जिलेटिन नहीं है। जो जिलेटिन मिला है, उसे आमतौर पर कंस्ट्रक्शन से जुड़ी खुदाई में इस्तेमाल किया जाता है।

इन धाराओं में दर्ज हुआ मामला:

इस मामले में गामदेवी पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता की धारा 286, 465, 473, 120 (बी), 506 (2) और सेक्शन 4 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मामले की जांच पर सीधे गृहमंत्री देशमुख की नजर

राज्य के गृहमंत्री अनिल देशमुख, मुंबई के पुलिस आयुक्त परम बीर सिंह, गृह और खुफिया विभाग के शीर्ष अधिकारी खुद इस जांच की निगरानी कर रहे हैं।

पहली बार अंडमान और निकोबार दौरे पर राष्ट्रपति कोविंद, पोर्ट ब्लेयर पहुंचने पर दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

पोर्ट ब्लेयर । राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद अपने पहले अंडमान और निकोबार दौरे पर पहुंचे हैं। राष्ट्रपति भवन ने जानकारी दी कि राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद को पोर्ट ब्लेयर पहुंचने पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। यह भारत के राष्ट्रपति के रूप में केंद्र शासित प्रदेश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की उनकी पहली यात्रा है।

राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के दौरे पर हैं। राष्ट्रपति कोविंद के अगले चार दिनों तक अंडमान और निकोबार के प्रवास पर रहने की उम्मीद है। राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा प्रेस विज्ञप्ति में इसकी जानकारी दी गई। प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, भारत के राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद, 26 फरवरी से 1 मार्च, 2021 तक अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का दौरा करेंगे। उनकी यात्रा के विवरण को लेकर ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मोटेरा स्टेडियम को तोड़कर बने दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम का उद्घाटन किया। इसका नया नाम नरेंद्र मोदी स्टेडियम कर दिया गया है। पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी के बाद अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम भी देश में खेल स्टेडियम हो गया है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने बुधवार को कहा, वर्ष 2018 के नवंबर में जब मैं ऑस्ट्रेलिया गया तब मुझे पता चला कि दुनिया का सबसे बड़ा ग्राउंड मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड है। आज भारत के लिए गर्व का पल है जब मोटेरा का 1 लाख 32 हजार सीटर स्टेडियम दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम है।

राष्ट्रपति ने यहां कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले समय में सरदार वल्लभभाई पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव अहमदाबाद शहर को स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्टर की दृष्टि से पूरे विश्व में एक नई पहचान दिलाएगा। राष्ट्रपति ने आगे कहा, मुझे बताया गया है कि यह स्टेडियम विश्व में सबसे बड़ा होने के साथ-साथ सुविधाओं की दृष्टि से भी सर्वश्रेष्ठ है। इस अत्याधुनिक और भव्य स्टेडियम की परिकल्पना व निर्माण-योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा तभी पूरी कर ली गई थी जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे।

राष्ट्रपति ने इस मौके पर स्टेडियम में खेल परिसर के निर्माण कार्य की शुरुआत के समारोह में भी भाग लिया। इसका नाम सरदार पटेल खेल परिसर होगा और इसमें फुटबॉल, हॉकी, बास्केटबॉल, कबड्डी, मुक्केबाजी जैसे खेलों की सुविधाएं होंगी।

देश भर में अगले दो दिन नहीं होगा कोरोना टीकाकरण, स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताई वजह

नई दिल्ली । देशभर में जारी कोरोना संक्रमण के खिलाफ टीकाकरण अगले दो दिन यानी 27 और 28 फरवरी को नहीं होगा। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है। मंत्रालय ने जानकारी दी है कि अगले दो दिन कोविन डिजिटल प्लेटफॉर्म को 1.0 से 2.0 में परिवर्तित किया जाएगा। यही कारण है कि दो दिन टीकाकरण नहीं होगा। बता दें कि एक मार्च से गंभीर बीमारी से ग्रसित 45 से ऊपर और 60 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गो का टीकाकरण शुरू होने जा रहा है। अन्य लोगों की तरह इन्हें भी टीकाकरण के लिए कोविन एप पर रजिस्ट्रेशन कराना होगा। फिलहाल सभी के लिए कोविन एप उपलब्ध नहीं है। यहीं कारण है कि इसमें जरूरी बदलाव किया जा रहा है और दो दिनों के लिए टिकाकरण बंद रहेगा।

पिछले दिनों मोदी सरकार ने कोरोना टीकाकरण का दायरा बढ़ाने का फैसला किया था। इसके अनुसार एक मार्च से मुफ्त टीकाकरण अभियान में वरिष्ठ नागरिकों यानी 60 साल के ऊपर के उम्र के लोगों शामिल किया जाएगा। इसके अलावा किसी बीमारी से ग्रस्त 45 साल के अधिक उम्र के लोग भी टीकाकरण करा सकेंगे। अब टीकाकरण अभियान में निजी क्षेत्र भी शामिल होंगे।

10 हजार सरकारी और 20 हजार निजी क्षेत्र के केंद्रों पर टीकाकरण होगा। सरकारी सेंटर पर मुफ्त टीका लगेगा और निजी सेंटर पर टीकाकरण के लिए पैसे देने होंगे। स्वास्थ्य मंत्रालय जल्द ही इसकी कीमत तय करेगा। सरकार थोक में वैक्सीन खरीदकर दोनों केंद्रों को उपलब्ध कराएगी। ऐसे में निजी केंद्रों पर भी टीकों की कीमत कम ही होगी। जानकारी के अनुसार वैक्सीन लगवाने के लिए बुजुर्गों को सबसे पहले कोविन ऐप पर रजिस्ट्रेशन करना होगा। 60 साल से अधिक उम्र वाले लोगों के आंकड़े मतदाता सूची से लिए गए हैं। इसी के आधार पर राज्यों को वैक्सीन की सप्लाई होगी।

तीन जनवरी को कोरोना की दो वैक्सीन सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की कोविशिल्ड और भारत बायोटेक कोवैक्सीन को आपात इस्तेमा की मंजूरी मिली थी। इसके बाद 16 जनवरी को देशव्यापी टीकाकरण का शुभारंभ हुआ। अब तक एक करोड़ 34 लाख से ज्यादा लोगों का टीकाकरण हो चुका है। देश में अब तक कुल कोरोना के एक करोड़ 10 लाख 63 हजार 491 मामले सामने आ गए हैं। इनमें एक करोड़ सात लाख 50 हजार 680 मरीज ठीक हो गए हैं। वहीं एक लाख 56 हजार 825 लोगों की मौत हो गई है।

संवाद

विदेश मंत्री जयशंकर ने चीनी समकक्ष वांग यी से कहा साथ नहीं चलेंगे विवाद और बात

सवा घंटे की फोन कॉल पर चीन को सख्त संदेश

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पैंगोंग लेक पर शांति बहाली के बाद अन्य मोर्चों पर तनाव कम करने के लिए चीन और भारत के बीच बातचीत जारी है। गुरुवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपने चीनी समकक्ष वांग यी से 75 मिनट यानी सवा घंटे तक विस्तार से फोन पर बात की। इस दौरान एस. जयशंकर ने भारत की ओर से चीन को संदेश देते हुए कहा कि द्विपक्षीय संबंधों में सुधार के लिए यह जरूरी है कि सीमा पर शांति और स्थिरता के हालात बने रहें। इसके अलावा एस. जयशंकर ने चीनी समकक्ष से यह साफ किया कि हालात सामन्य बने रहने के लिए यह जरूरी है कि पूरी एलएसी सीमा पर सेनाओं की तैनाती कम रहे।

एस. जयशंकर ने वांग यी से पैंगोंग लेक के अलावा अन्य मोर्चों पर भी सेना की तैनाती कम किए जाने को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि सभी मोर्चों पर सेना की तैनाती कम हो यह जरूरी है। यदि ऐसा नहीं हो पाता है तो यह किसी के भी हित में नहीं होगा।

विदेश मंत्रालय के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि भारतीय विदेश मंत्री ने संदेश दिया, सीमा पर विवाद और सामान्य रिश्ते एक साथ नहीं चल सकते, जैसा चीन चाहता है। अधिकारी ने कहा कि बातचीत के दौरान चीन ने यह भी बताया कि क्यों उसने बीते साल मई में पैंगोंग लेक में अतिक्रमण किया था और 10 महीने बाद क्यों पीछे हटने पर राजी हुआ। अधिकारी ने कहा कि बातचीत में जयशंकर ने बताया कि संबंधों को बेहतर करने के लिए किन बाधाओं को दूर करने जरूरत है।

विदेश मंत्री ने चीन से स्पष्ट किया कि सीमा पर उसके एकतरफा अतिक्रमण के चलते संबंध खराब हुए हैं। सीमा पर स्थिति बदलने की कोशिशों ने रिश्तों को प्रभावित किया है। चीनी विदेश मंत्रालय की ओर से दोनों देशों के मंत्रियों के बीच हुई वार्ता की जानकारी सार्वजनिक किए जाने के बाद भारत ने यह बयान जारी किया है। बता दें कि पैंगोंग लेक में भारत और चीन ने अपनी सेनाओं की तैनाती कम की है। इसके अलावा चीन ने मोर्चे पर तैनात हथियारों और वाहनों के बेड़े को कभी कम किया है।

एलएसी पर हालात सामान्य बनाने पर विचार

देशभर में बंद का मिलाजुला असर, कई व्यापारी संगठनों ने बनाई दूरी

नई दिल्ली । कॉन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स ने जीएसटी की खामियों और ई-कॉमर्स से संबंधित मुद्दों के खिलाफ भारत बंद का आह्वान किया है। अधिकतर राज्यों में बंद का अभी तक मिलाजुला असर देखने को मिला है। वहीं यूपी और राजस्थान में इसका असर देखने को नहीं मिला है। कई व्यापारी संगठनों ने इससे दूरी बना ली है। कैट का दावा है कि दिल्ली सहित देश भर के 40, हजार से अधिक व्यापारिक संगठनों के 8 करोड़ से अधिक व्यापारी इस बंद का समर्थन कर रहे हैं। वहीं नए कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर प्रदर्शन कर रहे किसान भी भी बंद का समर्थन कर रहे हैं। ऑल इंडिया ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन इसको समर्थन कर रहा है। यह संगठन लगभग एक करोड़ ट्रांसपोर्टर्स का प्रतिनिधित्व करता है।

किसानों के प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा ने किसानों से बंद में शांतिपूर्ण तरीके शामिल होने अपील की है। उसने एक बयान में कहा है कि वह देश के सभी किसानों से भारत बंद का शांतिपूर्ण ढंग से समर्थन करने और बंद को सफल बनाने की अपील करते हैं।

कैट के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि जीएसटी संशोधनों के खिलाफ देशभर के सभी राज्यों के लगभग 1500 बड़े और छोटे संगठन विरोध प्रदर्शन करेंगे।

चीन में तलाक पर बहस:जज ने कहा-शादी के बाद महिला ने घर के काम किए, 5 लाख रु मुआवजा दें

बीजिंग। चीन में तलाक के एक केस में फैसले को लेकर सोशल मीडिया पर कोर्ट की खूब किरकिरी हो रही है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि शादी के बाद महिला ने पति के घर में पांच साल काम किया है, इसलिए उसे 5 लाख रुपए मुआवजे के तौर पर मिलने चाहिए। इस फैसले को लेकर चीन के लोग सोशल मीडिया पर कोर्ट का खूब मजाक उड़ा रहे हैं। लोगों ने कहा कि, जज साहब.. इससे ज्यादा तो घर की आया ले लेती है। आपने महिलाओं के जीवन को क्या इतना सस्ता समझ लिया है?

सोशल मीडिया पर इस तरह निकाली भड़ास

सोशल मीडिया पर एक यूजर ने कहा, 'महज आधे साल के लिए एक फुल टाइम आया इससे ज्यादा पैसा लेगी, क्या महिलाओं का जीवन इतना सस्ता है? एक घरेलू सहायिका की भी सालाना आय 10 हजार युआन से ज्यादा होती है। इस लिहाज से मुआवजे की राशि काफी कम है।'एक दूसरे यूजर ने लिखा, 'महिलाओं को कभी भी पत्नी के तौर पर घर पर नहीं रहना चाहिए, जब आपका तलाक होगा तो आपके पास कुछ नहीं होगा। घर का काम करने के बदले महज 50 हजार युआन बकवास है।'

हालांकि कोर्ट ने कहा है कि उन्होंने पति को जितने भी पैसे देने के आदेश दिए हैं, वो उसकी कमाई को ध्यान में रखते हुए दिए हैं।

कोर्ट ने फैसले में क्या कहा?

कोर्ट ने कहा कि, इस साल लागू होने वाले देश के नए सिविल कोड के मुताबिक, तलाक लेने वाले दंपति में से किसी ने अगर घर की अतिरिक्त जिम्मेदारी संभाली है, तो उसे इसके लिए मुआवजा लेने का अधिकार है। यहां वांग नामक महिला ने अपने पति चेन को तलाक दिया है।

महिला ने 17 लाख रुपए मुआवजे की मांग की थी

पति को तलाक देने वाली वांग नाम की महिला ने अदालत में साफ कहा है कि पांच साल तक चली उनकी शादी में वही बच्चे की देखभाल करती थी। घर का सारा काम भी उन्हें ही संभालना पड़ता था। जबकि उनके पति चेन नौकरी पर जाने के अलावा घर का कोई काम नहीं करते थे। इसलिए उन्हें 17 लाख रुपए मुआवजे के तौर पर मिलने चाहिए। वांग ने घर का काम करने और बच्चे को संभालने के लिए ज्यादा मुआवजे की मांग की थी। जिसके बाद कोर्ट ने आदेश दिया कि वांग को घर का काम करने के लिए 50 हजार युआन (7700 डॉलर), बच्चे की कस्टडी और अतिरिक्त 2000 युआन हर महीने मिलेंगे।

इमरान को सलाह: पाकिस्तानी एक्सपर्ट्स बोले- श्रीलंका से सिर्फ आपसी रिश्तों पर फोकस करें इमरान, वहां दखलंदाजी की कोशिश न करें

कोलंबो। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान दो दिन के दौरे पर श्रीलंका में हैं। पहले दिन उन्होंने राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे और प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे से मुलाकात की। इमरान जब कोलंबो एयरपोर्ट से अपने होटल संग्रीला पहुंचे तो यहां के मुस्लिम समुदाय ने श्रीलंका सरकार के विरोध में नारेबाजी की। ये लोग चाहते थे कि राजपक्षे सरकार श्रीलंका के मुस्लिम नेताओं को इमरान से मिलने की मंजूरी दे। इमरान ने एक महीने पहले श्रीलंका के मुस्लिम समुदाय के पक्ष में बयानबाजी की थी। बहरहाल, बातचीत में पाकिस्तान के फॉरेन पॉलिसी एक्सपर्ट्स ने इस दौरे पर इमरान को सावधान रहने की सलाह दी। इनके मुताबिक, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को श्रीलंका के घरेलू मामलों में दखल से बचना चाहिए। उन्हें सिर्फ आपसी रिश्तों पर फोकस करना चाहिए।

बौद्धों और मुस्लिमों में टकराव

श्रीलंका की आबादी करीब 2 करोड़ 20 लाख है। इसमें से 10त्न मुस्लिम हैं। कई सालों से कुछ मुद्दों पर बहुसंख्यक सिंहली समुदाय और मुस्लिमों के बीच तनाव रहा। 2019 में ईस्टर के मौके पर श्रीलंका में सीरियल ब्लास्ट हुए। इनमें 250 लोगों की मौत हुई। जांच के बाद कुछ स्थानीय मुस्लिमों को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद से मुस्लिम समुदाय की दिक्कतें बहुत ज्यादा बढ़ गईं। रिपोर्ट के मुताबिक, बौद्धों के कट्टरपंथी संगठन बोदू बाला सेना ने मुस्लिमों पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। मस्जिदों में जानवरों की कुर्बानी बंद करने की मांग यहां जोर पकड़ रही है।

तालिबान के नहीं बल्कि अफगानिस्तान के साथ है पाकिस्तान, स्थायी शांति है लक्ष्य

काबुल। पाकिस्तान की ओर से तालिबान को समर्थन नहीं दिया जाएगा लेकिन अफगानिस्तान में स्थायी तौर पर शांति बहाली का लक्ष्य है। यह जानकारी पाकिस्तान की आर्मी के वरिष्ठ अधिकारी ने दिया। पाकिस्तान के इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के डायरेक्टर मेजर जनरल बाबर इफ्तिखार ने कहा, अफगानिस्तान के हालात अब 90 के दशक वाले नहीं रहे और यहां के बुनियादी ढांचा को आसानी से नहीं हिलाया जा सकता है और अब पाकिस्तान भी बदल गया है। अफगानिस्तान से सेना की वापसी पर उन्होंने कहा, तालिबान के लिए यह असंभव है कि वह दोबारा काबुल पर कब्जा करे और पाकिस्तान इसमें सहयोग करेगा। ऐसा नहीं हो रहा है।

उन्होंने कहा, यहां तक कि अफगान नेताओं ने स्वीकार किया है कि अफगानिस्तान में शांति के लिए पाकिस्तान ने काफी प्रयास किया है। जनरल इफ्तिखार ने कहा कि देश का भविष्य तय करना अफगानिस्तान की सरकार और वहां की जनता के हाथ है। उन्होंने कहा, अफगानिस्तान में लंबे समय तक के लिए शांति हमारी चाहत है। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान सरकार की नीति पड़ोसी देशों में शांति स्थापित करना है। बता दें कि तालिबान और अफगानिस्तान सरकार के बीच कतर में शांति वार्ता दोबारा शुरू हो गई है।

पाक पीएम का शांति मिशन: इमरान खान बोले-

अमेरिका और चीन के बीच तनाव खत्म कर सकता है पाकिस्तान

कोलंबो। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान दो दिन का श्रीलंका दौरा खत्म करके गुरुवार को इस्लामाबाद लौट आए। उन्होंने कोलंबो के एक प्रोग्राम में शिरकत की और यहां भाषण भी दिया। इस भाषण में खान की कही एक बात पर कुछ लोग चुटकी ले रहे हैं।

इमरान ने कहा- अमेरिका और चीन के बीच लंबे समय से तनाव चल रहा है। दोनों देशों के बीच इस टेंशन को कम करने में पाकिस्तान मदद करना चाहता है। 50 साल पहले भी हमने यही किया था। अब भी करना चाहते हैं।

पाकिस्तान अपना किरदार निभाना चाहता है

इमरान खान ने कहा- मुझे भरोसा है और मुझे लगता है अमेरिका और चीन के बीच जो तनाव बढ़ रहा है, उसे खत्म करने में पाकिस्तान अहम किरदार निभा सकता है। 50 साल पहले पाकिस्तान ने ही अमेरिका और चीन के बीच रिश्तों की शुरुआत कराई थी। तब हेनरी किसिंजर और चीनी नेताओं की हमने ही बातचीत कराई थी। मुझे लगता है कि यह काम हम फिर कर सकते हैं।

इमरान ने यहां अमन का मसीहा बनने की कोशिश की। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए खान ने कहा- हम मानवता का संदेश देना चाहते हैं।

जिन मुल्कों के बीच आपसी दुश्मनी है, हम उसे खत्म करने में मदद करना चाहते हैं।

14 साल मेरा मजाक उड़ता रहा...

इस कार्यक्रम में इमरान ने अपने क्रिकेटर से सियासतदान बनने के सफर का भी जिक्र किया। कहा- 14 साल पहले मैंने सियासत में उतरने का फैसला किया।

कुछ भरोसेमंद नेताओं को लेकर पार्टी बनाई। लोगों ने तब मेरा खूब मजाक उड़ाया। उन्हें लगता था कि मैं इस मैदान में नाकाम रहूंगा। पहली बार में एक ही सीट जीत पाए। आज सरकार चला रहे हैं। इसलिए मुझे लगता है कि नाकामियों से हार नहीं मानना चाहिए। इस कार्यक्रम में श्रीलंका के पूर्व क्रिकेट कप्तान अर्जुन राणातुंगा भी मौजूद थे। इमरान ने उनसे कहा- आप भी सियासत में आ चुके हैं, इसलिए धैर्य रखना सीखिए।

पाकिस्तानी पत्रकार का सवाल

इमरान के श्रीलंका में दिए गए इस भाषण पर कई लोगों ने तंज कसे। पाकिस्तान की मशहूर पत्रकार नायला इनायत ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए मैसेज में लिखा- यह वही इमरान खान हैं जिन्होंने सऊदी अरब और ईरान के बीच मध्यस्थता की पेशकश की थी। आप तो जानते ही होंगे कि इसका क्या नतीजा हुआ था।

यूएनसएसी में भारत की दो टूक: पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा- एक पड़ोसी न सिर्फ भारत

बल्कि पूरी दुनिया में आतंकियों की मदद कर रहा

न्यूर्याक। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक बार फिर पाकिस्तान को आतंकवाद का समर्थक देश बताया। यहां भारत के डिप्टी परमानेंट रिप्रेजेंटेटिव के नागराज नायडू ने पाकिस्तान का नाम तो नहीं लिया, लेकिन साफ कर दिया कि हमारा एक पड़ोसी देश न सिर्फ भारत, बल्कि दुनियाभर में आतंकवादियों को पनाह और मदद मुहैया कर रहा है। भारतीय प्रतिनिधि ने यह भी कहा कि आतंकवाद को पड़ोसी देश की सरकार का भी समर्थन हासिल है।

सिक्योरिटी काउंसिल की मीटिंग में नागराज ने कहा- भारत कई दशकों से प्रॉक्सी वॉर और क्रॉस बॉर्डर टेररिज्म का सामना कर रहा है। वहां की सरकार आतंकवाद का खुलेआम समर्थन करती है और दहशतगर्दी को मदद मुहैया कराती है। इन आतंकियों के ट्रेनिंग, फंडिंग, खुफिया जानकारी और हथियार दिए जाते हैं, ताकि वे हमारे देश में हिंसा फैला सकें। नायडू ने पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा- कुछ देश भारत के खिलाफ प्रॉक्सी वॉर छेड़े हुए हैं। ये देश आतंकवादी गुटों को हर तरह की मदद और पैसा देते हैं। दुनिया के सभी देशों को इस तरह के मुल्कों का मिलकर सामना करना होगा। यह सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है कि आतंकवाद के खिलाफ हम मिलकर जंग लड़ें।

बयान की टाइमिंग अहम

पेरिस में इस वक्त फाइनेंशियल टास्क फोर्स, यानी FATF की मीटिंग चल रही है। इसमें पाकिस्तान के ग्रे लिस्ट में रहने या ब्लैक लिस्ट होने पर ही फैसला आने की उम्मीद है। इसके पहले सिक्योरिटी काउंसिल में पाकिस्तान के खिलाफ बयान और सबूत देकर भारत ने साबित कर दिया है कि आतंकवाद कितनी गंभीर समस्या है और इसको रोकने के लिए पाकिस्तान सरकार ने अब तक कोई पुख्ता कार्रवाई नहीं की है। अगर पाकिस्तान ग्रे लिस्ट में ही बना रहता है तो भी उसके लिए परेशानियां काफी बढ़ जाएंगी। अगर वो ब्लैक लिस्ट होता है तो उस पर दिवालिया होने का खतरा मंडराने लगेगा। पाकिस्तान दो साल से ग्रे लिस्ट में है।

इटली का एटना ज्वालामुखी फिर सक्रिय: 1128 डिग्री के खौलते लावा की नदियां बह रही, तापमान इतना कि इसमें लोहा भी पिघल जाए

इटली। इटली का एटना ज्वालामुखी 15 दिन में तीसरी बार फूट पड़ा। 1500 मीटर की ऊंचाई तक धुआं उठा और दो किमी दूर तक राख फैल गई। ज्वालामुखी फटने के बाद 1128 डिग्री सेल्सियस के तापमान के बराबर खौलते लावा की नदियां बहने लगीं। इतने तापमान में लोहा भी पिघल सकता है। इस घटना के बाद सिसली द्वीप के आसपास के इलाकों को खाली करा दिया गया है। वैज्ञानिक बताते हैं कि एटना 7 लाख साल पुराना और दुनिया का दूसरा सबसे ज्यादा सक्रिय ज्वालामुखी है। यह हर साल 10 लाख टन लावा, 70 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड और सल्फर डाइऑक्साइड पैदा करता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर इसका लावा समुद्र में मिलता रहा तो भयानक सुनामी आ सकती है।

फेसबुक ने म्यांमार की सेना पर लगाया प्रतिबंध

सिंगापुर। म्यांमार में सैन्य तख्तापलट के बाद चल रहे संघर्ष के बीच सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक ने तत्काल प्रभाव से म्यांमार की सेना प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करने से प्रतिबंधित कर दिया है। यानी म्यांमार की सेना अब फेसबुक और इंस्टाग्राम का इस्तेमाल नहीं कर पाएगी। सोशल मीडिया कंपनी ने एक ब्लॉग पोस्ट में कहा कि तख्तापलट के बाद से हिंसा समेत अन्य घटनाओं के कारण यह प्रतिबंध को आवश्यक हो गया।

कंपनी ने कहा कि उसे लगता है म्यांमार की सेना को फेसबुक और इंस्टाग्राम का उपयोग करने देना काफी घातक है। बता दें कि देश की सेना गत एक फरवरी को नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी (एनएलडी) की सरकार को अपदस्थ कर सत्ता पर काबिज हो गई। देश की सर्वोच्च नेता आंग सान सू की समेत कई शीर्ष नेताओं को हिरासत में ले लिया गया। इसके बाद से ही पूरे देश में विरोध प्रदर्शनों का दौर जारी है। सेना ने आठ नवंबर के चुनाव में धांधली की बात कहती रही है। इस में आंग सान सू की पार्टी को बड़ी जीत मिली थी।

रैलियों में हिंसा में कम से कम तीन प्रदर्शनकारियों और एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई है। फेसबुक ने कहा कि वह अपने प्लेटफार्मों पर सेना से जुड़े विज्ञापन पर प्रतिबंध लगाएगा। म्यांमार के चीफ ऑफ द डिफेंस सर्विस मिन ऑन्ग ह्लेनिंग पर ट्विटर और फेसबुक ने पहले से बैन लगाया हुआ है। अमेरिका ने भी उनपर प्रतिबंध लगाया है। मानवाधिकार उल्लंघन के कारण उनपर बैन लगाया गया है।

वैक्सीन ट्रायल के लिए बंदरों की कमी: दोगुने दाम देने पर भी नहीं मिल रहे बंदर

वैज्ञानिकों ने कोरोना समेत कई बीमारियों का शोध रोका

वॉशिंगटन। पूरी दुनिया कोरोना वैक्सीन की ओर टकटकी लगाए देख रही है, वैक्सीन निर्माता भी उम्मीदों को पूरा करने में दिन-रात जुटे हुए हैं। पर इसमें और देर हो सकती है, क्योंकि वैज्ञानिकों को नई समस्या से जूझना पड़ रहा है, और वह है रिसर्च के लिए बंदरों की कमी। रॉकविले स्थित बायोक्वॉल के सीईओ मार्क लुईस पिछले कुछ महीनों से बंदरों की खोज में लगे हैं। पर उन्हें सफलता हाथ नहीं लगी है।

उनकी फर्म पर देश की रिसर्च लैब के अलावा मॉडर्ना और जॉनसन एंड जॉनसन जैसी दवा कंपनियों को बंदर पहुंचाने की जिम्मेदारी है। लुईस बताते हैं कि वैक्सीन बनाने में बंदरों की भूमिका अहम है। पर पिछले साल कोरोना ने जिस तरह अमेरिका को चपेट में लिया, इसके चलते एक खास किस्म के बंदरों की कमी हो गई है। इनकी कीमत भी दोगुनी हो गई है।7.25 लाख रुपए में भी एक बंदर नहीं मिल पा रहा है। इसके चलते दर्जनों कंपनियों को एनिमल रिसर्च रोकनी पड़ी है। लुईस कहते हैं कि समय पर सप्लाई न देने के कारण हमें काम रोकना पड़ा है। उधर, अमेरिकी शोधकर्ताओं का कहना है कि बंदर वैक्सीन का परीक्षण करने में उपयोगी होते हैं। उनका डीएनए और प्रतिरक्षा प्रणाली लगभग इंसान के समान होती है।

इन पर टेस्ट के बाद से ही किसी भी वैक्सीन का ह्यूमन ट्रायल शुरू किया जाता है। ऐसे में बंदरों की उपलब्धता न होने से वैक्सीन का ट्रायल प्रभावित हो रहा है। बंदरों की कमी से वैज्ञानिकों ने एड्स और अल्जाइमर्स के इलाज पर रिसर्च रोक दी है। इस कमी ने अमेरिका में बंदरों के रिजर्व पर फिर चर्चा छेड़ दी है। ठीक उसी तरह, जैसे सरकार तेल और अनाज के लिए आपातकालीन भंडार रखती है। अमेरिका में 7 प्राइमेट केंद्रों में 25 हजार लैब मंकी हैं। इनमें 600-800 का इस्तेमाल वैक्सीन ट्रायल के लिए किया जा रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि कोरोना के नए वैरिएंट मिल रहे हैं।

बंदरों के लिए चीन पर निर्भरता, 2019 में अमेरिका को 60त्न दिए थे

बंदरों की कमी की बड़ी वजह चीन भी है। उसने हाल ही में जंगली जानवरों की बिक्री बैन कर दी है। लैब एनिमल का सबसे बड़ा सप्लायर चीन है। सीडीसी के मुताबिक अमेरिका ने 2019 में 60त्न बंदर चीन से ही लिए थे। 1978 तक भारत भी बंदर देता था। पर इनका इस्तेमाल सैन्य परीक्षणों में होने की बात सामने आने पर निर्यात रोक दिया गया था।

कोरोना दुनिया में: वैक्सीन पासपोर्ट पर यूरोपियन यूनियन में मतभेद उभरे, फैसला संभव; टोरंटो में आउटडोर इवेंट्स पर बैन

वाशिंगटन। दुनिया में कोरोना मरीजों का आंकड़ा 11.30 करोड़ से ज्यादा हो गया। 8 करोड़ 86 लाख से ज्यादा लोग ठीक हो चुके हैं। अब तक 25 लाख 06 हजार से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं। ये आंकड़े www.worldometers.info/coronavirus के मुताबिक हैं।

ईयू में नई दिक्कत

यूरोपीय यूनियन में वैक्सीन पासपोर्ट सिस्टम को लेकर मतभेद सामने आने लगे हैं। अभी यह सिर्फ प्रस्ताव है, लेकिन रोलआउट के पहले ही कुछ देशों ने सवाल उठा दिए। आज इस बारे में श्व के मेंबर्स की बेहद अहम बैठक होने जा रही है। माना जा रहा है कि इस मीटिंग में कोई अंतिम फैसला सामने आ सकता है।

वैक्सीन पासपोर्ट को आसान भाषा में समझें तो इसका मतलब वैक्सीनेशन से है। यानी ऐसे लोग जिन्होंने कोविड-19 का वैक्सीनेशन करा लिया है और इसके सबूत उनके पास हैं तो वे यूनियन के दूसरे देशों में बेरोकटोक यात्रा कर सकते हैं। उन्हें यात्रा से पहले वैक्सीनेशन के डिजिटल डॉक्यूमेंट्स दिखाने होंगे और यही उनका पासपोर्ट माना जाएगा। ग्रीस और स्पेन इस पर राजी हैं। लेकिन, फ्रांस और जर्मनी ने कुछ सवाल उठाए हैं। फ्रांस का कहना है कि इस तरह के कदम उठाना जल्दबाजी होगी।

कनाडा के टोरंटो में फिर सख्ती

कनाडा के सबसे बड़े शहर टोरंटो में संक्रमण फिर तेजी से बढ़ रहा है। इसे देखते हुए प्रशासन ने सख्ती का फैसला किया है। तीन महीने में दूसरी बार आउटडोर इवेंट्स पर पूरी तरह रोक लगा दी है। लोकल एडमिनिस्ट्रेशन ने कहा है कि संक्रमण की तीसरी लहर का खतरा साफ तौर पर नजर आ रहा है और ऐसे में किसी तरह का रिस्क लेना संभव नहीं है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, कनाडा सरकार ने जुलाई तक प्रतिबंध बढ़ा दिए हैं। हर साल होने वाले प्राइड परेड भी रद्द कर दी गई है।

चार महीने में हट जाएंगे प्रतिबंध

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा है कि उन्हें पूरा भरोसा है कि देश में लगे तमाम तरह के प्रतिबंधन जून तक हटा लिए जाएंगे और हालात पहले की तरह सामान्य हो जाएंगे। एक प्रोग्राम के दौरान जॉनसन ने कहा- सरकार अपनी तरफ से हर वो कदम उठा रही है, जो हालात सामान्य कर सकते हैं। हम पहले ही आर्थिक स्थिति सामान्य करने के लिए पैकेज का ऐलान कर चुके हैं। जॉनसन ने फिर कहा है कि बेरोजगारी को खत्म करने के लिए प्लान बनाया जा चुका है और इस पर अमल किया जा रहा है। इसमें एक्सपर्ट्स की राय को भी तवज्जो दी गई है। उन्होंने कहा कि स्कूल भी बहुत जल्द खोल दिए जाएंगे। इसके लिए तैयारियां अंतिम दौर में हैं।

टॉप-10 देश, जहां अब तक सबसे ज्यादा लोग संक्रमित हुए

देश	संक्रमित	मौतें	ठीक हुए
अमेरिका	28,974,623	518,363	19,340,329
भारत	11,046,432	156,742	10,736,433
ब्राजील	10,326,008	250,079	9,281,018
रूस	4,200,902	84,430	3,751,562
यूके	4,144,577	121,747	2,666,466
फ्रांस	3,609,827	84,613	250,532
स्पेन	3,161,432	68,079	2,561,102
इटली	2,832,162	96,348	2,347,866
तुर्की	2,655,633	28,213	2,534,996
जर्मनी	2,402,485	68,990	2,207,700

सिंघु बॉर्डर पर बोले निहंग सिख- बनाएंगे अपनी राजनीतिक पार्टी

नई दिल्ली। तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों को रद करने की मांग को लेकर दिल्ली-हरियाणा के सिंघु बॉर्डर पर चल रहा किसानों का धरना-प्रदर्शन शुक्रवार को 93वें दिन में प्रवेश कर गया है। इस बीच सिंघु बॉर्डर से एक वीडियो जारी हुआ है, जिसमें निहंग सिख नेता बाबा राज सिंह कहते नजर आ रहे हैं कि जो आंदोलन का समर्थन नहीं करेगा उसकी पंजाब में फिल्म नहीं बनने देंगे। उसे पंजाब में घुसने नहीं देंगे। उन्होंने तो यह तक कह दिया कि अब उन्हें देश की किसी भी पार्टी पर भरोसा नहीं है, इसलिए एक नई पार्टी बनाई जाएगी। इसमें सभी किसान मजदूर शामिल होंगे। अगला प्रधानमंत्री किसान होगा और राष्ट्रपति मजदूर। यहां पर बता दें कि पश्चिमी दिल्ली के टीकरी बॉर्डर पर प्रदर्शनकारियों की संख्या बेहद कम रह गई है। पिछले कुछ दिनों से काफी कम संख्या में प्रदर्शनकारी दिखाई दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि केंद्र सरकार के साथ दोबारा बातचीत शुरू नहीं होने से ज्यादातर किसान प्रदर्शनकारी निराश है। इसके साथ ही दबी जुबान से किसान संगठनों को इसके लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। गौरतलब है कि भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने किसानों से कहा है कि वे अपने ट्रैक्टर में डीजल भरवा लें, जल्द ही 40 लाख ट्रैक्टरों के साथ दिल्ली कूच करेंगे। हमें जमीन बचाने को सरकार से लड़ाई लड़नी होगी। उन्होंने किसानों के साथ पुलिसकर्मियों की भी चिंता की। भाकियू नेता टिकैत ने बुधवार को आगरा के किरावली में किसान महापंचायत को किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि नए कृषि कानून के नाम पर व्यापारियों को लाभ नहीं देने दिया जाएगा। मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे भी आंदोलन का हिस्सा बनें। बता दें कि राकेश टिकैत इन दिनों किसान आंदोलन का केंद्र बन चुके हैं।

'भगवान' ने अपनी प्लेटलेट्स देकर बचाई बिहार के एक किशोर की जान

नई दिल्ली। डॉक्टरों को धरती का भगवान ऐसे ही नहीं कहा जाता है, क्योंकि वे अपनी जिम्मेदारियों से ऐसा करते रहते हैं, जिससे इंसान को नई जिंदगी मिलती है। इसी कड़ी में अप्लास्टिक एनीमिया नाम के रक्त विकार से पीड़ित बिहार के मुजफ्फरपुर के रहने वाले 14 वर्षीय मुहम्मद समीर के लिए दिल्ली स्तित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के डॉक्टर भगवान से कम नहीं है। पहले केंद्र सरकार से राष्ट्रीय आरोग्ध निधि से 13 लाख रुपये इलाज का खर्च दिलाने में मदद की, जिससे मंगलवार को पीड़ित किशोर का एम्स में बोन मैरो प्रत्यारोपण हो सका। लेकिन, उसे अभी ठीक होने में थोड़ा वक्त लगेगा। इस बीच शरीर में खून नहीं बन पाने के कारण प्लेटलेट्स चढ़ाने की जरूरत होती है, तो एम्स के डाक्टर डोनर का प्रबंध करते हैं। बृहस्पतिवार को भी उसकी जिंदगी

बचाने के लिए प्लेटलेट्स चढ़ाने की जरूरत थी। परिजनों को डोनर नहीं मिल पा रहे थे। ऐसी स्थिति में एम्स के जेरियाटिक विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डझ्र. प्रसून चटर्जी ने सिंगल डोनर प्लेटलेट्स दान किया, जिससे किशोर की जिंदगी बच सकी। समीर की मां शाहजहां ने डोनर नहीं मिल पाने के कारण जेरियाटिक विभाग के ही सहायक प्रोफेसर डॉ. विजय गुर्जर से संपर्क कर प्लेटलेट्स की व्यवस्था करने की गुहार लगाई थी। डॉ. विजय के अनुरोध पर डॉ. प्रसून चटर्जी ने ब्लड बैंक में जाकर सिंगल डोनर प्लेटलेट्स दान किया। इस प्रक्रिया में एक घंटा समय लगता है। प्लेटलेट्स दान करने के बाद वापस ड्यूटी पर आकर काम भी किया। समीर पांच फरवरी से एम्स में भर्ती है। उसकी मां ने बताया कि वह अभी एक से डेढ़ माह तक एम्स में भर्ती रहेगा। डाक्टर कहते हैं कि प्लास्टिक एनीमिया के कारण उसके शरीर में खून नहीं बन पाता है। अब जब बोन मैरो प्रत्यारोपण हो गया है तो अगले कुछ दिनों में उसके शरीर में धीरे-धीरे खून बनने लगेगा। पीड़ित आयुष्मान भारत का लाभार्थी है। इस योजना के तहत पांच लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा है, लेकिन बोन मैरो प्रत्यारोपण में अधिक खर्च आता है। यहां पर बता दें किपहले आयुष्मान भारत के लाभार्थियों को आरोग्य निधि से आर्थिक मदद का प्रावधान नहीं था। एम्स के डाक्टरों ने जब यह मामला उठाया तो नियमों में बदलाव किया गया। इसके बाद से समीर के इलाज में जब भी कोई अड़चन आती है, तो उसकी मां डा. विजय से संपर्क करती हैं। डॉ. प्रसून चटर्जी ने कहा कि सिंगल डोनर प्लेटलेट्स दान करने की प्रक्रिया सुरक्षित है। इसलिए जरूरतमंदों की मदद हर किसी को करनी चाहिए।

सीटीइटी 2021 के परिणाम जारी, यहां देखें रिजल्ट

नई दिल्ली। परीक्षा के 14वें संस्करण के परिणाम जारी कर दिए। ये परीक्षा 31 जनवरी को आयोजित हुई थी। जिन उम्मीदवारों ने इस बार परीक्षा दी थी वो सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना परिणाम देख सकते हैं।

बोर्ड के अधिकारियों के मुताबिक इस बार कुल 3058974 उम्मीदवारों ने परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया था। इसमें 1611423 उम्मीदवारों ने पेपर-1 और 1447551 उम्मीदवारों ने पेपर-2 के लिए पंजीकरण कराया था। वहीं, परीक्षा के लिए कुल 1247217 उम्मीदवारों ने पेपर-1 की परीक्षा दी थी।

1104454 उम्मीदवारों ने पेपर-2 की परीक्षा दी थी। लेकिन पेपर 1 में 1247217 उम्मीदवारों में से कुल 414798 उम्मीदवारों ने ही परीक्षा उत्तीर्णकी है। वहीं, पेपर 2 में 1104454 उम्मीदवारों में से कुल 239501 उम्मीदवारों ने परीक्षा उत्तीर्ण की है। बोर्ड ने एक परिपत्र जारी करते हुए कहा कि सभी सफल उम्मीदवार बोर्ड या सीटीईटी की आधिकारिक वेबसाइट पर परिणाम देखने के बाद डिजिलाकर से अपना परिणाम डाउनलोड कर सकते हैं। सफल उम्मीदवारों को उनके मोबाइल नंबर पर बोर्ड की तरफ से लागिन से संबंधित जानकरी भेजी जाएगी जिसकी मदद से वह लागिन करके अपनी मार्कशीट को डाउनलोड कर सकते हैं।

विशेष जांच दल गठित करने की याचिका पर 24 मार्च को होगी सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली दंगा मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल गठित करने समेत अन्य मांग को लेकर दायर विभिन्न याचिकाओं पर गुरुवार को 24 मार्च तक के लिए सुनवाई स्थगित हो गई। मामले से जुड़े सभी दस्तावेज एक साथ कोर्ट के समक्ष नहीं पेश होने पर मुख्य न्यायमूर्ति डीएन पटेल व न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने सुनवाई स्थगित कर दी, साथ ही केंद्र सरकार से अपना जवाब दाखिल करने को कहा। इसके अलावा कोर्ट ने रजिस्ट्रार कार्यालय को मामले से सभी संबंधित दस्तावेजों को संकलित कर एक साथ पेश करने को कहा।

याचिकाकर्ता अजय गौतम ने आपत्तिजनक भाषण देने के लिए कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा, उपमुख्यमंत्री सिसोदिया, आप विधायक अमानतुल्लाह खान, अकबरुद्दीन ओवैसी और महमूद प्राचा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने का निर्देश देने की मांग की है। वहीं, कुछ अन्य याचिकाओं में पुलिस की संदिग्ध भूमिका की जांच करने की भी मांग की गई है।

एक अन्य याचिका में जमीयत उलेमा-ए-हिंदू ने दंगों के पीछे के षडयंत्र का पता लगाने के लिए हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के नेतृत्व में एसआइटी गठित करने की मांग की है। उधर दिल्ली दंगे के दौरान करावल नगर इलाके के धार्मिक स्थल में आगजनी के मामले में दायर आरोपपत्र पर कड़कड़डूमा कोर्ट ने संज्ञान ले लिया है। कोर्ट ने आदेश में कहा कि आरोपितों के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य हैं। गत वर्ष फरवरी में दंगे के दौरान करावल नगर क्षेत्र में हिंसा हुई थी। उस वक्त शिव विहार के पास 20-25 दंगाई एक धार्मिक स्थल में घुस गए थे। उन्होंने धार्मिक स्थल के अंदर दो सिलेंडरों में आग लगा दी थी। जिससे धार्मिक स्थल को काफी क्षति पहुंची थी। इस मामले में पुलिस ने आरोपित हाशिम अली और अबुबकर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। दोनों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था।

मुख्य महानगर दंडाधिकारी दिनेश कुमार की कोर्ट ने उपद्रव और आगजनी के आरोपों पर संज्ञान लिया है। कोर्ट ने आदेश में कहा है कि आरोपितों के खिलाफ आरोपपत्र का संज्ञान लेने के लिए पर्याप्त साक्ष्य हैं। कोर्ट ने कहा कि प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि दंगाइयों ने आरोपपत्र में दिए गए अपराध को अंजाम दिया गया।

भारत बंद का दिल्ली के बाजारों में असर नहीं, एनसीआर में भी खुली हुए हैं बाजार

नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवाकर में मौजूदा प्रावधानों के विरोध में व्यापारिक संगठनों का दिल्ली-एनसीआर समेत देशभर में भारत बंद शुरू जारी है। वहीं, इस भारत बंद का दिल्ली-एनसीआर में भी आंशिक रूप से दिखाई दे रहा है। इसके पीछे वजह यह है कि दिल्ली के अधिकतर कारोबारी संगठनों ने इस बंद से दूरी बनाने का निर्णय लिया है। इसकी जगह दिल्ली के बाजार सांकेतिक विरोध प्रदर्शन करेंगे। शुक्रवार सुबह से दिल्ली-एनसीआर में कहीं से भी जबरन व्यापारिक प्रतिष्ठानों को बंद कराने की सूचना नहीं मिली है। भारत बाजार बंद का दिल्ली में असर नहीं दिख रहा है। अधिकतर बाजार खुले हुए हैं। बाजारों में सामान्य दिनों की तरह कामकाज हो रहा है। बता दें कि कारोबारी संगठन कंफेडरेशन

ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के मौजूदा प्रावधानों से कारोबारियों को दिक्कत होने का हवाला देते हुए आज भारत बंद का आह्वान किया हुआ है। दिल्ली के बाजारों के कारोबारी संगठन इन जीएसटी के क्रियांवयन में आ रही दिक्कतों तथा मौजूदा प्रावधानों से मुश्किलें बढ़ने की तो बात कह रहे हैं। लेकिन वह बाजार बंद के समर्थन में नहीं है। इसे लेकर कई दिनों तक राष्ट्रीय राजधानी के कारोबारी संगठनों में बैठकों का दौर चला। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल (बीयूवीएम) के साथ ही चैंबर आफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआइ) द्वारा बुधवार और बृहस्पतिवार को बड़ी बैठकों का आयोजन किया गया था, जिसमें बंद में भाग न लेने का निर्णय किया गया था। इसका असर यह दिखा कि आज बाजारों में सामान्य दिनों तक ही कामकाज हो रहा है। चांदनी चौक, कश्मीरी गेट, सदर बाजार, कनाट प्लेस, खान मार्केट समेत कमोबोश सभी बाजारों की यहीं स्थिति है। हालांकि, बंद होने के अंदेशे के चलते बाजारों में ग्राहकों की संख्या अन्य दिनों के मुकाबले थोड़ी कम जरूर है। इस बीच, कई स्थानों पर बाजारों के व्यापारी नेता जीएसटी के मौजूदा प्रावधानों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। फेडरेशन आफ सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश यादव ने कहा कि पहले से ही बाजार कोरोना और किसान आंदोलन से खराब दौर से गुजर रहे हैं। इसलिए बाजार बंद के फैसले से यहां के दुकानदारों ने दूरी बनाने का फैसला किया है। उधर, कारोबारी संगठन कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल का कहना है कि भारत बंद का दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे भारत में असर दिखाई देगा। बात दें कि कारोबारी संगठन कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने शुक्रवार को इस बंद का आह्वान किया है। उधर, नागपुर में कैट के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में इस निर्णय को लेकर शुरू से ही दिल्ली के कारोबारी संगठनों में उहापोह की स्थिति देखने को मिली रही है।

उत्तराखंड आपदा का अध्ययन करेंगे डीयू के विज्ञानी

नई दिल्ली। चमोली जिले की नीति घाटी में ग्लेशियर टूटने से ऋषिगंगा और धौलीगंगा नदी में आए सैलाब के कारणों की खोज में दिल्ली विश्वविद्यालय के विज्ञानी भी मदद करेंगे। डीयू के सेंटर फार हिमालयन स्टडीज के सात विज्ञानी आपदा के कारणों की पड़ताल के साथ ही भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं हो इसके लिए ठोस कार्ययोजना भी तैयार करेंगे। सेंटर के एडवाइजर प्रो. आरबी सिंह बताते हैं कि अध्ययन के दौरान मौसम संबंधी आंकड़े जुटाने का प्रयास किया जाएगा, क्योंकि हिमालयी क्षेत्र के मौसम के आंकड़ों का बहुत बड़ा अभाव है। हमें हिमालयी क्षेत्र में सिर्फ सतह ही नहीं, बल्कि ऊपरी वायुमंडल के तापमान पर निगरानी रखनी होगी, क्योंकि असल में यही तापमान ग्लेशियरों के पिघलने के लिए जिम्मेदार होता है।

दिल्ली बनेगा दुनिया का ऐसा पहला राज्य, जहां सरकार के विभागों में चलेंगे सिर्फ ई-वाहन

नई दिल्ली। आने वाले समय में दिल्ली सरकार के सभी विभागों में अब सिर्फ इलेक्टिक वाहनों (ई-वाहन) का उपयोग होगा और इस मामले में दिल्ली देश में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में ऐसा पहला राज्य बन जाएगा। इस दिशा में दिल्ली में सत्तासीन आम आदमी पार्टी सरकार ने बृहस्पतिवार को ऐतिहासिक कदम उठाया है।

दिल्ली सरकार के वित्त विभाग ने दिल्ली इलेक्टिक व्हीकल पॉलिसी 2020 के अंतर्गत आदेश जारी किया है कि दिल्ली सरकार के सभी विभागों, स्वायत्त संस्थाओं और अनुदान प्राप्त संस्थाओं में मौजूदा किराया आधारित पेट्रोल, डीजल, सीएनजी से चालित सभी वाहनों के बदले छह माह के भीतर इलेक्टिक वाहनों का उपयोग सुनिश्चित करना अनिवार्य है। ऐसे वाहनों की खरीद, किराया या लीज पर लेने के संबंध में विस्तृत दिशानिर्देश भी जारी किए गए हैं।

वहीं, उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का सपना दिल्ली को इलेक्टिक वाहनों की राजधानी बनाना है। उम्मीद है कि इससे प्रेरणा लेकर देश-दुनिया के अन्य शहरों में भी प्रदूषण से लड़ाई को प्राथमिक एजेंडे में शामिल किया जाएगा। आज जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण से जुड़ी चुनौतियों को काफी गंभीरता से लेना जरूरी है।

दिल्ली सरकार के वित्त विभाग के पॉलिसी डिविजन द्वारा जारी आदेश के अनुसार ऐसे इलेक्टिक वाहनों की खरीद तथा किराया अथवा लीज पर लेने के लिए जेम पोर्टल अथवा भारत सरकार के ऊर्जा विभाग के अंतर्गत पीएसयू ईईएसएल का उपयोग किया जाएगा। इलेक्टिक वाहनों को विभागों की सुविधानुसार ड्राई अथवा वेट लीज पर लेने का प्रविधान रखा गया है। प्रथम बार ऐसे वाहन लेने से पहले वित्त विभाग की अनुमति लेना अनिवार्य होगा। मौजूदा अनुबंध के विस्तार के लिए ऐसी अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी। वित्त विभाग से अनुमति प्राप्त वर्तमान आइसी इंजन वाहनों के बदले उतनी संख्या में नए इलेक्टिक वाहनों के लिए भी अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी।

मनीष सिसोदिया ने उम्मीद जताई है कि दिल्ली सरकार के सभी विभाग, स्वायत्त तथा अनुदान प्राप्त संस्थाओं में मौजूदा किराया आधारित पेट्रोल, डीजल, सीएनजी से चालित सभी वाहनों के बदले इलेक्टिक वाहनों का उपयोग जल्द शुरू करने से दिल्ली के पर्यावरण को बेहतर करने में मदद मिलेगी।

उन्होंने बताया कि इसे सुनिश्चित करने के लिए परिवहन विभाग को नोडल एजेंसी बनाया गया है। इसके अलावा उपमुख्यमंत्री ने दिल्ली सरकार के सभी विभागों, स्वायत्त संस्थाओं तथा अनुदान प्राप्त संस्थाओं को इस दिशा में उठाए गए कदमों के संबंध में हर महीने की पांच तारीख को परिवहन विभाग को पूरी सूचना भेजने का निर्देश दिया है।

दिल्ली में राष्ट्रीय औसत से कम हुआ कोरोना टीकाकरण का काम

नई दिल्ली। कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच अब अगले सप्ताह से बुजुर्गो व 45 साल से अधिक उम्र के पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों को टीका लगाने का काम शुरू हो जाएगा, लेकिन टीकाकरण की शुरुआती दौर में दिल्ली पिछड़ गई।

पहले चरण में दिल्ली में कुल 59.3 फीसद स्वास्थ्य कर्मियों को ही टीका लगा है, जो राष्ट्रीय औसत 75.5 फीसद से कम है। हालांकि अग्रिम पंक्ति के अन्य कर्मचारियों के टीकाकरण की रफ्तार कुल मिलाकर ठीक रही है, लेकिन पिछले दो दिन से टीकाकरण में फिर कमी आई है। उल्लेखनीय है कि पहले चरण में 16 जनवरी से स्वास्थ्य कर्मियों का टीकाकरण शुरू हुआ था। शुरुआत में टीके से सुरक्षा को लेकर स्वास्थ्य कर्मी आशंकित थे। इस वजह से टीकाकरण की रफ्तार बहुत धीमी रही। चार फरवरी को अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों का टीकाकरण शुरू

होने पर अभियान ने गति पकड़ी। फिर भी स्वास्थ्य कर्मियों के टीकाकरण का आंकड़ा 60 फीसद भी पार नहीं कर पाया। 25 फरवरी तक ही स्वास्थ्य कर्मियों को टीके की पहली डोज देने का समय निर्धारित था। ऐसे में स्वास्थ्य कर्मियों को टीके की पहली डोज देने का काम बंद हो जाएगा। इस वजह से जो स्वास्थ्य कर्मी अब तक टीका नहीं ले पाए उन्हें टीका लगवाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। बृहस्पतिवार को 18,945 कर्मचारियों को लगा टीका। दिल्ली में बृहस्पतिवार को 18,945 कर्मचारियों को टीका लगा। इसके तहत 13,403 कर्मचारियों को कोरोना की पहली डोज व 5,542 स्वास्थ्य कर्मियों को दूसरी डोज दी गई। टीका लगने

25 फरवरी तक ही स्वास्थ्य कर्मियों को टीके की पहली डोज देने का समय निर्धारित था। ऐसे में स्वास्थ्य कर्मियों को टीके की पहली डोज देने का काम बंद हो जाएगा।

के बाद महज छह लोगों में हल्के दुष्प्रभाव देखे गए। दिल्ली में अब तक कुल तीन लाख 47 हजार 291 कर्मचारियों को टीके की पहली डोज दी गई है। इसके तहत एक लाख 44 हजार 346 स्वास्थ्य कर्मियों को टीके की पहली डोज दी गई है, जबकि सवा दो लाख से ज्यादा स्वास्थ्य कर्मियों को टीका लगना था। वहीं अब तक दो लाख दो हजार 945 अन्य अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों को टीके की पहली डोज लगी है। इस लिहाज से से 61.5 फीसद अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों को टीका लग चुका है।

नीरव मोदी ने एक लेटर की बदौलत अंजाम दी सबसे बड़ी बैकिंग धोखाधड़ी

नई दिल्ली। पीएनबी बैंक घोटाले के मुख्य आरोपी चाचा(मेहुल चौकसी) भतीजे(नीरव मोदी) को लंबे समय से देश में लाने की कोशिशें की जा रही थीं, गुरूवार को लंदन की अदालत ने नीरव मोदी को भारत प्रत्यर्पण का रास्ता साफ कर दिया। पीएनबी घोटाले का मुख्य आरोपी और भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी की याचिका को लंदन की अदालत ने गुरुवार को ठुकरा दिया है। कोर्ट ने उसके भारत प्रत्यर्पित किए जाने को अपनी मंजूरी दे दी है। कोर्ट ने कहा कि भारत की न्यायपालिका निष्पक्ष है। बैंक से फ्रॉड करने के बाद देश छोड़कर भागने वाले नीरव मोदी को प्रत्यर्पण पर मुंबई लाया जाएगा। बताया जा रहा है कि उसे यहां आर्थर रोड जेल में रखा जाएगा। हम आपको बताते हैं कि आखिर इतने बड़े घोटाले से पर्दा कैसे उठा, उसके बाद कैसे इसकी परतें खुलती चली गईं। देश के सबसे बड़े बैंकिंग फ्रॉड से पर्दा उस समय उठा जब पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी)ने स्टॉक एक्सचेंज को मुंबई ब्रांच में हुए 1771.17 करोड़ डॉलर (करीब 11000 करोड़ रुपए) के फर्जी लेन देन की जानकारी दी। इस खबर के बाद एक ओर जहां वित्त मंत्रालय में हड़कंप मच गया वहीं दूसरी ओर अन्य सरकारी बैंकों पर भी इसकी आंच आने की आशंका गहराने लगी। फिर सवाल उठा कि आखिर आरबीआई जैसे सख्त नियामक और बैंक के आला अधिकारियों की नाक के नीचे इस घोटाले को अंजाम कैसे दिया गया? इस पूरे घोटाले को समझने के लिए आपको यह जानना जरूरी है कि आखिर वो क्या चीज थी जिसकी वजह से इतना बड़ा घोटाला हुआ। लेटर ऑफ अंडरटेकिंग किसी अंतरराष्ट्रीय बैंक या किसी भारतीय बैंक की अंतरराष्ट्रीय शाखा की ओर से जारी किया जाता है। इस लेटर के आधार पर बैंक, कंपनियों को 90 से 180 दिनों तक के शॉर्ट टर्म लोन मुहैया कराते हैं। इस लेटर के आधार पर कोई भी कंपनी दुनिया के किसी भी हिस्से में राशि को निकाल सकती है। इसका इस्तेमाल ज्यादातर आयात करने वाली कंपनियां विदेशों में भुगतान के लिए करती हैं।

दिल्ली एयर पर 65 लाख रुपये से अधिक का सोना बरामद, एक यात्री गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के पालम स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम विभाग ने अलग-अलग मामलों में सोने की तस्करी के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। कस्टम के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सभी घटना 24 फरवरी की हैं। पहले मामले में कस्टम ने दुबई से इंडिगो की उड़ान से आए एक संदिग्ध को दबोचा। उसके पास से सोने के बिस्कुट बरामद हुए। इसी दौरान एक अन्य उड़ान से आए दो संदिग्ध ग्रीन चैनल पार कर एयरपोर्ट से निकलने की जुगत में लगे थे। उन दोनों के पास से सोने का पेस्ट मिला। वहीं एक मामले में कस्टम अधिकारियों ने दुबई से आई स्पाइस जेट की उड़ान से उतरे एक तस्कर को गिरफ्तार को किया उसने मिक्सर ग्राइंडर के अंदर सोना छिपाया था। चारों के पास से कुल 1283 ग्राम सोना बरामद किया गया, जिसकी कीमत करीब 55 लाख रुपये है। वहीं, ताजा मामला में दिल्ली एयरपोर्ट कस्टम विभाग ने यात्रा से 1.5 किलोग्राम सोना बरामद किया, जिसकी बाजार में कीमत 65.44 लाख रुपये है। इसमें आरोपित यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिससे अब पूछताछ की जा रही है। उत्तरी जिला स्पेशल स्टाफ पुलिस ने सौ से ज्यादा मामलों में वांछित बदमाश को हेरोइन तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तस्कर करनैल सिंह उर्फ कन्ना से 258 ग्राम हेरोइन बरामद की है। आरोपित बरेली के तस्कर से हेरोइन खरीदकर दिल्ली में आपूर्ति करता था। करनैल पर दिल्ली के अलग-अलग थानों में 100 से अधिक मामले दर्ज हैं। लूटपाट, झपटमारी और पुलिस टीम पर हमला करने के मामले में वह दस वर्ष जेल की सजा भी काट चुका है। आरोपित गुलाबी बाग थाने का घोषित बदमाश है और उसपर मकोका भी लगा हुआ है। उत्तरी जिले के डीसीपी एंटो अल्फोंस ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि एक तस्कर 23 फरवरी को हेरोइन के साथ प्रताप नगर इलाके में आने वाला है।

उपेन्द्र कुमार को मैथिली भोजपुरी अकादमी का सदस्य मनोनित पर बधाई

नई दिल्ली (न्यूज़ ब्यूरो) उपेन्द्र कुमार एक अद्वितीय व्यक्तित्व हैं और नई पीढ़ी के लिए आदर्शवादी हैं को दिल्ली के उप मुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया द्वारा मैथिली भोजपुरी अकादमी का सदस्य बनाया गया है। ज्ञात रहे कि उपेन्द्र कुमार का पैतृक घर बिहार यानी पटना है और वे दसवीं कक्षा तक की पढ़ाई पटना से करने के बाद दिल्ली आ गए और अपनी बाकी की शिक्षा यहीं से पूरी की। आई. पी. विश्वविद्यालय से, उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की। शिक्षा अवस्था के दौरान लोगों की सेवा भावना उनके बचपन से ही पैदा हुई थी और वह आज तक खुद को इसमें व्यस्त रख कर निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने दिल्ली में आम आदमी पार्टी की शुरुआत की तो उपेन्द्र कुमार आंदोलन में शामिल थे। जब दिल्ली में आम आदमी पार्टी की स्थापना हुई और मनीष सिसोदिया पटपड़गंज विधानसभा सीट से चुनाव जीते उस समय से दिल्ली के उप मुख्यमंत्री के विधायक पर्तिनधी के रूप में उनके साथ काम कर रहे हैं। क्षेत्र के लिए 24

घंटे के लिए खुद को समर्पित कर दिया है। उपेन्द्र कुमार के दोस्तों का कहना है कि उन्होंने हमेशा लोगों के लिए खुद को समर्पित किया है यही वजह है कि आम आदमी पार्टी आज उन्हें पार्टी का वफादार कार्यकर्ता मानती है। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि उपेन्द्र कुमार मैथिली भोजपुरी अकादमी के सबसे कम उम्र के सदस्य बनाए गए हैं जिन्हें इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। दिल्ली सरकार की मैथिली भोजपुरी अकादमी के सदस्य बनने पर, उनके मूल शहर पटना में खुशी की लहर दौड़ गई और बड़ी संख्या में लोग उन्हें प्यार और बधाई दे रहे हैं। पूर्वांचल समुदाय को अपनी मैथिली भोजपुरी अकादमी का सदस्य मनोनित होने पर गर्व है कि उनके बीच के युवा अब न केवल पूर्वांचल भाषा की समस्याओं पर ध्यान देंगे, बल्कि समस्याओं को तुरंत हल करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उपेन्द्र को उनके सर्कल में एक मेहनती और उत्साही युवा के रूप में भी जाना जाता है। पूर्वांचल समुदाय और उनके मूल पटना के सभी दोस्तों और रिश्तेदारों ने उपेन्द्र कुमार को मैथिली भोजपुरी अकादमी का सदस्य बनाने के लिए दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया का सौहार्दपूर्वक धन्यवाद किया है और अच्छे भविष्य की कामना की है के क्षेत्र और देश का नाम इसी प्रकार रौशन करते रहें।।

विदेशी सर्वर का प्रयोग कर फर्जी वेबसाइट से लोगों से की एक करोड़ की ठगी, चार गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की साइबर सेल ने फर्जी वेबसाइट से लोगों से 1.20 करोड़ रुपये ठगने वाले चार ठगों को गिरफ्तार किया। सरकारी वेबसाइट से मिलता जुलता नाम रख आरोपित लोगों को चूना लगाते थे। पकड़े जाने से बचने के लिए ठग विदेशी सर्वर का प्रयोग करते थे। आरोपितों का नाम यश शर्मा, तुषार नैय्यर, अनुराग चुग और सूरज वर्मा है। सभी दिल्ली के उत्तम नगर इलाके के रहने वाले हैं। ठग अब तक करीब चार हजार लोगों से ठगी कर चुके हैं। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। साइबर सेल के डीसीपी अन्येष राय ने बताया कि पुलिस को नकली वेबसाइट के माध्यम से ठगी की शिकायत मिली थी। चार फर्जी वेबसाइट सरकारी ई पोर्टल जीईएम.जीओवी.इन से मिलते जुलते नाम से चलाई जा रही थीं। जब कोई कारोबारी अपना कारोबार सरकारी वेबसाइट पर पंजीकरण के लिए फर्जी पोर्टल पर जाता था तो इसके लिए उनसे 2999 रुपये की मांग की जाती थी। लेकिन रुपये लेने के बाद भी जब पीड़ितों का कारोबार सूचीबद्ध नहीं हुआ तो उन्हें ठगी का पता चला। ठगी की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर साइबर सेल के एसीपी रमन लांबा की टीम ने मामले की छानबीन शुरू की। इसमें पता चला कि ठगों का एक गिरोह नकली वेबसाइट के माध्यम से ठगी कर रहा है। यह भी जानकारी मिली कि ठग पकड़े जाने से बचने के लिए विदेशी सर्वर का प्रयोग कर रहे हैं। गुगल सर्च में फर्जी वेबसाइट का नाम सबसे उपर दिखे इसके लिए आरोपित गुगल एड को रुपये भी देते थे।

संपादकीय

अंध-राष्ट्रवाद की भूलभुलैया

देश की सीमाओं की रक्षा करना सरकार का एक महत्वपूर्ण दायित्व होता है। अक्सर सरकार की लोकप्रियता के भिन्न पैमानों में एक यह भी होता है कि उसने सीमाओं की रक्षा किस हद तक की है। यह अलग बात है कि जमीन पर सीमा निर्धारण से लेकर उसकी हिफाजत के तौर-तरीकों तक की समझ विकसित करने में सरकारें ही जनता की 'मदद' करती हैं। कई बार यह मदद एक ऐसे दुश्चक्र का निर्माण कर देती है, जिसमें फंसकर सरकारें सीमा से जुड़े दूसरे महत्वपूर्ण दायित्व को नजरंदाज करने लगती हैं। वे भूल जाती हैं कि जितना महत्वपूर्ण सीमाओं की रक्षा है, उससे कम अपने पड़ोसियों के साथ चल रहे सीमा विवादों का हल ढूंढ़ना नहीं है।

एक राष्ट्र-राज्य के रूप में भारत के सामने सीमा चुनौतियां दो कालखंडों में आईं। पहली तो उपनिवेश के रूप में मिली, जब दिल्ली पर काबिज एक तत्कालीन विश्व ताकत ने आस-पास के कमजोर शासकों से अपने अंतरराष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर सीमा-समझौते किए। इनमें दो सबसे महत्वपूर्ण थे। पहले के अंतर्गत अफगानिस्तान और भारत के बीच डूरंड लाइन खींची गई और दूसरा, तिब्बत व भारत के मध्य की मैकमोहन लाइन से जुड़ा है। इस लाइन ने उत्तर-पश्चिम से लेकर उत्तर-पूर्व तक फैले हिमालय पर्वत की शृंखलाओं के 3,000 किलोमीटर से भी अधिक क्षेत्र में फैली सीमाएं निर्धारित की। देश के विभाजन के बाद पहले पाकिस्तान और बाद में बांग्लादेश के साथ सीमाएं तय करने की जरूरत पड़ी। पाकिस्तान बन जाने के बाद डूरंड लाइन तो भारत के लिए अप्रासंगिक हो गई है, पर इस तथ्य को रेखांकित करना जरूरी है कि म्यांमार को छोड़कर अपने हर पड़ोसी से, जिनसे थल सीमा मिलती है, हमारे विवाद हैं। आजादी के बाद की हमारी सरकारों के लिए क्या यह नहीं कहा जाना चाहिए कि उन्होंने देश की अखंडता की तो बखूबी रक्षा की, पर पड़ोसियों के साथ सीमा विवादों को हल करने में बुरी तरह से असफल रही हैं। गलवान में झड़प के बाद छह से सात महीनों तक देश के साथ पूरा विश्व दम साधे किसी अनहोनी की आशंका में डूबा था। शून्य से काफी नीचे हाड़ कंपाती ठंड में पचास हजार से अधिक भारतीय सैनिक लगभग इतने ही चीनी सैनिकों की आंखों में आंखें डालकर महीनों खड़े रहे। असावधानी से भी चली एक गोली दो परमाणु बम संपन्न और दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले इन पड़ोसियों के साथ हमारी दुनिया को महाविनाश की विभीषिका में झोंक सकती थी। गनीमत ही कही जा सकती है कि दोनों पक्षों ने कुछ पीछे हटने का फैसला किया। पर एक रिटायर्ड फौजी अफसर के अनुसार, अगर यह समझौता सिर्फ एक छोटे से क्षेत्र के लिए है, तो इसका कोई अर्थ नहीं। यह सार्थक तभी होगा, जब इसे विस्तार देते हुए पूरी भारत-चीन सीमा तक ले जाया जाए। भारत-चीन सीमा विवाद के हल की कामना करने से पहले हमें उसे समझना होगा। इस विवाद की जड़ में मैकमोहन लाइन है, जो 1914 में भारत-तिब्बत (और चीन) के प्रतिनिधियों के बीच शिमला में हुए एक समझौते के फलस्वरूप अस्तित्व में आई थी। इस सीमा-रेखा की भारतीय और चीनी समझ में अंतर के फलस्वरूप ही विवाद होते हैं और यही बिगड़ने पर संघर्षों का रूप ले लेते हैं। मैकमोहन लाइन को पवित्र मानने के पहले हमें दो तथ्यों को ध्यान में रखना होगा। पहला तो यह कि समझौता दो असमान शक्तियों के बीच हुआ था। मेज पर एक तरफ तत्कालीन विश्व की सबसे ताकतवर ब्रिटिश हुकूमत बैठी थी, जो भारत का प्रतिनिधित्व कर रही थी, तो दूसरी तरफ, हर तरह से कमजोर तिब्बत था। एक तीसरा पक्ष भी था, जो दूसरे की ही तरह कमजोर था और यह चीन था, जिसका प्रतिनिधि वार्तालाप के दौरान बिना दस्तखत किए ही भाग गया। इस समझौते को चीन ने आजाद होने के बाद कभी मंजूर नहीं किया और हमेशा एक ताकतवर द्वारा हाथ मरोड़कर कराया गया माना। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि 1949 के बाद दोनों देश मैकमोहन लाइन पर लचीला रुख अपनाकर कई बार स्थाई समझौते तक पहुंच चुके हैं और हर बार अंध-राष्ट्रवाद की आंधी चलाकर नासमझ राजनीतिक शक्तियों ने इसे असंभव बना दिया। साल 1959 में चीनी प्रधानमंत्री चाउ एनलाई की दिल्ली यात्रा के विवरण उपलब्ध हैं। इनके मुताबिक, वह नई दिल्ली में एक प्रस्ताव के साथ निर्णय लेने वाले केंद्रीय मंत्रियों की कोठियों पर भटकते रहे। एक महत्वपूर्ण मंत्री ने तो उनसे मिलने से ही इनकार कर दिया। दूसरे ताकतवर मंत्री ने प्रधानमंत्री नेहरू को शौचालय के अंदर से ही जवाब दे दिया कि उन्हें चाउ एनलाई का प्रस्ताव स्वीकार नहीं करना चाहिए। क्या देश की जनता को यह जानकर धक्का नहीं लगेगा कि आज जिस आधार पर भारतीय और चीनी सेनाओं ने अपने को पीछे किया है, वह तो वही है, जिसका प्रस्ताव 1959 में चीन ने दिया था? एक कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) एच एस पनाग ने इस तथ्य को उजागर किया है। पनाग के अनुसार, सेना मुख्यालय में टंगे नक्शों में इस इलाके को 'चीन द्वारा दावा किया गया क्षेत्र' दर्शाया गया है। इसी इंटरव्यू में उन्होंने यह भी कहा कि भारत सामरिक रूप से इतना मजबूत तो है कि चीन को किसी बड़ी विजय से रोक सके, मगर यह दावा कि वह एक साथ दो मोर्चों (पाकिस्तान व चीन) पर लड़ सकता है, वास्तविकता से दूर है। जिस कार्यक्रम में जनरल पनाग यह बता रहे थे, उसमें रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल डी एस हुड्डा भी मौजूद थे और उनकी खामोशी इन दावों पर मुहर लगा रही थी। राष्ट्रप्रेम एक उदात्त भावना है, पर अंध-राष्ट्रवाद हमें आत्महत्या के लिए प्रेरित कर सकता है। जब जवाहरलाल नेहरू ने आक्साई चिन के लिए कहा कि वहां तो घास का एक तिनका भी नहीं उगता, तो उन्हें कांग्रेस के ही एक सांसद का व्यंग्य सुनना पड़ा था। 1962 की शर्मनाक हार का देश के मनोबल पर क्या असर पड़ा, हमें कभी भूलना नहीं चाहिए। इतिहास दोहराने के बजाय, सरकार को युद्ध के लिए कूद पड़ने को मजबूर करने के बजाय यह याद दिलाते रहना होगा कि उसके लिए जितना जरूरी सीमाओं की हिफाजत करना है, उससे कम जरूरी सीमा विवादों को हल करना नहीं है। थोड़ा लचीला रुख अपनाकर इसे हासिल किया जा सकता है, पर इसके लिए जनता को अंध-राष्ट्रवाद की से बाहर निकालना होगा।

प्रवीण कुमार सिंह

भारत के प्रति शत्रुभाव रखने के कारण ही पाकिस्तान एक राष्ट्र के रूप में जीवित है

मंदिरों के भग्नावशेषों के सरकारी संरक्षण के बजाय स्थानीय लोगों को हिंदुओं की आस्था को कलंकित और अपमानित करने के लिए बढ़ावा दिया जा रहा है। जब मैं लाहौर के प्रसिद्ध रेस्त्रां कूक्कू डेन पहुंचा, तब वहां जगह-जगह हिंदू देवी-देवताओं की खंडित मूर्तियों और मंदिर अवशेषों ने मुझे झकझोर दिया। पाकिस्तान में गैर-इस्लामी प्रतीकों और शेष हिंदू-सिखों की दुर्गति इसलिए है, क्योंकि वहां का 'ईको-सिस्टम' बहुलतावाद और पंथनिरपेक्षता जैसे जीवन मूल्यों को अस्वीकार करता है।

पाकिस्तान की शीर्ष अदालत द्वारा निर्देशित आयोग की हिंदू मंदिरों की वस्तुस्थिति पर हाल में एक रिपोर्ट आई। इसमें जो दुर्भाग्यपूर्ण तथ्यों का प्रकटीकरण हुआ है, उससे मैं न तो अचंभित हूं और न ही भारतीय मीडिया के एक वर्ग द्वारा इसकी उपेक्षा पर आश्चर्यचकित। यह रिपोर्ट इसी कटु सत्य को रेखांकित करती है कि 'काफिर-कुफ्र' के मजहबी दर्शन से प्रेरित व्यवस्था में गैर-इस्लामी संस्कृति और उसके प्रतीकों के लिए कोई स्थान नहीं है। पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित एक सदस्यीय अल्पसंख्यक अधिकार आयोग ने गत 5 फरवरी को यह विस्तृत रिपोर्ट सौंपी है। इसमें सभी हिंदू मंदिरों (प्राचीन सहित) के खंडहर में परिवर्तित होने की बात कही गई है। इनमें चकवाल स्थित महाभारतकालीन कटासराज मंदिर भी शामिल है। विभाजन से पहले उसका महत्व जम्मू स्थित मां वैष्णो देवी मंदिर के समकक्ष था। इन सभी मंदिरों के रखरखाव के लिए जिम्मेदार इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड यानी ईटीपीबी को आयोग ने पूरी तरह विफल बताया है।

पाकिस्तान में 1960 से सक्रिय ईटीपीबी को वैधानिक दर्जा प्राप्त है। यह अल्पसंख्यकों के प्रति कितना गंभीर है, यह उसकी आधिकारिक वेबसाइट पर सिख साम्राज्य के संस्थापक महाराजा रणजीत सिंह का नाम 'महाराजा रमजीत सिंह' लिखे होने से स्पष्ट हो जाता है। गत दिसंबर में खैबर पख्तूनख्वा में जिहादियों की भीड़ ने जिस प्राचीन हिंदू मंदिर को ध्वस्त किया, उससे जुड़े एक अन्य मामले में जब शीर्ष अदालत ने ईटीपीबी से जवाब मांगा, तब भी उसे रिपोर्ट देने में कई महीने लग गए। जांच आयोग का ईटीपीबी पर आरोप है कि यह उन अल्पसंख्यक पूजास्थलों में ही रुचि रखता है, जहां से उसका आर्थिक हित जुड़ा हो। यह

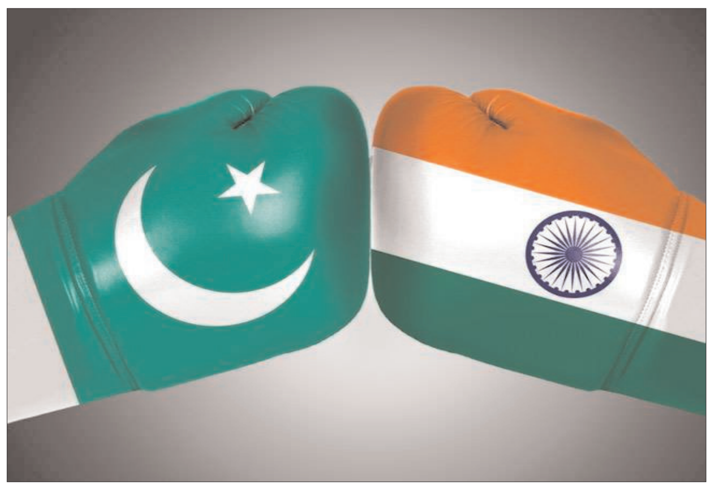

विडंबना ही है कि करतारपुर साहिब के प्रबंधन का काम इमरान सरकार ने इसी भ्रष्ट संस्था को सौंपा। ईटीपीबी के अनुसार, पाकिस्तान के 365 मंदिरों में से 13 का प्रबंधन ही उसके पास है। 65 मंदिरों की जिम्मेदारी हिंदू समुदाय स्वयं उठाता है, वहीं 287 मंदिरों पर भू-माफिया का कब्जा है। ईटीपीबी ने मंदिरों की जर्जर अवस्था के लिए हिंदुओं-सिखों की बहुत कम आबादी को कारण बताया है। क्या पाकिस्तान में अल्पसंख्यक आबादी के नगण्य होने का एकमात्र कारण यह है कि उसने 1947 में वहां से भारत पलायन कर लिया था? नहीं।

फिलहाल पाकिस्तान की कुल आबादी करीब 21 करोड़ है। यदि विभाजन के समय मजहबी जनसांख्यिकी प्रतिशत को आधार बनाएं तो आज वहां हिंदू-सिखों की संख्या तीन से साढ़े तीन करोड़ के आसपास होनी चाहिए थी, जो केवल 50-60 लाख है। वे भी दोयम दर्जे का जीवन जीने को विवश हैं। आखिर ढाई-तीन करोड़ हिंदू-सिख कहां गए? सच तो यह है कि पाकिस्तान में हिंदुओं-सिखों ने या तो मजहबी उत्पीड़न से त्रस्त होकर इस्लाम अपना लिया या पलायन कर लिया और जिसने विरोध किया, उसे मार दिया गया। हिंदू सहित जो अन्य अल्पसंख्यक वहां बचे भी हैं, वे प्रताड़ना के शिकार हैं। सिंध प्रांत में आए दिन जिहादियों द्वारा गैर-मुस्लिम युवतियों का जबरन मतांतरण इसका प्रमाण है। ऐसे में कोई आश्चर्य नहीं कि विभाजन के समय पाकिस्तान में हिंदुओं और सिखों की जो आबादी करीब 15-16 प्रतिशत थी, वह आज बमुश्किल एक प्रतिशत रह गई है। इस पृष्ठभूमि में भारत में मुस्लिमों की स्थिति क्या है? आजादी के समय खंडित भारत की आबादी 33 करोड़ में मुस्लिम तीन करोड़ से अधिक थे, जो आज कम से कम 20-21 करोड़ हो गए हैं। इन सभी को कुछ मामलों में बहुसंख्यकों से भी अधिक अधिकार प्राप्त हैं। फिर भी दस साल तक उपराष्ट्रपति रहे हामिद अंसारी जैसे लोग देश में असुरक्षित अनुभव करते हैं।

पाक में सात दशकों से अल्पसंख्यकों का मजहबी शोषण और उनके प्रतीक-चिन्हों का दमन जारी है। अपनी मूल हिंदू-बौद्ध सांस्कृतिक पहचान के बजाय स्वयं को पश्चिम एशियाई देश के रूप में परिभाषित करना और हिंदू बहुल खंडित भारत के प्रति शत्रुभाव रखना पाकिस्तान के एक राष्ट्र के रूप में जीवित रहने का कारण है। यह सही है कि पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना ने पाकिस्तानी संविधान सभा में एक पंथनिरपेक्ष पाकिस्तान बनाने की वकालत की थी। यह विचार उस 'द्विराष्ट्र सिद्धांत' के उलट था, जो स्वतंत्र अखंड भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में हिंदुओं के साथ बराबर बैठने में घृणा से सिंचित था, जिसमें 600 वर्षों तक पराजित हिंदुओं पर राज करने, तलवार के बल पर मतांतरण करने और उनके मंदिरों को तोड़ने की दुर्भावना थी। इसीलिए जिन्ना के निधन के पश्चात पाकिस्तानी नीति-निर्माताओं ने 'शरीयत' को अंगीकार कर लिया। जिन भारतीय क्षेत्रों को मिलाकर 1947 में पाकिस्तान बनाया गया था, वहां हजारों वर्ष पहले वेदों की ऋचाएं गढ़ी गईं। बहुलतावादी सनातन संस्कृति का विकास हुआ। यही कारण है कि वैदिक सभ्यता की जन्मभूमि होने के कारण उस भूक्षेत्र में हिंदू, बौद्ध, जैन और सिखों के कई सौ मंदिर-गुरुद्वारे थे। इनमें से कई आध्यात्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण थे।

सैयद मोहम्मद लतीफ और खान बहादुर की पुस्तक 'लाहौर: इट्स हिस्ट्री, आर्किटेक्चरल रीमेंस एंड एंटिक्स', को मैंने बतौर राज्यसभा सदस्य 2003 में अपने आधिकारिक पाक दौरे पर लाहौर से खरीदी थी। इसमें लाहौर के कई ऐतिहासिक शिवालयों, मंदिरों और गुरुद्वारों का विस्तार से वर्णन है। भाई बस्ती राम हवेली के निकट बांके बिहारी का मंदिर लाहौर का सबसे धनी मंदिर था। जब मैं पुस्तक में वर्णित पूजास्थलों की स्थिति देखने निकला तो उनकी विभीषिका देखकर स्तब्ध रह गया। पता चला कि 1947 के बाद वे मंदिर/शिवालय या तो मस्जिद/दरगाह में परिवर्तित कर दिए गए या किसी की निजी संपत्ति बन गए या फिर लावारिस खंडहर बन चुके हैं। मंदिरों के भग्नावशेषों के सरकारी संरक्षण के बजाय स्थानीय लोगों को हिंदुओं की आस्था को कलंकित और अपमानित करने के लिए बढ़ावा दिया जा रहा है। जब मैं लाहौर के प्रसिद्ध रेस्त्रां कूक्कू डेन पहुंचा, तब वहां जगह-जगह हिंदू देवी-देवताओं की खंडित मूर्तियों और मंदिर अवशेषों ने मुझे झकझोर दिया। पाकिस्तान में गैर-इस्लामी प्रतीकों और शेष हिंदू-सिखों की दुर्गति इसलिए है, क्योंकि वहां का 'ईको-सिस्टम' बहुलतावाद और पंथनिरपेक्षता जैसे जीवन मूल्यों को अस्वीकार करता है।

भारत-चीन: सुधर रहे हैं हालात

राहत की बात है कि भारत-चीन सीमा पर आमने-सामने तैनात टुकड़ियों की वापसी को लेकर शुरुआती सहमति बनने के बाद एलएसी पर तनाव में कमी आ रही है, साथ ही दोनों देशों के व्यापारिक रिश्तों में आया ठहराव भी दूर होने लगा है। खबर है कि चीन की ओर से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के प्रस्तावों को मंजूरी का पिछले नौ महीनों से रुका हुआ सिलसिला दोबारा शुरू हो गया है। हालांकि अभी केवल छोटे मामले ही मंजूर हो रहे हैं। पिछले साल अप्रैल में एफडीआई के कानूनों में संशोधन करते हुए चीनी निवेश से जुड़े प्रस्तावों के लिए ऑटोमेटिक रूट के बजाय अप्रूवल रूट का प्रावधान कर दिया गया था। उस समय इसका मकसद लॉकडाउन के कारण कमजोर हुई भारतीय कंपनियों को चीनी अधिग्रहण से बचाने का बताया गया था। मगर गलवान घाटी में हुई हिंसक भिड़ंत के बाद दोनों देशों के रिश्तों में ऐतिहासिक गिरावट आई जिसका सीधा परिणाम निवेश के आंकड़ों पर पड़ा। ध्यान रहे, हाल के वर्षों में प्रत्यक्ष चीनी निवेश के आंकड़े तेजी से बढ़ रहे थे।

2014 से 2019 के बीच चीन से एफडीआई में पांच गुना बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। लेकिन 2020 में इसमें भारी कमी आई। देश में प्राइवेट कंपनियों के फाइनेंशनल ट्रांजैक्शंस और उनके वैल्युएशंस पर नजर रखने वाले वेंचर इंटेलिजेंस के आंकड़ों के मुताबिक चीन और हांगकांग स्थित फंड्स का निवेश 2019 के 3.5 अरब ड़ॉलर से घटकर 2020 में 1.05 अरब डॉलर रह गया। अगर सामान्य रूप में एफडीआई का फ्लो देखें तो भी अप्रैल से सितंबर 2020 की अवधि में चीन से महज 5.5 करोड़ डॉलर की एफडीआई दर्ज हुई जो पिछले तीन साल के दौरान किसी भी छमाही में दर्ज हुई सबसे कम राशि है। इसका स्वाभाविक असर देश के अंदर चल रही चीनी कंपनियों के कारोबार पर और उससे जुड़े लोगों की कमाई तथा उनके रोजगार पर पड़ रहा था। इस लिहाज से दोनों देशों के बीच तनाव में कमी और व्यापारिक गतिविधियों में इजाफा निश्चित रूप से एक पॉजिटिव डिवेलपमेंट है।

मगर यह बात भुलाई नहीं जा सकती कि चीनी सेना ने पिछले साल मार्च-अप्रैल में एकतरफा कार्रवाई करते हुए एलएसी पर यथास्थिति में बदलाव ला दिया। सैन्य टुकड़ियों के मौजूदा आमने-सामने स्थिति से पीछे लौटने को लेकर सहमति बन जाने के बावजूद सीमा पर अप्रैल से पहले की स्थिति अभी बहाल नहीं हो सकी है। जब तक ऐसा नहीं हो जाता तब तक सीमा पर स्थितियों को सामान्य नहीं माना जा सकता। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि तनाव में कमी और व्यापारिक गतिविधियों में बढ़ोतरी के बीच भी सीमा पर साल भर पहले वाली स्थिति बहाल करने का मुद्दा कमजोर न पड़े। जब तक यह लक्ष्य हासिल नहीं कर लिया जाता तब तक न तो सीमा पर स्थिति सहज मानी जाएगी, न ही दोनों देशों के औद्योगिक-व्यापारिक रिश्तों में कुछ खास गरमाहट वापस आ सकेगी।

समग्र राष्ट्र में राष्ट्रीयता की सांस्कृतिक चेतना का जागरण ही भारत को एक रखने का उपाय है

दुनिया के सभी देशों में एक 'कोर सिटीजन' या मूल सशक्त नागरिक समूह होता है। यह उस देश की पहचान और उसके चरित्र से जुड़ा रहता है। जैसे चीन में हान चाइनीज हैं और पाकिस्तान में पंजाबी मुस्लिम हैं। ईरान की आर्यन शिया पहचान हैं। 'कोर सिटीजन' की विशुद्ध राष्ट्रीयता अपने दम पर अपने देशों को एक बनाए रखती है। दुख की बात है कि हमारे यहां इस मूल भारतीय चरित्र को निष्प्रभावी कर दिया गया है, अन्यथा देश में आज अनुच्छेद-370 और सीएए का विरोध संभव न हो पाता। साथ ही किसानों को कृषि कानूनों पर इस तरह से गुमराह करना भी आसान न होता। अमेरिका ने किसी इतिहास के बोझ के बिना यूरोपीय प्रवासी आधारित जो राष्ट्रीय पहचान बनाई वह हमेशा से उसके साथ खड़ी रही है, लेकिन जब कभी यह जनसमूह बिखराव का शिकार हो जाता है तो एक अच्छे-खासे देश का भी अंत हो आता है। सोवियत संघ के विघटन का उदाहरण हमारे सामने है। यह काम बोरिस येल्तसिन जैसे एक नेता ने अंजाम दिया। तब मिखाइल गोर्बाचेव सोवियत संघ के राष्ट्रपति थे। वह सोवियत संघ को नकारात्मक अधिनायकवादी शासन से मुक्त कर जन आधारित लोकतांत्रिक व्यवस्था में परिवर्तन कर रहे थे। उन्होंने खुलेपन एवं आर्थिक, व्यवस्थागत सुधारों और नागरिक अधिकारों की बहाली का सिलसिला प्रारंभ किया। समस्त राज्यों को स्वायत्तता और लोकतांत्रिक अधिकार दे दिए गए, लेकिन येल्तसिन ने सुधारों की मंद गति का आरोप लगाकर गोर्बाचेव का ही विरोध प्रारंभ कर दिया। उन्होंने सोवियत सीनेट में रोते हुए समर्थन मांगा। उनके आंसुओं ने असर दिखाया। येल्तसिन रूस के राष्ट्रपति हो गए। येल्तसिन ने खुद को रूस का राष्ट्रपति बनाने के अभियान में षड्यंत्रपूर्वक सोवियत संघ को ही तोड़ दिया। जब तक रूसी जागे तब तक बहुत देर हो चुकी थी। आज उनकी जीडीपी भारत ही नहीं, बल्कि भारत से नीचे के देशों दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया के आसपास है। रूस के साथ ऐसा क्यों हुआ? मूल रूसी समाज सजग क्यों नहीं था? क्योंकि उसने येल्तसिन जैसा नेता चुना, जिसका हित ही सोवियत संघ को तोड़कर स्वयं को अधिकार संपन्न करने में निहित था।

सोवियत संघ का यह इतिहास हमारे लिए भी एक सबक है। हम राष्ट्रविरोधियों से भरे अपने देश में निहित स्वार्थी और क्षुद्र नेताओं को देख और समझ रहे हैं। परिवारवाद से ग्रस्त राष्ट्रीय, क्षेत्रीय दलों तथा उन जातिवादी नेताओं को देख रहे हैं। तुष्टीकरण से जन्मे स्वार्थी संगठनों और सभाओं को जान रहे हैं। जातिवादी और सांप्रदायिक विभाजनकारी समूहों की बातें भी हमने सुनी हैं। भय होता है कि हमारे अधकचरे लोकतंत्र में सत्ता की आपाधापी और बंदरबांट के बीच कहीं येल्तसिन जैसा कोई स्वार्थी चरित्र सत्ता में न आ जाए। क्या हम आशा कर सकते हैं कि हमारी लोकतांत्रिक राजनीति का वह भाग, जो धड़ल्ले से क्षेत्रीय-जातीय चरित्र विकसित कर रहा है, कल देश के लिए लड़ेगा? जिनकी सीमाएं ही राज्य विशेष की हैं, जिनका लक्ष्य मात्र उस राज्य की सत्ता है, वे समग्र देश के लिए कभी खड़े भी हो सकेंगे? उनके नेतृत्व को आपसी विभेद की सोच को बढ़ावा देने के अतिरिक्त क्या कभी कोई राष्ट्रीय महत्व के विषय उठाते देखा-सुना गया है? क्या कभी उन्हें पाकिस्तान के विरुद्ध बयान देते सुना गया है? नहीं, क्योंकि वे मानते हैं कि इससे अल्पसंख्यक वोट नाराज हो सकता है। ये समूह जिस सोच को लेकर चल रहे हैं वह राष्ट्रहित के सर्वथा विपरीत ही तो है।

ये दल या समूह राष्ट्रहित के मार्ग की बाधाओं के अतिरिक्त और कुछ नहीं हैं। कृषि कानूनों को बिना समझे उन्हें काले कानून की संज्ञा दे देना बताता है कि इन क्षेत्रीय-जातीय नेताओं का बौद्धिक स्तर क्या है। उनका सीएए विरोध और अनुच्छेद 370 के पक्ष में खड़ा होना बताता है कि उनका वोटहित राष्ट्रहित पर भारी है।

देश में एक धड़ा वाम दलों का है। वे देश को लेनिन, स्टालिन और माओ की तर्ज पर खूनी क्रांति लाकर लाल कर देना चाहते हैं। गजवा-ए-हिंद वाले जिहादी सारे भारत को हरे रंग में रंगना चाहते हैं। और ये क्षेत्रीय क्षत्रप क्या चाहते हैं? वास्तव में इनका एजेंडा जातीय-क्षेत्रीय अलगाव बढ़ाकर खंडित भारत में अपना जातीय-क्षेत्रीय हिस्सा बांट लेने का है। हमने इतिहास में देखा है। हर जाति-समाज आक्रांताओं से पराजित होने के लिए अपनी-अपनी बारी का इंतजार करता रहा। कभी पंजाब सरहद पर सिकंदर को रोकने के क्रम में क्षत्रियों के वंशज और सिख बारी-बारी से पराजित हो गए। बलात मतांतरण हुए। दिल्ली के राजा अपने नंबर की प्रतीक्षा में रहे। महाराणा प्रताप अकबर से अकेले जूझे। हम तो किस्तों में पराजित होने वाले, फिर कहानियां गढ़ कर गाल बजाने वाले लोग हैं।

राष्ट्र-धर्म की सुरक्षा, प्रत्याक्रमण, शत्रु का समूल नाश, अस्तित्व के लिए एक आवश्यक और गंभीर दायित्व है। हमारी आज की राजनीति बताती है कि यह मानसिकता अभी बदली नहीं है। हम आज भी उसी के कैदी हैं। किस्तों में हारना हमारा स्वभाव बन गया है। समस्या की गंभीरता देश के सामने है। बड़ा सवाल है कि फिर कौन लड़ेगा भारत के लिए? युद्ध सैनिक नहीं, बल्कि सभ्यताएं लड़ती हैं। सैनिक तो सभ्यताओं की भुजा होते हैं। भारतीय नागरिकों का वह समाज या 'मूल नागरिकता' समूह कौन-सा है, जो प्रत्येक दशा में शत्रुओं का विनाश कर, अपनी शहादतें देकर, रक्त बहाकर देश को एक रखेगा? हमारे यहां 'हान' चीनी समाज जैसा कोई समाज नहीं है।

बिना राष्ट्रीय हितों को सामने रखे समाज जीवन का संगीत लोक कल्याणकारी नहीं हो सकता

वसंत विविध रंगों के पुष्प, सबमें सौंदर्य, विविध स्वाद के फल, सबमें पोषण की क्षमता, विविध नदियों के जल और सबमें रस के भाव को समाज में जागृत करने का पर्व है। विविधता में भी एक साथ आने की ताकत है। दुर्गा के सरस्वती रूप में अंतरण का यह पर्व संहार से सृजन की ओर मानवीय चेतना के अंतरण का पर्व है। इस रूप में यह बोध का भी पर्व है। मनुष्य के अंदर सद्गुणों की कामना का पर्व है। हमारी रचना श्रेष्ठ है, इस मोह से तो ब्रह्मा भी शापित हो जाते हैं।

वसंत को ऋतुराज कहते हैं। ऋतुराज का अर्थ ही है जिसमें सब कुछ सुशोभित हो। प्रकृति अपने जीवन चक्र में यौवनावस्था में होती है। महाकवि कालिदास ऋतु संहार में इसे विवेचित करते हुए एक ऐसे वातावरण को प्रस्तुत करते हैं, जिसमें आम बौराया है। पुष्प सुगंध बिखेर रहे हैं। सर्वत्र नवलता है। वसंत पंचमी इसी नवलता का स्वागत है। प्रकृति के सर्वोत्तम सृजनपरक रूप का स्वागत है। पत्ते पुष्प से सुगंधित हैं। नर-नारी उल्लास से भरपूर हैं। इसलिए इस अवसर पर सरस्वती की पूजा का विधान है। भारत में विद्या परंपरा शुष्क युक्ति की नहीं है। केवल तर्क से, युक्ति से, विश्लेषण से विद्या प्रतिष्ठित नहीं होती है। उसे सृजनात्मकता का सहकार्य चाहिए। विज्ञान को कला और कला को विज्ञान का साथ चाहिए। तकनीक को शिल्प और शिल्प को तकनीक चाहिए। इसीलिए सरस्वती वीणा और पुस्तक, दोनों धारण करती हैं। वे कमलासना हैं, हंसवाहिनी हैं। नीर और क्षीर का विवेक जो कर सके, वही विद्यावान है। इसीलिए वसंत में सरस्वती की पूजा का तात्पर्य यह विवेक होना है कि जीवन में कितना काम आवश्यक है और कितना तर्क? कितना संबंधों पर आधारित समाज अपेक्षित है और कितना सृजनधर्मी, संवेदना, संवेग और कमनीयता पर आधारित मानव जीवन?

आज जब मनुष्य उत्पादकता की होड़ में संवेदना को तिलांजलि दे रहा है, तब उद्यान में मंजरी आम की हो या कटहल की, उसका सुवासित होना महत्वपूर्ण नहीं रहा। फलवान होना महत्वपूर्ण है,

ऐसी मान्यता विकसित हो गई है। सर्वत्र सिर्फ और सिर्फ और अधिक उत्पाद का वातावरण बना हुआ है। ऐसे में वसंत के स्वागत और उस स्वागत में साहित्य, संगीत और कला की अधिष्ठात्री का पूजन तात्पर्यपूर्ण है। वसंत पूजन की यह परंपरा भारत में मदनोत्सव से प्रारंभ होती है। यह भी मान्यता है कि कामदेव ने वसंत के महीने में पंचधन्वा से शिव पर जो आक्रमण किया था और फलस्वरूप शिव ने कामदेव का दहन किया, तब से काम अनंग हो गया। अनंग काम, साकार काम से ज्यादा खतरनाक है, क्योंकि अनंग काम चेतना का हिस्सा बनता है। बुद्धि को सम्मोहित कर लेता है। अनंग है इसलिए पकड़ में नहीं आता। उसे बांधने की हर कोशिश फिसल जाती है। फलत: सर्वत्र कामना, लालच और मांसलता प्रभावी होने लगती है। मदनोत्सव इसीलिए होता था कि मदन का उत्सर्जन करना है। आज तो यह गायब हो गया है। आज केवल मिट्टी की सरस्वती की पूजा वसंत उत्सव का पर्याय है। वसंत उत्सव का सरस्वती पूजा के रूप में जो स्वरूप है, वह पूर्वोत्तर में दिखता है। जब सर्वत्र शिल्प के मेले लगते हैं। मनुष्य की सृजनात्मकता का विपणन आस्था के साथ होता है। इस आस्थाजनित विपणन को जीवन व्यवहार का हिस्सा बनाना ही वसंत पंचमी है। वसंतोत्सव धर्मपालन का उत्सव है।

वसंत पंचमी को लेकर ढेरों कथाएं हैं। गुरु गोविंद सिंह का विवाह आज के ही दिन हुआ था। उस विवाह की परिणति एक ऐसे परिवार की निर्मिति के रूप में हुई, जिसमें सबने अधर्म, अनाचार, अत्याचार के विरुद्ध अपने को बलि पर चढ़ा दिया। नामधारी संप्रदाय के सद्गुरु रामसिंह कूका का जन्म वसंत पंचमी को ही हुआ था। उन्होंने भारत को अंग्रेजी शासन से मुक्ति दिलाने के लिए स्वदेशी और बहिष्कार जैसे महान हथियार दिए। कान्यकुब्ज भोज का जन्म भी आज के ही दिन हुआ था। उन्होंने शास्त्रार्थ की एक ऐसी स्वस्थ परंपरा निर्मित की, जिसका अनुकरण भारतीय ज्ञान परंपरा में निरंतरता के साथ हो रहा है। शास्त्रार्थ है, प्रश्न है, उत्तर है, फिर प्रश्न है, फिर उत्तर है, यही किसी जीवंत, श्रेष्ठ लोकतांत्रिक समाज की ताकत भी है।

विद्या और ज्ञान की अधिष्ठात्री पूजन का यह अवसर इसी प्रकार के सुगम्य, सांगीतिक, युक्ति-प्रयुक्ति की परंपरा स्थापित करने का प्रतीक दिवस है। इस महान परंपरा में समकालीन परिदृश्य बड़ा अच्छा नहीं दिख रहा है। यह अहंमन्यता घर कर जा रही है कि हम जो कह रहे हैं, वही अंतिम है। हमारी बातें मानी जाती हैं तो ही लोकतंत्र है। ऐसे में वसंतोत्सव उल्लास का, उत्साह का, नवलता का पर्व नहीं हो सकता। केवल प्रकृति में नवलता होने से जीवन नया नहीं होता है। जीवन नवल हो, सुवासित हो, समाज समंजित हो, इसके लिए समरसता की जरूरत है। बिना मिले, बिना समरस हुए, एक रस हुए, अलग-अलग बजना और अलग-अलग बोलना संगीत को नहीं सृजित करता।

विविध स्वर जब समन्वित होते हैं, साथ आते हैं, तभी संगीत बनता है। समाज जीवन का संगीत भी इससे अलग नहीं हो सकता। समाज जीवन का संगीत बिना राष्ट्रीय हितों को सामने रखे हुए सर्वहितकारी और लोक कल्याणकारी नहीं हो सकता। केवल तर्क से भी सरस समाज नहीं बनेगा। सिर्फ तर्क से समाज में यांत्रिकता आएगी और यांत्रिकता होगी तो पुर्जे टकराएंगे। स्वर होगा, लय होगी, कोमलता होगी तो सामंजस्य बनेगा, सहकार बनेगा।

वसंत विविध रंगों के पुष्प, सबमें सौंदर्य, विविध स्वाद के फल, सबमें पोषण की क्षमता, विविध नदियों के जल और सबमें रस के भाव को समाज में जागृत करने का पर्व है। विविधता में भी एक साथ आने की ताकत है। दुर्गा के सरस्वती रूप में अंतरण का यह पर्व संहार से सृजन की ओर मानवीय चेतना के अंतरण का पर्व है। इस रूप में यह बोध का भी पर्व है। मनुष्य के अंदर सद्गुणों की कामना का पर्व है। हमारी रचना श्रेष्ठ है, इस मोह से तो ब्रह्मा भी शापित हो जाते हैं। मनुष्य को रचनात्मकता के अहंकार और मोह से भी मुक्त कराकर विशुद्ध संवेदना के धरातल पर खड़ा करने का पर्व है। इस रूप में जाने कब मनाई जाएगी वसंत पंचमी, पर ऐसी वसंत पंचमी आएगी जरूर। यही भारत का सनातन विश्वास है और भारतीयों की सनातन साधना।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

यूपी में ई-कवच एप करेगा टीका न लगने की मुखबिरी, जेई टीकाकरण अभियान के दौरान होगा लांच

लखनऊ । ई-कवच एप अब टीका लगाने की झूठी रिपोर्ट का भंडाफोड़ करेगा। एप के जरिये एक-एक लाभार्थी को टीका लगाए जाने की बारीकी से मानीटरिंग की जा सकेगी। पायलेट प्रोजेक्ट के तहत जापानी इंसेफलाइटिस (जेई) टीकाकरण अभियान के दौरान इसे लांच करने की पहल की गई है। जेई से बचाने के लिए 4.3 लाख लाभार्थियों की रियल टाइम मानीटरिंग की जा रही है। इसी तरह अन्य टीकाकरण अभियानों में भी इस एप का प्रयोग किया जाएगा। राज्य टीकाकरण अधिकारी डॉ.अजय घई के मुताबिक जिन लाभार्थियों को टीका लगाया जाना है, ई-कवच एप पर उनके नाम, मोबाइल नंबर और पता सहित सारा ब्योरा अपलोड किया गया है। अभी एएनएम टीका लगाने के बाद ब्लॉक में मैनुअल रिपोर्ट जमा कर बताती हैं कि कितने लाभार्थियों को टीका लगाया गया। फिर ब्लॉक से जिला स्तर पर और यहां से राज्य स्तर पर टीकाकरण की रिपोर्ट भेजी जाती है। रिपोर्ट में जिन लाभार्थियों को टीका लगाया जा चुका है, उनकी संख्या दर्ज होती है। अब ई-कवच एप पर इसकी ऑनलाइन सूची दर्ज है।

झइसके तहत लाभार्थी को टीका लगाने के बाद एएनएम उसके सामने ही टीकाकरण का ब्योरा ऑनलाइन दर्ज करेंगी। अभी टीकाकरण से संबंधित जानकारी जिलों से राज्य मुख्यालय तक देर-सवेर पहुंचती है, लेकिन एप के प्रयोग से स्टेट कंट्रोल रूम की मदद से एप पर अपलोड हो रहे रियल टाइम डाटा की मानीटरिंग की व्यवस्था की गई है। कंट्रोल रूम से किसी भी लाभार्थी को औचक फोन जाएगा और यदि टीकाकरण की सूचना गलत हुई तो यह तुरंत पकड़ में आ जाएगी।

अनमोल एप पर कोरोना टीकाकरण की रिपोर्ट- प्रदेश में एएनएम ऑनलाइन यानी अनमोल एप की मदद से कोरोना टीकाकरण का काम भी पेपरलेस किया जाएगा। लाभार्थियों का डाटा ऑनलाइन अपलोड किया जा रहा है। केंद्र की गाइडलाइन के अनुसार मार्च में 60 साल से अधिक उम्र के लोगों को टीका लगेगा।

बीएसएससी ने जारी की प्रथम इंटर स्तरीय मेंस परीक्षा का रिजल्ट, 13200 को मिलेगी नौकरी

पटना । बिहार कर्मचारी चयन आयोग ने दिसंबर 2020 में हुए प्रथम इंटर स्तरीय मुख्य परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। इस परीक्षा के आधार पर 13,200 से अधिक पदों पर राज्य के विभिन्न विभागों में नियुक्ति प्रक्रिया पूरी की जाएगी। यह सभी पद विभिन्न कार्यालयों में कार्य करने वाले कार्यालय सहायक के है। मुख्य परीक्षा में 52,784 अभ्यर्थियों ने सफलता प्राप्त की है। परीक्षा का परिणाम आयोग के अधिकारिक वेबसाइट पर भी दे दिया गया है। सभी सफल अभ्यर्थियों की न्यूनतम अर्हतांक के आधार पर योग्य पाये गए है। इसके बाद मार्च में अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा एवं टाइपिंग टेस्ट लिया जाएगा। इसके लिए जल्द ही आयोग की ओर से अधिसूचना जारी की जाएगी। बिहार कर्मचारी चयन आयोग के सचिव ओम प्रकाश पाल ने बताया कि प्रथम इंटर स्तरीय संयुक्त मुख्य प्रतियोगिता परीक्षा 2014 का परिणाम जारी कर दिया गया है। इस परीक्षा में न्यूनतम अर्हतांक के अधार पर 52,784 अभ्यर्थी सफल हुए है।

बिहार कर्मचारी चयन आयोग के सचिव ओम प्रकाश पाल ने बताया कि मेंस परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की सूची वेबसाइट पर जारी कर दी गई है। अभ्यर्थियों में से मेधाक्रम एवं पद विकल्प के अनुसार शारीरिक क्षमता जांच वाले पदों के विरूद्ध खाली पद के पांच गुणा सफल आवेदकों को शारीरिक जांच-माप के लिए आयोग के वेबसाइट पर जल्द अपलोड किया जाएगा। योग्य पाए गए अभ्यर्थियों की सूची टाइपिंग के लिए जल्द ही वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी।

वर्ष 2014 से चल रही प्रक्रिया- बिहार कर्मचारी चयन आयोग की ओर से प्रथम इंटर स्तरीय संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के लिए वर्ष 2014 से कवायद की जा रही है। सरकार की ओर से वर्ष 2014 में नियुक्ति के लिए बीएसएससी को अधियाचना भेजी गई थी। इसके बाद वर्ष 2017 में इसकी पीटी परीक्षा आयोजित की गई। प्रश्न पत्र लीक होने के बाद पीटी परीक्षा रद कर दी गई थी। इसके बाद वर्ष 2019 में पीटी परीक्षा आयोजित की गई। इसमें सफल उम्मीदवारों का वर्ष 2020 दिसंबर में मेंस परीक्षा आयोजित की गई थी।

सिद्धू के करीबी पंजाब कांग्रेस रूपरगट सिंह का अमरिंदर पर निशाना, 2022 के चुनाव में वोट मिलना मुश्किल

चंडीगढ़ । पंजाब कांग्रेस में फिर कलह सामने आई है। पूर्व कैबिनेट मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू के करीबी कांग्रेस विधायक परगट सिंह ने पार्टी और मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिह पर निशाना साधा है। उनके बयान से पंजाब कांग्रेस में हलचल पैदा हो गई है। उन्होंने पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष सुनील जाखड़ द्वारा 2022 का पंजाब विधानसभा चुनाव कैप्टन अमरिंदर सिंह के नेतृत्व में लड़े जाने पर सवाल उठाया है। परगट सिंह ने कहा कि 2022 में कांग्रेस को वोट मिलना मुश्किल होगा और लोग कांग्रेस को वोट देने से पहले सोचेंगे। राज्य में सरकार की परफार्मेंस उतनी अच्छी नहीं है जितनी होनी चाहिए थी। बता दें कि परगट सिंह को पंजाब के पूर्व कैबिनेट मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू का करीबी माना जाता है। सिद्धू ने भाजपा छोड़ने के बाद परगट सिंह के साध मोर्चा बनाया था और बाद में सिद्धू की पत्नी डा. नवजोत कौर सिद्धू के साथ कांग्रेस में शामिल हुए थे। इसके बाद सिद्धू भी कांग्रेस में शामिल हुए थे।

परगट सिंह ने कहा कि 2017 के पंजाब विधानसभा चुनाव में कैप्टन अमरिंदर सिंह के नाम पर लोगों ने कांग्रेस को वोट डाली थी, क्योंकि तब वाटर टर्मिनेशन एक्ट और अन्य एतिहासिक फैसलों को लेकर लोगों में उनकी इमेज अच्छी थी। लेकिन अब सरकार की परफार्मेंस उतनी अच्छी नहीं है। परगट ने सुनील जाखड़ द्वारा 2022 में कैप्टन अमरिंदर सिंह के नेतृत्व में चुनाव लड़ने वाले एलान के संबंध में कहा कि वह प्रदेश प्रधान है लेकिन मेरा मानना है कि यह फैसला पार्टी हाईकमान को लेना चाहिए। पार्टी हाईकमान ही तय करे कि किसके नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाएगा।

वहीं, नशे के मुद्दे पर परगट सिंह ने एक बार फिर सरकार पर उंगली उठाई। उन्होंने मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह द्वारा चार सप्ताह में नशा खत्म करने की घोषणा को अव्यवहारिक बताया। उधर, कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य शमशेर सिंह दूलो पहले ही जाखड़ के इस फैसले पर सवाल उठा चुके हैं। वहीं, पार्टी के एक वरिष्ठ नेता कहते हैं, अगर प्रदेश प्रधान ही मुख्यमंत्री के चेहरे की घोषणा करेगा तो फिर हाईकमान का क्या काम है। हाईकमान के पास फिर रह क्या जाता है।

यूपी में बंद को लेकर उहापोहः ट्रांसपोर्टर्स की काम ठप करने की अपील, खुले रहेंगे व्यापारिक प्रतिष्ठान

लखनऊ । कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के आज यानी सोमवार को भारत बंद के आह्वान को लेकर उत्तर प्रदेश में उहापोह है। यहां पर ट्रांसपोटर्स ने सुबह छह बजे से शाम तक काम ठप रखने का निर्णय लिया है, लेकिन प्रदेश में सभी शहरों में बाजार तथा व्यापारिक प्रतिष्ठान खुले हैं।

ट्रांसपोटर्स की एसोसिएशन में भी दो फाड़ के कारण कुछ जगह पर काम हो रहा है। ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस का कहना है कि आज का बंद व्यापारियों ने बुलाया है, जबकि कुछ संस्थाओं ने इसका समर्थन किया है। ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (एआइएमटीसी) कोर कमेटी के चेयरमैन मलकीत सिंह ने कहा कि ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस इसका समर्थन नहीं करती है, यह बंद सिर्फ कागजों में है जमीनी स्तर पर नहीं। देश में डीजल-पेट्रोल की बढ़ी कीमतों से ट्रांसपोर्टर नाराज हैं। ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने आह्वान किया है कि आज देश में 400 से अधिक ट्रांसपोर्टर संचालन ठप रखेंगे।

एक दिनी हड़ताल हड़ताल के चलते ट्रकों से माल की ढुलाई नहीं होगी। एसोसिएशन की डीजल-पेट्रोल के बढ़े दाम वापस लेने की मांग है। इसके लिए एसोसिएशन ने सरकार को दिया 15 दिन समय दिया है। आज का बंद सुबह छह बजे से रात आठ बजे तक है।

लखनऊ में भी ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के भारत बंद आह्वान पर डीजल की कीमतों में बढ़ोत्तरी के विरोध में लखनऊ की प्रमुख ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने एक दिवसीय हड़ताल का समर्थन करते हुए संचालन ठप करने का एलान किया है। गुरुवार शाम को बैठक के बाद इस संबंध में निर्णय लिया गया। तकरीबन 400 से अधिक ट्रांसपोर्टर शुक्रवार को माल की बुकिंग नहीं करेंगे। डीजल की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोत्तरी से ट्रक ऑपरेटर नाराज है। लखनऊ गुड्स एंड ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के महामंत्री पंकज शुक्ला के मुताबिक डीजल दरों में बढ़ोत्तरी वापस लेने ई-वेबिल

की समय सीमा आधी करने की मांग का समर्थन करते हुए कारोबार बंद रखने का निर्णय हुआ है। एक दिनी बंदी करते हुए आज कहीं माल की बुकिंग नहीं की जाएगी। द ट्रक आपरेटर एंड ट्रांसपोर्टर एसोसिएशन टोटा के प्रदेश अध्यक्ष अरुण अवस्थी ने बैठक के बाद हड़ताल का समर्थन किया है। लगातार डीजल मूल्यों में वृद्धि से ट्रांसपोर्टर परेशान है। संगठन एक दिनी हड़ताल का समर्थन कर रहा है। इस दौरान किसी तरह जरूरी चीजों को रोका नहीं जाएगा। इस दौरान किराना, भवन निर्माण सामग्री आदि की बुकिंग बंद रहेगी। ऑल इंडिया मोटर कांग्रेस के प्रवक्ता जगदीश गुप्ता ने बताया कि देश व्यापी हड़ताल को लेकर सरकार को 15 दिन की नोटिस दी गई है।

बाजार नहीं होंगे बंद ~ बाजार बंदी को लेकर चल रही अफवाहों को प्रमुख संगठनों ने सिरे से खारिज कर दिया है। पदाधिकारियों ने भारत बंद के नाम पर बाजार बंदी की बात कहे जाने को गलत बताते हुए अपने प्रतिष्ठानों को खोलने का निर्णय लिया है।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल ने कहा कि प्रदेश के सभी बाजार खुलेंगे। लखनऊ व्यापार मंडल के वरिष्ठ महामंत्री अमरनाथ मिश्र ने कहा कि संगठन बंदी का समर्थन नहीं करता है। उत्तर प्रदेश युवा उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल व लखनऊ कपड़ा व्यापार मंडल के कार्यवाहक अध्यक्ष अनिल बजाज, महामंत्री अशोक मोतियानी ने सभी बाजार रोज की तरह खोले जाने की बात कही। आदर्श व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा कि बाजार खोले जाएंगे। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल ने भी बंदी से किनारा करते हुए बाजार खुलने की बात की है।

किसानों के बाद व्यापारी दिखाएंगे एकता, कानपुर में निकलेगा जुलूस~ किसानों के बाद अब व्यापारी और व्यापारिक संगठन भी सड़क पर उतरने को विवश हैं। पेट्रोल-डीजल और एलपीजी के मूल्यों में वृद्धि, जीएसटी में सुधार जैसी गई मांगों को लेकर उन्होंने शुक्रवार को हड़ताल करने का निर्णय लिया था। जिसे देखते हुए कानपुर और आसपास के कुछ जिलों में प्रशासनिक हलचल देखने को मिल रही है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के प्रविधानों में समीक्षा की मांग को लेकर व्यापारिक संगठन कंफेडरेशन ऑफ़ ऑल इंडिया ट्रेडर्स(सीएआइटी-कैट) की ओर से घोषित भारत बंद का असर दिख रहा। शुक्रवार सुबह कानपुर में बंदी को लेकर लोग कुछ असमंजस में दिखे। कानपुर में बंदी की जगह जुलूस का आयोजन किया जाएगा। ट्रांसपोट्र्स ने 26 फरवरी को हड़ताल और चक्का जाम करने की घोषणा की है। चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के एसोसिएशन और टैक्स एडवोकेट्स ने भी अपने क्लाइंट्स को सूचित किया है कि वह शुक्रवार को ऑफिस में ना आएं, यानी उनके ऑफिस भी बंद रहेंगे।

व्यवसायी हत्याकांड के खिलाफ शहर में बंद का ऐलान, व्यवसायियों ने की एसपी के तबादले की मांग

सीतामढ़ी । व्यवसायी हत्याकांड से व्यवसायियों में जबरदस्त गम और गुस्सा है। पुलिस प्रशासन के खिलाफ उनमें काफी आक्रोश है। तमाम व्यवसायिक संगठनों ने घटना के बाद देरशाम सीतामढ़ी बंद का एलान किया जिसका असर आज शहर में दिखने लगा है। चैंबर ऑफ कॉमर्स , व्यवसायी संघ , खुदरा व्यवसायी संघ, स्वर्णकार संघ से जुड़े तमाम व्यवसायी सड़क पर उतर आए हैं। शांतिपूर्ण तरीके से बंद का आह्वान कर रहे हैं। प्रमुख चौक-चौराहों पर धरना भी दे रहे हैं।

व्यवसायी संघ के अध्यक्ष निर्मल व्याहूत , चैंबर ऑफ कॉमर्स के संस्थापक अध्यक्ष कैलाश हिसारिया, अध्यक्ष घनश्याम व्यास, दवा व्यवसायी संघ के अध्यक्ष मनोज सिंह , स्वर्णकार संघ के अध्यक्ष रितेश सर्राफ, नगर परिषद के उपसभापित दीपक मस्करा , राजीव जालान , पंकज मस्करा के नेतृत्व में अलग-अलग जगहों पर व्यवसायी धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। पुलिस के खिलाफ नारेबाजी भी हो रही है।

व्यवसायी हत्याकांड के विरोध में सीतामढ़ी बंद का एलान कर सड़कों पर उतरे व्यवसायी पुलिस कप्तान के तबादले की मांग कर रहे हैं । इसके लिए शहर में धरना - प्रदर्शन किया जा रहा है। व्यवसायियों का कहना है कि पिछले 36 घंटे के दौरान गोलीबारी की छह घटनाएं हुई हैं । जिनमें एक दारोगा शहीद हुए। एक व्यवसायी व एक अधेड़ की मौत हो गई । तीन अन्य घटनाओं में कई लोग घायल हुए।

व्यवसायियों का यह भी कहना है कि प्रभास साइकिल स्टोर्स के मालिक प्रभास हिसारिया की हत्या के बाद पुलिस द्वारा सुरक्षा का आश्वासन तथा हथियार का लाइसेंस देने की बात कही गई थी । मगर व्यवसायियों को न सुरक्षा मिली न किसी को हथियार का लाइसेंस ही मिला। पुलिस की निष्क्रियता के कारण आए दिन आपराधिक घटनाएं हो रही हैं। उधर, पुलिस कप्तान कार्रवाई और सुरक्षा का आश्वासन देकर हर बार निकल जाते हैं।

उत्तर प्रदेश एटीएस को बड़ी सफलता, देशद्रोह के मामले में तेलंगाना से एक को पकड़ा

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की एटीएस को देश विरोधी गतिविधियों में शामिल दो लोगों को अपनी गिरफ्त में लेने में सफलता मिली है। एटीएस ने प्रशांत कुमार पोट्टली को तेलंगाना के बुचनपल्ली से गिरफ्तार किया है। प्रशांत के पास से कई दस्तावेज मिले हैं। एटीएस ने प्रशांत पोटली को तेलंगाना से गिरफ्तार किया। इसके साथ ही एटीएस की टीम महाराष्ट्र में अब्दुल रजाक को गिरफ्तार करने के लिए लगातार दबिश दे रही है।

एटीएस की टीम ने भारत के गुप्त सैन्य दस्तावेज बाहर भेजने के मामले में चाइनीज ठगों का एक और साथी तेलंगाना में गिरफ्तार किया है। यूपी के आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने लाखों के साइबर इकोनॉमिक फ्राड के मामले में चाइनीज ठगों को गिरफ्तार करने के बाद अब उनके एक साथी को तेलंगाना से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। उनके एक अन्य सक्रिय साथी की महाराष्ट्र में तलाश चल रही है। यह दोनों गुरुग्राम में एक होटल का संचालन कर रहे थे और चाइनीज ठगों को शरण दे रखी थी। यह दोनों कई कंपनियां का संचालन करते थे, जिनमें साइबर इकोनॉमिक फ्राड के आरोपित चाइनीज नागरिक भी जुड़े थे।

एडीजी कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि तेलंगाना के विकाराबाद से 28 वर्षीय प्रशांत पोट्टली का गिरफ्तार किया गया है, जिसे ट्रांजिट रिमांड पर लखनऊ लाया जा रहा है। इससे पहले थाणे, महाराष्ट्र में अब्दुल रज्जाक अब्दुल नबी मेमन के घर पर भी छापा मारा गया, लेकिन वह हाथ नहीं लगा। अब्दुल के घर से कई अहम दस्तावेज बरामद किए गए हैं। एटीएस अधिकारियों के अनुसार अब्दुल व प्रशांत गुरुग्राम में रहकर एक होटल व कई कंपनियां चला रहे थे और चाइनीज ठगों से सीधे जुड़े थे। प्रशांत से पूछताछ में अब इस गिरोह के बारे में और जानकारियां सामने आएंगी। उल्लेखनीय है कि एटीएस ने 17 जनवरी को यूपी के कई जिलों से फर्जी दस्तोवजों के जरिए हासिल किए गए सिमों का इस्तेमाल कर लाखों के साइबर इकोनॉमिक फ्राड का राजफाश किया था। चीनी नागरिक सुन जी यिंग, पोचंली टेंगली उर्फ ली टेंग ली और जू जुंफू को भी गिरफ्तार किया गया गया था। फर्जी आइडी पर लिए गए प्री-एक्टीवेटेड सिम के जरिए गिरोह ने दिल्ली में कई आनलाइन खाते खोले थे, जिनमें लाखों रुपये जमा कराए गए थे। एक चीनी दंपती की भी भूमिका सामने आई थी, जो गुरुग्राम के एक होटल में रहते थे। दंपती के कहने पर चीनी नागरिकों को करीब 500 प्री-एक्टीवेटेड सिम कार्ड उपलब्ध कराए जाने की बात भी सामने आई थी।

एनआईए ने गुजरात के आईएसआई एजेंट रजाक भाई कुंभार के खिलाफ आपराधिक साजिश और यूएपीए एक्ट में चार्जशीट दाखिल की है। रजाक भाई कुंभार चंदौली से बीते दिनों पकड़े गए आईएसआई एजेंट राशिद को फंड मुहैया कराता था। यह दो बार पाकिस्तान गया था और पाकिस्तानी हैंडलर हामिद के लिए काम करता था।

कैट के राष्ट्रव्यापी व्यापार बंद का पटना सहित बिहार में मिलाजुला असर

पटना । जीएसटी के कुछ प्रविधानों के विरोध में कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स की ओर से आहूत राष्ट्रव्यापी व्यापार बंद का पटना सहित बिहार में मिलाजुला असर देखने को मिला। बंद समर्थक पटना में सड़क पर उतर गए हैं, और जो दुकानें बंद नहीं हैं, उनसे शटर गिराने का आग्रह कर रहे हैं।

कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के बिहार के चेयरमैन कमल नोपानी ने कहा कि जीएसटी के कुछ प्राविधानों के विरोध में भारत व्यापार बंद को सभी व्यावसायिक संघों ने अपना समर्थन दिया है। बाजार में 30 फीसद के करीब दुकानें स्वत~ बंद हैं। अन्य दुकानों को बंद कराने के लिए कैट की टोली पटना में घूम-घूम कर आग्रह कर रही है। आज सुबह डाकबंगला चौराहे से एक जत्था दुकानों को बंद करने के लिए आग्रह करने निकला जो कारगिल चौक होते हुए अशोक राजपथ पर पहुंचा। व्यापारियों ने अपना समर्थन दिया और दुकानों का शटर गिरा दिया।

उन्होंने कहा कि पटना सिटी सहित पूर्णिया, छपरा आदि जिलों में बंद का व्यापक प्रभाव है। अन्य जिलों में मिलाजुला रुख है, हालांकि जीएसटी के जिन प्रावधानों का कैट विरोध कर रहा है, उसे सभी व्यावसायिक संघ अपना समर्थन दे रहे हैं। जीएसटी का जो मूल स्वरूप है उसे 900 से अधिक बार संशोधित कर बिगाड़ दिया गया है।

अधिकारियों को इतना अधिकार दे दिया है कि वे बिना नोटिस, या सुनवाई किए बगैर ही जीएसटी रजिस्ट्रेशन रद कर सकते हैं। मामूली चूक पर बैंक खाता सीज करने, संपत्ति जब्त करने जैसे कड़े दंड का प्राविधान किया गया है। इससे व्यापारी हतोत्साहित हैं। ऐसे ही प्राविधानों का हम विरोध कर रहे हैं। सरकार से हमारी मांग है इस मसले पर गंभीरतापूर्वक विचार करे और जीएसटी से जुड़े कानूनों को लचीला बनाए जिससे हम उसका पालन कर सकें। इस बीच व्यावसायिक संगठनों में बंद को लेकर आम सहमति नहीं होने की बात भी सामने आ रही है। कटिहार जिले में चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष ने दावा किया है कि उनके जिले के व्यवसायी इस बंद से खुद को बाहर रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि बंद को लेकर व्यवसायियों को पहले से कोई जानकारी नहीं दी गई। इधर, कैट के शाहाबाद प्रभारी बबलू कश्यप ने बताया कि शाहाबाद प्रक्षेत्र के चार जिलों भोजपुर, रोहतास, बक्सर और कैमूर में सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक सांकेतिक बंद रखा जाएगा।

जीटी रोड पर सामान्य दिनों की तरह चल रहे ट्रक और अन्य वाहन

इस बंद का आह्वान जीएसटी (तस्ज्ञ) नियमों के कुछ प्रविधानों के विरोध में किया गया है। बिहार से गुजरने वाले प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग जीटी रोड पर वाहनों का परिचालन सामान्य दिनों की तरह ही दिख रहा है। दिन चढ़ने के साथ दुकानें भी खुलने लगी हैं। हालांकि व्यवसायी संगठनों ने बंद के सफल होने का दावा किया है। रोहतास जिले से कैट के अधिकारियों ने कहा है कि वे सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक अपनी दुकानें बंद रखेंगे।

कैट ने आवश्यक वस्तुओं की दुकानें खुली रखने को कहा

राष्ट्रव्यापी व्यापार बंद को बिहार में सफल बनाने के लिए गुरुवार को पटना में व्यापारियों से आह्वान किया गया था। इस बंद को अलग-अलग ट्रांसपोर्टर एसोएिसशन ने भी समर्थन का ऐलान किया है। इस बंद का असर आम आदमी की जिंदगी पर पड़ेगा। हालांकि कैट ने दैनिक जरूरत और आवश्यक सामग्री की दुकानों को बंद से बाहर रखने का आह्वान किया है। हम आज यहां आपको बंद से जुड़ी हर महत्वपूर्ण जानकारी से लाइव अपडेट करते रहेंगे।

पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान दो दिन के वाराणसी दौरे पर पहुंचे, बोले - सर्दी के कारण बढ़ा है गैस का दाम

वाराणसी । पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान शुक्रवार की सुबह लाल बहादुर शास्त्री इंटरनेशनल एयरपोर्ट बाबतपुर से शहर प्रस्थान किये। पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान दो दिवसीय वाराणसी दौरे पर हैं। इस दौरान वह काशी विश्वनाथ मंदिर और काल भैरव में पूजा-अर्चना, करने के अतिरिक्त मीरजापुर में मां विंध्यवासिनी मंदिर में दर्शन-पूजन के कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। रात्रि विश्राम वह बनारस रेल इंजन कारखाना के गेस्ट हाउस में करेंगे। शनिवार को धर्मेन्द्र प्रधान रविदास जयंती के आयोजन में भी शामिल होने के लिए सीर गोवर्धन भी जाएंगे।

शुक्रवार को वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गैस के दाम में हुए बढ़ोतरी को लेकर कहा कि सर्दी के कारण गैस दाम बढा है। जैसे-जैसे मौसम बदलेगा दाम कम हो जाएगा। यह अंतरराष्ट्रीय मामला है जैसे-जैसे सर्दियां कम होंगी गैस का दाम भी घटेगा, अभी डिमांड ज्यादा है। वहीं डीजल पेट्रोल के मूल्य वृद्धि पर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। मालूम हो कि केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान एयर इंडिया के विमान एआई 405 द्वारा दिल्ली से 10~50 बजे वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। हवाई अड्डे पर मीडिया कर्मियों से बात करने के बाद वे 11.10 बजे शहर प्रस्थान कर गए जहां काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन के साथ ही अन्य कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

बाबा दरबार में लगाई हाजिरी

पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान दोपहर में काशी विश्वनाथ मंदिर दर्शन पूजन के लिए पहुंचे। बाबा दरबार में काशी विश्वनाथ धाम का इस दौरान उन्होंने अवलोकन भी किया। वहीं मंदिर में दर्शन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था भी चुस्त दुरुस्त रही। बाबा दरबार में हाजिरी लगाने के बाद वह शहर के अन्य आयोजनों में भी हिस्सा लेंगे। पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान बाबा दरबार में दर्शन पूजन करने के बाद बाबा काल भैरव मंदिर में भी दर्शन पूजन करने पहुंचे। इसके बाद वह विश्राम करने के लिए बरेका गेस्ट हाउस रवाना हो गए।

सपा के हंगामे पर सीएम योगी आदित्यनाथ बोले-ज्यादा गर्मी न दिखाएं, सबका पेट दर्द दूर कर दूंगा

लखनऊ । उत्तर प्रदेश विधानमंडल के बजट सत्र में सीएम योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को विधान परिषद में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पारित कराने के दौरान से विपक्ष पर जोरदार हमला बोला। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस दौरान सख्त लहजे में विपक्ष को नसीहत भी दे दी।

विधान परिषद में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद भाषण पर सीएम योगी आदित्यनाथ के संबोधन के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष की एक-दूसरे पर हमले और तीखी टीका-टिप्पणी के बीच में समाजवादी पार्टी के सदस्यों के सदन में बेहद शोरगुल करने तथा बेवजह टिप्पणी करने पर सीएम योगी आदित्यनाथ बिफर पड़े। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माहौल को गर्मा दिया।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के तेवर समाजवादी पार्टी पर तल्ख होते जा रहे हैं। विधान परिषद में मुख्यमंत्री के भाषण के दौरान सपा के एमएलसी नाराच हुए और कई शब्दों पर आपत्ति जताई। इस पर सीएम योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी के नेता ज्यादा गर्मी ना दिखाएं, जो जिस भाषा को समझता है, उसे उसी भाषा मे समझाया जाता है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सदन में पहले अपना आचरण सुधारें। आप लोग सुनने की आदत डालें सपा के लोग, सबके पेट का दर्द दूर कर दूंगा।

सीएम योगी आदित्यनाथ गुरुवार को विधान परिषद में राज्यपाल आनंदीबेन के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर बोल रहे थे। इसी दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों का मसला उठाया,

जिस पर समाजवादी पार्टी के सदस्य हंगामा करने लगे। इस दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ ने पहले मुस्कुरा कर कहा कि आप लोग सदन की गरिमा को सीखिए। मैं जानता हूं कि आप किस प्रकार की भाषा और किस प्रकार की बात सुनते हैं। उसी प्रकार का डोज भी समय-समय पर देता हूं। सीएम योगी आदित्यनाथ के मुख से यह सुनते ही समाजवादी पार्टी के सदस्य आग बबूला हो गए। वह लोग हंगामा करने लगे। इसके बाद तो सीएम योगी आदित्यनाथ का पारा भी अधिक गर्म हो गया। उन्होंने कहा कि यहां पर किसी को भी गर्मी दिखाने की जरूरत नहीं है। यह उच्च सदन है, इसकी मर्यादा का पालन कीजिए और पालन करना सीखिए। अब तो जो जिस भाषा को समझेगा, उसे उस भाषा में जवाब मिलेगा। अगर बोलते हैं तो सुनने की भी आदत डालिए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम संसदीय लोकतंत्र की सभी परम्पराओं का सम्मान करते हैं, अगर किसी को गलतफहमी होगी कि सदन में जितनी उद्दंडता कर लेगा, उसकी तनी तारीफ होगी, तो यह उसकी बड़ी गलतफहमी होगी, हम ऐसा आचरण करें कि जनता उसका अनुसरण करे। अविश्वसनीयता का संकट खत्म होना चाहिए। जनता तो अच्छे आचरण को फॉलो करती है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सदन में चिल्लाने से काम नहीं चलता है। जनता में विश्वसनीयता का संकट खत्म हुआ, स्टेट गेस्ट हाउस कांड कौन नहीं जानता है। आजादी के पहले नेता सम्मानित शब्द था, आजादी के बाद नेता शब्द का सम्मान खत्म हुआ है। इसके लिए हर कोई जिम्मेदार है। अब इसके बारे में हमसब को सोचने की जरूरत, जनता को प्रेरित करना हम सबका दायित्व है। आप सभी लोग सदन में पहले अपना आचरण सुधारें। समाजवादी पार्टी के लोग पहले सुनने की आदत डालें। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में किसानों से गेहूं खरीद कम हुई तो आप को चिंता नहीं हुई थी।

विपक्ष पर निशाना साधते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ कहा कि विपक्ष का आचरण चिंताजनक है। विधानसभा लोकतांत्रिक विचारो का केंद्र है और यहां लोकतांत्रिक तरीके से बहस होनी चाहिए। सत्ता और विपक्ष के बीच संवाद होते रहना चाहिए। हमने एससी-एसटी पर विधानसभा में स्पेशल चर्चा की और संविधान दिवस पर 36 घंटे लगातार सदन की कार्यवाही चली।

लगता है कि उत्तर प्रदेश विधान मंडल के बजट सत्र में अगले वर्ष होने जा रहे विधानसभा चुनाव की ताप नजर आ रही है। विधान परिषद में बहुमत वाली समाजवादी पार्टी के नेताओं के शोर मचाने पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने सख्त लहजे में बोला कि समाजवादी पार्टी के सदस्य ज्यादा गर्मी न दिखाएं तो बेहतर है, हमको हर भाषा में समझाना आता है।

समाजवादी पार्टी के सदस्य काफी नाराज : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस टिप्पणी के बाद विधान परिषद में समाजवादी पार्टी के सदस्य काफी नाराज हो गए। मुख्यमंत्री के भाषण के दौरान समाजवादी पार्टी के सदस्यों को लेकर मुख्यमंत्री की टिप्पणी के दौरान कई शब्दों को लेकर नाराजगी इन सभी ने काफी नाराजगी जताई। इसके बाद विधान परिषद में विपक्ष का जोरदार हंगामा होने लगा।

बैंकॉक में ममता बनर्जी की बहू रुजिरा बनर्जी के दो और बैंक खातों के बारे में पता चला

कोलकाता । केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआइ को ममता बनर्जी की बहू रुजिरा बनर्जी के बैंकॉक में दो और बैंक खातों के बारे में पता चला है। हालांकि रुजिरा ने सीबीआइ को कहा है कि उन्हें इसकी कोई जानकारी नहीं है। इसके बाद केंद्रीय जांच एजेंसी ने बैंक खातों के तथ्यों की जानकारी के लिए केंद्र की फाइनेंसियल इंटेलिजेंस यूनिट को चिट्ठी भेजी है। इसके साथ ही सीबीआइ ने रुजिरा से पांच सालों का आयकर रिटर्न का ब्यौरा भी मांगा है।

सूत्रों के मुताबिक कोयला तस्करी मामले में सीबीआइ ने मंगलवार को बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे तथा सांसद अभिषेक बनर्जी की पत्नी रुजिरा बनर्जी से करीब सवा घंटे तक पूछताछ की थी। इसी दौरान उन्हें रुजिरा के बैंकॉक में दो और बैंक खातों के बारे में पता चला। हालांकि रुजिरा ने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। इसके बाद सीबीआइ ने बैंक खातों के तथ्यों की जानकारी के लिए केंद्र की फाइनेंसियल इंटेलिजेंस यूनिट को चिट्ठी भेजी है।

बताते चलें कि पूछताछ के दौरान रुजिरा ज्यादातर सवालों का जवाब नहीं दे पाई थीं। सीबीआइ की टीम के पहुंचने से पहले राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी के घर पहुंची थीं। वे वहां करीब दस मिनट तक रुकी थीं। उनके जाने के तीन मिनट बाद सीबीआइ की टीम 11:36 बजे अभिषेक के आवास पर पहुंची थी। सीबीआइ सूत्रों के अनुसार, अभिषेक की पत्नी से उनके विदेशी खाते में कुछ बैंक लेनदेन के बारे में पूछताछ की गई। सोमवार अभिषेक बनर्जी की पत्नी की बहन मेनका गंभीर से सीबीआइ ने तीन घंटे तक पूछताछ की थी।

अप्रैल तक सीवरेज से जुड़ जाएगा पुराना शहर, 12 हजार में से 8500 कनेक्शन दिए गए

जम्मू । जम्मू पश्चिम के बाद अब जम्मू पूर्व सीवरेज से जुड़ने जा रहा है। अप्रैल माह तक जम्मू पूर्व के सभी घरों को सीवरेज से जोड़ने का काम पूरा कर लिया जाएगा। फिर घरों के शौचालयों की गंदगी नालों से होते हुए सूर्यपुत्री तवी नदी में नहीं जाएगी। जम्मू पूर्व में सीवरेज डालने का काम कर रही नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कंपनी ने दावा किया है कि अप्रैल तक पुराने शहर के सभी घरों को सीवरेज से जोड़ दिया जाएगा। मुख्यतः शौचालयों को सीवरेज से जोड़ा जाना है। अलबत्ता रसोई के कनेक्शनों को भी सीवरेज के साथ जोड़ा जा रहा है।

फिलहाल एनबीसीसी जम्मू पश्चिम में करीब 12 हजार सीवरेज कनेक्शन का प्रोजेक्ट लेकर चल रही है। अप्रैल तक पहले चरण के इस काम को पूरा कर लिया जाएगा। एजेंसी का दावा है कि अभी तक करीब 8500 कनेक्शन दे दिए गए हैं। अप्रैल तक शेष घरों को भी इससे जोड़ दिया जाएगा।

कॉरपोरेटर नरोत्तम शर्मा का कहना है कि उन्होंने पीरखोह व आसपास के क्षेत्रों में सीवरेज में आ रही अड़चनों को दूर करवा दिया है। इसके अलावा शहर के अन्य हिस्सों में काम में तेजी लाने के लिए लोगों से सहयोग लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिवरात्रि से पहले पीरखोह रोड की मरम्मत का कार्य भी पूरा होगा और फिर सीवरेज के कनेक्शन देने की कवायद तेज होगी। उन्होंने कहा कि एनबीसीसी द्वारा सीवरेज का काम अप्रैल तक पूरा करने का भरोसा दिलाया गया है। शहर के बीसी रोड, ज्यूल चौक से पीरखोह तक सीवरेज का काम एनबीसीसी के अधीन है। इसके लिए भगवती नगर में एनबीसीसी ने 27 एमएलडी का सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट तैयार किया है।

एक नजर

पौधरोपणः सीएम शिवराज सिंह चौहान ने लगाया कदम का पौधा

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रतिदिन पौधा लगाने का संकल्प लिया है। उन्होंने इस क्रम में गुरुवार को कदम का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री ने राज्य पुरातत्व संग्रहालय के पास स्थित स्मार्ट रोड उद्यान में पौधरोपण किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इस अवसर पर नागरिकों से अनुरोध किया कि परिवार में जन्म वर्षगांठ जैसे शुभ अवसरों पर पौधे लगाएं। हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण के सुधार में नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान होगा।

टीआई ने की गोपनीय शिकायत, दो आरक्षक लाइन अटैच

भोपाल। टीआई स्टेशन बजरिया उमेश यादव के गोपनीय प्रतिवेदन के आधार पर डीआईजी इरशाद वली ने गुरुवार की शाम थाना स्टेशन बजरिया के दो आरक्षकों को संदिग्ध आचरण के चलते लाइन अटैच कर दिया है। दरअसल पिछले दिनों टीआई ने दोनों आरक्षकों के आचरण पर शंका जाहिर करते हुए डीआईजी को एक शिकायती पत्र लिखा था। पुलिस सूत्रों की माने तो गोपनीय जांच में आरक्षक सुशील द्विवेदी और आशीष त्यागी की भूमिका संदिग्ध मिली। दोनों पर क्षेत्र में जुआ सट्टा कारोबार को बढ़ावा देने तथा अपराधियों से सांठ-गांठ के आरोप थे।

जीएसटी के खिलाफ कैट का भारत व्यापार बंद आज

भोपाल। देश की सर्वोच्च व्यापारी संस्था कन्फेडरेशन ऑल इंडिया ट्रेडर्स कैट द्वारा 26 फरवरी को भारत व्यापार बंद का आह्वान किया है कैट केभोपाल अध्यक्ष रामबाबू शर्मा ने बताया कि मध्य प्रदेश के भोपाल, इंदौर, गवालियर, जबलपुर, सतना, रीवा, सागर, विदिशा, होशंगाबाद, नीमच, नरसिंहपुर, उज्जैन सहित मध्य प्रदेश के सभी व्यापारी संस्थाएं जीएसटी की विसंगतियों एवं जटिलताओं को लेकर भारत बंद को अपना समर्थन दिया है जीएसटी लागू होने के बाद 4 साल में 937 से ज्यादा बार संशोधन हो गए हैं । केंद्र सरकार को जीएसटी को लेकर उचित कदम उठाना चाहिए। 8 फरवरी को नागपुर में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय व्यापार सम्मेलन में देश के लगभग 200 व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर भारत व्यापार बंद का आह्वान किया था जीएसटी में व्यापारियों को अत्यधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है व्यापारी व्यापार से ज्यादा जीएसटी की विसंगतियों को दूर करने के लिए भाग दौड़ रहा है इसी को देखते हुए विरोध स्वरूप व्यापारी 26 फरवरी को जीएसटी पोर्टल पर लॉगिन नहीं करेंगे। कैट के जिला अध्यक्ष रामबाबू शर्मा ने बताया कि भोपाल के सभी व्यापारी संगठनों ने भारत व्यापार बंद को अपना समर्थन दिया है और पूर्ण रूप से भोपाल जीएसटी के विरोध में बंद रहेगा।

कमला पार्क में आज से शुरू होगा परी बाजार

भोपाल। कमला पार्क में आज 26 फरवरी शुक्रवार से शहर के पहले परी बाजार का शुभारंभ होगा। तीन दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में संस्कृति, साहित्य और कला से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आकर्षण का केंद्र होंगी। तीन दिनों तक चलने वाले इस बाजार का उद्घाटन शुक्रवार शाम 4 बजे नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह करेंगे। इसके बाद शाम 5 बजे दिव्यांका डांस एकेडमी के कलाकार गणेश वंदना और सूफी डांस की प्रस्तुति देंगे। इसी क्रम में शाम 7 बजे पपेट शो रखा गया है। रात 8 बजे आमिर और साजिद कव्वाली की प्रस्तुति देंगे। बेगम्स ऑफ भोपाल और फर्विंड क्लब की ओर से होने वाले इस परी बाजार का उद्देश्य शहर के हैरिटेज को बचाना और लोगों को विरासत से परिचित कराना हैए ताकि नई पीढ़ी शहर के ऐतिहासिक महत्व और उसके इतिहास को जान सके। इस परी बाजार की खास बात यह है कि यहां सिर्फ महिलाएं ही अपने स्टॉल्स लगाएंगी।

छात्रों के पास महाविद्यालय में दस्तावेज जमा करने का आज अंतिम दिन

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा सत्र 2020-21 में सीएलसी छठवें चरण की प्रक्रिया पूर्ण हो गई है। अब विद्यार्थियों के पास दस्तावेज जमा करने के लिए शुक्रवार को अंतिम अवसर है। इस दौरान विद्यार्थी टीसी, माईग्रेशन एवं अन्य दस्तावेज सत्यापन के बाद जमा करा सकेंगे।

ओडिशा में 3 महीने में 200 रुपया महंगा हुआ रसोई गैस सिलेंडर, 800 के पार पहुंची कीमत

भुवनेश्वर । देश में रसोई गैस की कीमत बुधवार मध्य रात्रि से प्रति सिलिंडर पीछे 25 रुपए बढ़ा दी गई है। तेल कंपनियों द्वारा दर बढ़ाए जाने के बाद विभिन्न शहरों में गैस की दर अलग-अलग है। केवल फरवरी महीने में ही 1 से 24 तारीख के बीच तीन बार में एक सिलेंडर की कीमत 100 बढ़ायी गई तो वही पिछले साल 1 दिसंबर से अब तक 3 महीने में 5 बार में गैस सिलेंडर 200 रुपया महंगा हुआ है।

जानकारी के मुताबिक दिल्ली शहर में गैस सिलेंडर (14.2 केजी) नई वृद्धि दर के अनुसार 794 रुपए में मिल रहा है जबकि इससे पहले यहां एक सिलेंडर 769 पर मिलता था। उसी तरह से राजधानी भुवनेश्वर में अब एक रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 820.50 रुपए हो गई है जबकि इससे पहले शहर में इसकी दर 795.50 रुपए होने की बात एजेंसी सूत्र से जानने में आई है।

दिसंबर महीने में एलपीजी सिलेंडर की कीमत दो बार बढ़ाई गई। 1 दिसंबर को सिलेंडर पीछे 50 रुपए की वृद्धि की गई थी जबकि पुनः 15 दिसंबर को तेल कंपनियों ने 50 रुपए और बढ़ा दिए जिससे दिसंबर महीने में ही रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 100 रुपए बढ़ गई। जनवरी महीने में रसोई गैस की कीमत नहीं बनाई गई। हालांकि फरवरी महीना शुरू होते ही 4 फरवरी को एक रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 25 बढ़ा दी गई। इसके बाद 14 फरवरी मध्य रात्रि को पुनः रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में 50 रुपए की वृद्धि की गई। फरवरी महीने में ही 24 तारीख की मध्यरात्रि से एक बार फिर और 25 रुपए गैस सिलेंडर महंगा कर दिया गया।

लगातार रसोई गैस की कीमत बढ़ रही है और उपभोक्ता बढ़ी हुई कीमत पर गैस खरीदने को मजबूर है। इसका सीधा असर उपभोक्ता के जेब पर पड़ रहा है। आलम यह हो गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में अब एक बार फिर लोग रसोई गैस के बदले चूल्हा जलाने को मजबूर हो गए हैं। लकड़ी संग्रह कर चूल्हे पर रसोई करने का अभ्यास करने लगे हैं। कोरोना महामारी के समय इस तरह से गैस सिलेंडर के दाम बढ़ाए जाने से सामान्य उपभोक्ताओं की परेशानी और अधिक बढ़ गई है। इस बढ़ी हुई कीमत ने गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवार की कमर तोड़ कर रख दी है।

ओडिशा में बढ़ी हुई दर लागू होने के बाद राजधानी भुवनेश्वर में गैस सिलेंडर की कीमत अब 820 रुपया 50 पैसा हो गई है जबकि संबलपुर में सर्वाधिक 855 रुपया, कटक में 821 रुपया, मालकानगिरी में 823 रुपया, राउरकेला में 853 रुपया 50 पैसा तथा बरहमपुर में 841रुपया 50 पैसा प्रति सिलेंडर उपभोक्ता को चुकाना पड़ रहा है। या उल्लेखनीय है कि एक तरफ जहां केंद्र सरकार उपभोक्ताओं की छूट को कम करते जा रही है तो वहीं दूसरी तरफ प्रत्येक महीने लगभग 100 रुपए गैस सिलेंडर बढ़ते जा रहा है। सरकार को राजस्व मिल रहा है और आम उपभोक्ता बदहाल हो रहा है।

बस हड़ताल पर ऊहापोह

मंत्री बोले, मार्च से बढ़ाएंगे किराया ऑपरेटर्स ने कहा, लिखित में दें

भोपाल एजेंसी । आज शुक्रवार को भोपाल, इंदौर और सागर संभाग में होने वाली बसों की हड़ताल को लेकर गुरुवार को दिनभर ऊहापोह की स्थिति बनी रही। परिवहन मंत्री गोविंद सिंह ने कहा कि, सरकार 1 मार्च से सबकी सहमति लेकर बसों का किराया बढ़ाएगी, यानि मध्यप्रदेश के बस यात्रियों को झटका लगने वाला है। गुरुवार को परिवहन मंत्री राजपूत ने 1 मार्च से बसों का किराया बढ़ाने की घोषणा तो की है। उन्होंने कहा कि, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ बैठक के बाद इस संबंध में निर्णय लिया गया है। किराया कितना बढ़ेगा, अभी यह तय नहीं है। राजपूत ने कहा कि, बस संचालक और यात्रियों की सहमति से किराया तय किया जाएगा। वहीं, दूसरी तरफ बस ऑपरेटर एसोसिएशन ने सरकार के ऐलान को हड़ताल वापस लेने के लिए उठाया कदम बताया।

दो दिन नहीं अब सिर्फ आज होगी हड़ताल, भोपाल से नहीं चलेंगी तीन हजार बसें

मध्यप्रदेश बस ऑपरेटर एसोसिएशन अध्यक्ष गोविंद शर्मा ने कहा कि, सरकार ने एसोसिएशन में से किसी को नहीं बुलाया। ना ही हमें जानकारी दी है। ऐसे में हड़ताल वापस नहीं ली जाएगी। आज 26 फरवरी को एक दिन की हड़ताल होगी। दो दिवसीय हड़ताल को एक दिन कर दिया है। शर्मा ने कहा कि, 18 सितंबर को किराया बोर्ड की बैठक हो चुकी है। इसमें हमारे दो प्रतिनिधि और सरकार के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में तय हुआ था कि 50 प्रतिशत किराया बढ़ेगा। इस निर्णय की फाइल को सरकार 6 महीने से दबाए बैठी है। अब बोल रहे हैं कि हम किराया बढ़ाएंगे। शर्मा ने कहा कि सरकार पोर्टल पर लिखकर साफ करे कि कितना किराया बढ़ाएंगे, हम हड़ताल वापस ले लेंगे।

इधर कहा-स्वैच्छिक है, बसों की हड़ताल

मध्यप्रदेश बस ऑपरेटर एसोसिएशन का कहना है कि, हड़ताल स्वैच्छिक है। इस संबंध में दो दिन पहले बस ऑपरेटर संचालकों ने भोपाल में बैठक कर निर्णय लिया था। इसमें प्रमुख मांग किराया वृद्धि को लेकर है। मध्यप्रदेश बस ऑपरेटर एसोसिएशन के सदस्य दीपेश विजयवर्गीय ने बताया, हड़ताल स्वैच्छिक है। इस दौरान यदि कोई बस ऑपरेटर बस चलाता है, तो उसे रोका नहीं जाएगा। विजयवर्गीय ने बताया कि मध्यप्रदेश में 36 हजार बसें हैं। हमारा उद्देश्य आम जनता को परेशान करना नहीं है। उन्होंने बताया कि डीजल के दाम में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। डीजल 60 रुपए से 90 रुपए प्रति लीटर तक पहुंच गया है, लेकिन किराए में बढ़ोतरी नहीं हुई है।

चैकिंग के नाम पर परेशान करने का लगाया था आरोप

बस ऑपरेटर एसोसिएशन का कहना है कि सीधी बस हादसे में प्रशासन की गलती को दबाने के लिए बस संचालकों को निशाना बनाया जा रहा है। ना तो ट्रैफिक व्यवस्थित करने के लिए सड़क पर पुलिस तैनात थी। वहीं सतना में परीक्षा सेंटर होने के बावजूद बसों की संख्या बढ़ाने को लेकर अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की। एसोसिएशन के सदस्य धर्मेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि हम नियमों को तोड़ने वालों पर कार्रवाई का विरोध नहीं कर रहे, लेकिन पूरे कागज होने के बावजूद बसों के चालान काटे जा रहे है।

तीन हजार बसों का संचालन होगा प्रभावित

राजधानी भोपाल से प्रदेश के सभी क्षेत्रों के अलावा अंतरराज्यीय बसों का संचालन होता है। यहां से आईएसबीटी, पुतली घर, हलालपुर, नादरा बस स्टैंड से करीब 3 हजार बसें चलती है। हड़ताल के चलते इन बसों का संचालन प्रभावित होगा। जिससे गंतव्य तक पंहुचने में आज लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

ऐसे ही काम होता रहा तो एक सप्ताह और लगेगा, आमदपुर में लगना है सीएनजी प्लांट

ग्राउंड तैयार करने के लिए तीन दिन का अल्टीमेटम

भोपाल एजेंसी । आदमपुर छावनी में बायो सीएनजी गैस प्लांट लगने में लगातार देरी हो रही है। गुरूवार को नगर निगम कमिश्नर केवीएस चौधरी एक बार फिर यहां निरीक्षण करने पहुंचे और तीन दिन में ग्राउंड तैयार करने को कहा, लेकिन काम की रफ्तार देखते हुए एक सप्ताह का समय ओर लग सकता है। इसी जगह 5 एकड़ में बड़ा गड्ढा किया गया है, जिसमें कचरे के अवशेष जमा करना है। लेकिन यह काम भी इतनी धीमी गति से हो रहा है कि 25 दिन में कमिश्नर करीब 15 बार निरीक्षण करने पहुंचे, पर काम जस की तस है।

नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी पीएस शुक्ला ने बताया कि आदमपुर छावनी में तीन साल पुराने कचरे के अवशेषों के लिए गड्ढा गहरा हो चुका है और गड्ढे के अंदर समतलीकरण भी किया जा चुका है। बाकी काम रविवार तक पूरा हो जाएगा। इसके अलावा लैण्डफिल साईट तक आने के लिए सड़क का निर्माण भी जल्द पूरा होगा। गुरूवार को निगम कमिश्नर केवीएस चौधरी ने यहां का निरीक्षण किया। कमिश्नर ने कचरा निष्पादन प्रक्रिया के अवशेषों के लिए 5 एकड़ में तैयार हो रहे गड्ढे का जायजा लिया और शेष भाग का गहरीकरण, समतलीकरण करने के निर्देश दिए। इसके अलावा लैण्डफिल साईट के पिछले भाग में लगी ट्रामल मशीन की जानकारी ली और दूसरी मशीन जल्द लगाकर दोनों ट्रामल मशीनों से कचरा निष्पादन शुरू करने के निर्देश दिए।

आज यहां रहेगी बिजली गुल

भोपाल। राजधानी में आईपीडीएस कार्य, लाईन शिफ्टिंग कार्य, रख रखाव एवं निर्माण कार्य के चलते शुक्रवार को विभिन्न क्षेत्रों में बिजली सप्लाई बंद रहेगी। **सुबह 9 से शाम 6 बजे तक :** गांधी नगर, आरजीपीवी रोड, कैलाश नगर, रचना नगर एवं आसपास के क्षेत्र में बिजली सप्लाई बंद रहेगी।

डीजे और नाच-गाने वाली शादियों में निकाह नहीं पढ़ाएंगे काज़ी

भोपाल। शादियों में बढ़ती फिजूलखर्ची और रस्मों के स्थान पर फूहड़ आधुनिकता के प्रदर्शन के खिलाफ राजधानी की मसाजिद कमेटी ने गुरुवार को बड़ा कदम उठाया है। दारूल.कज़ा व दारूल इता मसाजिद कमेटी ने घोषणा की है, कि अब से ऐसी शादियों में काजी निकाह पढ़ाने नहीं जाएंगे। कमेटी ने तय किया है, कि शहर में जिन भी शादी समारोहों में फिजूलखर्ची होगी, नाच-गाना व डीजे और बैंडबाजा बजाया जाएगा, पटाखे चलाये जाएंगे, पर्दा नहीं होगा, वहां काजी निकाह नहीं पढ़ाएंगे। कमेटी ने साफ कर दिया है, कि ऐसे आयोजनों में एहले मिल्लत शिरकत ना करें। गुरुवार को शहर काजी सैय्यद मुश्ताक अली नदवी, नायब काजी शहर, मुफ्ती शहर, नायब काजी शहर, नायब मुफ्ती शहर के दस्तखतों के साथ यह आदेश जारी किया गया, जो कि, तुरंत लागू हो गया है। इसके बाद कमेटी द्वारा तय नियमों के तहत शादी सामारोहों का आयोजन नहीं करने वाले लोगों के यहां निकाह पढ़ाने के लिए काज़ी नहीं जाएंगे। गौरतलब है कि, पहले भी कमेटी की तरफ से कई बार समाज के लोगों से फिजूलखर्ची बंद करने व सादगी के साथ धार्मिक निर्देशों के मुताबिक शादी समारोहों का आयोजन की अपील की जा चुकी है, लेकिन अब इस संबध में कड़ा कदम उठाया गया है।

अपनी पार्टी के विजयी उम्मीदवारों से मिलने अहमदाबाद पहुंचे ओवैसी, नई रणनीति की तैयारी पर की चर्चा

अहमदाबाद । अहमदाबाद में महानगर पालिका के चुनाव में कांग्रेस के गढ़ माने जाने वाले जमालपुर जैसे इलाकों में ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है। इसी के चलते असदूद्दीन ओवैसी गुरुवार को अपनी पार्टी के विजयी उम्मीदवारों से मिलने अहमदाबाद पहुंचे। ओवैसी ने अहमदाबाद में एआईएमआईएम के जीते हुए उम्मीदवारों का खानपुर स्थित एक फाइव स्टार होटल में स्वागत किया।

कांग्रेस में पड़ी फूट

अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में ओवैसी की एंट्री होने पर कांग्रेस में फूट पड़ गई है। क्योंकि, अब कई कांग्रेसी नेता व सैकड़ों कार्यकर्ता एआईएमआईएम से जुड़ चुके हैं।

बता दें, जमालपुर वॉर्ड से एआईएमआईएम के बीना परमार, अफसाना बानू, मुस्ताक खादीवाला और मोहम्मद रफीक शेख ने और मुक्तपुरा वॉर्ड से भी सुहाना मंसूरी, जेनलबीबी शेख और महम्मद पठान ने कांग्रेस के दिग्गज प्रत्याशियों को परास्त कर कॉर्पोरेशन में प्रवेश किया है।

ट्राइबल पार्टी के साथ गठबंधन है एआईएमआईएम का

उल्लेखनीय है कि एआईएमआईएम ने गुजरात की भारतीय ट्राइबल पार्टी के साथ गठबंधन किया है। इसी गठबंधन ने स्थानीय निकाय चुनाव में अपने प्रत्याशी खड़े किए थे। पार्टी ने गुजरात कांग्रेस के पूर्व विधायक साबिर काबलीवाला को अपना प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है।

15 दिन में राजधानी में पेट्रोल 3.79 और डीजल 3.75 रुपए हुआ महंगा

प्रीमियम पेट्रोल भी हुआ सैकड़ा पार, बिक रहा 100.4 रुपए प्रति लीटर

भोपाल एजेंसी । भोपाल जिले में पिछले दो सप्ताह में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बेतहासा वृद्धि हुई है। पिछले 15 दिनों में राजधानी में पेट्रोल जहां 3.79 रूपए की बढ़ोत्तरी हुई है, वहीं, डीजल की कीमतों में 3.75 रुपए की वृद्धि हुई। आपको बता दें कि पेट्रोल, डीजल में महंगाई की यह आग 5 जून 2020 से लगी हुई है।

ऐसे बढ़े पेट्रोल और डीजल की कीमतें: 5 जून को जहां पेट्रोल 77.53 रुपए था, वहीं डीजल की कीमत 68.24 रुपए प्रति लीटर थी। पिछले 10 माह में पेट्रोल 21.76 रुपए और डीजल 20.98 रुपए महंगा हुआ है। इधर, प्रीमियम पेट्रोल के भाव भी 100.4 रुपए प्रति लीटर पहुंच गए हैं। इतना महंगा प्रीमियम पेट्रोल केवल एचपी के पंपों पर ही मिल रहा है, जबकि भारत पट्रोल पंप पर प्रीमियम पेट्रोल 99.52 रुपए और इंडियन ऑयल पेट्रोलियम के पंपों पर 99.30 रुपए प्रति लीटर पेट्रोल बिक रहा है। हालांकि गुरुवार को पेट्रोल और डीजल के दामों में बढोत्तरी नहीं हुई है।

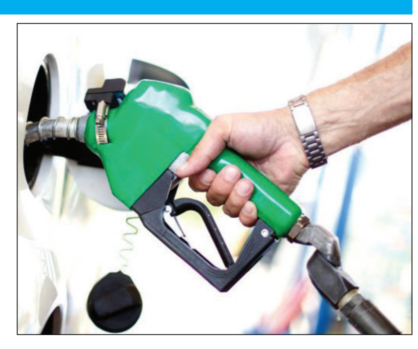

गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा- चीन आज पीछे जाने को मजबूर हो गया, यह हमारी परिवर्तन और बदलती हुई ताकत है

जोधपुर । जोधपुर संसदीय क्षेत्र के दो दिवसीय प्रवास के दौरान केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री एवं सांसद गजेन्द्र सिंह शेखावत ने पीलवा में अमर शहीद मनोहर सिंह हिम्मतनगर पीलवा की आदम कद प्रतिमा का अनावरण किया। बड़ी संख्या में मौजूद ग्रामीणों की मौजूदगी में केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने शहीद की वीरांगना का आशीर्वाद प्राप्त करके और शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। सम्मान समारोह में सैनिक कल्याण बोर्ड राजस्थान के पूर्व अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजोर केन्द्रीय मंत्री शेखावत के साथ मौजूद रहे।

जोधपुर भाजपा संभाग मीडिया प्रमुख अचल सिंह मेड़तिया ने बताया कि मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने पीलवा गांव के अमर शहीद मनोहर सिंह जी की प्रतिमा का अनावरण कर उनके अनुपम बलिदान को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। भारत-पाकिस्तान के मध्य साल 1971 में हुए युद्ध में बहादुरी से लड़ते हुए वीरगति को प्राप्त हुए शहीद मनोहर सिंह को उनके सैकड़ों ग्रामवासियों के सम्मुख यह सम्मान देना और उनके परिजनों को सम्मानित करना एक भावुक क्षण रहा।

कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि वीरप्रसूता राजस्थान की धरती वीर-वीरांगनाओं को जन्म देती आई है जो अपनी मिट्टी का मान बनाए रखने के लिए अपना और अपने प्रियजनों का बलिदान देने से कभी नहीं कतराए।यह देश मनोहर सिंह जी जैसे वीरपुरूषों और उनके परिजनों का ऋणी है जो देशसेवा के पथ पर अनन्य बलिदान देने से पीछे नहीं हटे। हमारे वीर सपूतों के कारण ही आज भारत समूचे विश्व में प्रतिष्ठित स्थान पर है। हमारे शास्त्रों में भी लिखा है जो कोई वीरगति को प्राप्त होता है, जिसने कालसापेक्ष में काम किया है। उसका इतिहास के पन्नों में नाम दर्ज होता है।

चीन ने कदम पीछे लिए- मंत्री शेखावत ने कहा कि आज हम शहीद मनोहर सिंह की मूर्ति के अनावरण के दिन बात कर रहे हैं। यहां सेना से जुड़े हुए बहुत सारे लोग हैं। यहां से थोड़ी दूर पर परमवीर चक्र सेनानी का घर है। 1962 में चीन ने हमारे ऊपर हमला किया था, उसके बाद 2020 में चीन ने हमारी सीमा पर गलवान घाटी में हमला किया। अब तक चीन हमेशा चार कदम आगे चलता था और तीन कदम पीछे हटता था। हमेशा एक कदम हमारी भूमि पर कब्जा करके रखता था, लेकिन आज मैं अभिनंदन करना चाहता हूं इस देश की सेनाओं का, देश की सीमा पर डटे हुए एक एक सैनिक का और उसके पीछे खड़ी हुई एक एक राजनीतिक ताकत का, हमारे राष्ट्रपति का, शहीद के मूर्ति के अनावरण के अवसर पर अभिनंदन करना चाहता हूं कि 58 साल के इतिहास में पहली बार चीन ने अपने कदम 100 फीसदी वापस खींचा है।

चीन की ताकत आज जब इतनी बड़ी है, आर्थिक महाशक्ति के रूप में आज अमेरिका भी चीन के सामने सीना चौड़ा करके खड़ा होने का साहस नहीं कर सकता। उस परिस्थिति में दुनिया के आधे से ज्यादा देश गलवान घाटी के मामले पर पूरी गंभीरता से देख रहे थे, दुनिया ने देखा कि भारत ने कैसे चीन को वापस जाने पर मजबूर किया। यह हमारी परिवर्तन और बदलती हुई ताकत है।

पिछले 100 साल के इतिहास में पहली बार ऐसा अवसर आया है जब चीन ने पूरी तरह से वापस हुआ है। चीन केवल पीछे नहीं हटा बल्कि जो इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किए थे, उसे भी 100 फीसदी तोड़ा है। जिस घर में गांव में एक भी ऐसी मूर्ति लगी है, या जिस गांव का एक भी बच्चा सेना में नौकरी करता है, वह परिवार गलवान घाटी में चीन द्वारा वापसी की वीडियो देखकर गर्व से सीना चौड़ा जरूर करता होगा। हमारा देश बदल रहा है।

केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि देश परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। गीता में लिखा है कि परिवर्तन नित निरंतर होता ही रहता है। अलग अलग तरीके से हर समय पर देवताओं ने ऋषियों, मुनियों ने अपने हिसाब से परिवर्तन की व्याख्या की है। लेकिन कुछ घटनाएं ऐसी आती हैं, जीवन में कुछ समय ऐसे आते हैं, जो एकदम से परिवर्तन लाते हैं। एक सफल परिवर्तन परिभाषाएं बदल देता है और एक असफल परिवर्तन अनेक पीढ़ियों को भोगना पड़ता है। साधु महात्मा कहते हैं कि अबकी बार जो चूक गया, वह दोबारा नहीं आएगा।

आज हम सब सौभाग्यशाली हैं कि हमारा देश परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। आज आप भी महसूस कर रहे हैं, हम भी महसूस कर रहे हैं, देख रहे हैं। पूरी दुनिया इस बात को महसूस कर रही है कि भारत बदल रहा है और इसमें हमारी क्या भूमिका हो सकती है, इस पर हमें विचार करना चाहिए।

दिशा पाटनी

का जिमनैस्टिक अवतार देख हैरान रह गए

टाइगर श्रॉफ किया यह कॉमेंट

दिशा पाटनी और टाइगर श्रॉफ की फिटनेस के प्रति दीवानगी जगजाहिर है। दोनों सोशल मीडिया पर वर्कआउट करते हुए वीडियो शेयर करते रहते हैं।

अब दिशा ने अपना एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उनका जिमनैस्टिक अवतार नजर आ रहा है। दिशा के इस कारनामे को देखकर टाइगर श्रॉफ भी हैरान हो गए। दिशा ने अपने इस वीडियो को इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है, जिसमें वह बैकफ्लिप मारते हुए नजर आ रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, '#wuiiiii' टाइगर श्रॉफ ने इस वीडियो पर कॉमेंट करते हुए लिखा, "Woahhh काश मैं भी ऐसा कर सकता। सुजैन खान ने लिखा, आप दोनों लाजवाब हो। कोरियोग्राफर रजित देव ने लिखा, सुपर गर्ल। कोरियोग्राफर राहुल शेट्टी ने कॉमेंट किया, खतम। एक फैन ने कॉमेंट किया, लेडी लव टाइगर।वहीं, दूसरे फैन ने लिखा, आप अविश्वसनीय हैं। हाल ही में टाइगर श्रॉफ ने एक फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर की। फोटो में टाइगर श्रॉफ की फिटनेस और स्वैग साफ नजर आ रहा है। वहीं उनके ट्रॉपिकल प्रिंट्स वाले गुलाबी शॉर्ट्स भी फैंस को काफी पसंद आ रहे हैं। इस फोटो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए टाइगर ने कैप्शन में लिखा, क्यूट शॉर्ट्स ब्रो.... ।बता दें कि दिशा और टाइगर साथ में पहली बार वीडियो सॉन्ग बेफिक्रे में नजर आए थे। वहीं दिशा और टाइगर फिल्म बागी 2 में भी साथ काम कर चुके हैं। दोनों एक-दूसरे को हमेशा अच्छा दोस्त बताते हैं, हालांकि फैन्स का कुछ और ही मानना है।

फैन्स को मुताबिक दोनों एक-दूसरे को काफी पसंद करते हैं और उन्हें शादी भी कर लेनी चाहिए। गौरतलब है कि दिशा पाटनी जल्दी ही सलमान खान के साथ फिल्म राधे- योर मोस्ट वांटेड भाई में नजर आएंगी। इसके साथ ही उनके खाते में एक विलेन 2 भी है। वहीं, दूसरी ओर टाइगर श्रॉफ के पास बागी 4, हीरोपंती 2, गणपत और रेम्बो की रीमेक कतार में हैं।

अजीबो-गरीब ड्रेस की वजह से ट्रोल गईं

प्रियंका चोपड़ा

एक्ट्रेस ने खुद मीम शेयर कर किया इंजॉय

ग्लोबल आइकन बन चुकीं एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा अपने शानदार टैलेंट के साथ-साथ कमाल के फैशन सेंस के लिए भी पहचानी जाती हैं। उन्हें अपनी ड्रेसेस के लिए काफी तारीफें तो मिलती ही हैं लेकिन ऐसा कई मौकों पर देखने को मिला है कि वो अपने आउटफिट की वजह से ट्रोल भी हो गई हैं। हाल ही में एक बार फिर से कुछ ऐसा ही हुआ है। प्रियंका चोपड़ा की एक अजीबो-गरीब ड्रेस सोशल मीडिया पर इस कदर चर्चा में आई कि इस पर तरह-तरह से फनी मीम्स बनने लगे। वहीं जब प्रियंका ने खुद इन मीम्स को देखकर तो खुद को इसे शेयर करने से रोक नहीं पाईं।

दरअसल, फैशन आइकन मानी जाने वाली एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा हाल ही में Halpern की ग्रीन पोल्का डॉट्स बलून ड्रेस में दिखाई दीं। इस दौरान जब लोगों ने उनकी ये ड्रेस देखी तो कई लोगों को ये काफी फनी लगी। फिर सिलसिला शुरु हो गया मीम्स बनने का, लोगों ने इस ड्रेस में प्रियंका की तस्वीर को फोटोशॉप के जरिए कभी वाकई गुब्बारा बनाया तो किसी ने इसे पफर फिश से कंपेयर कर दिया। यहां तक कि एक तरह के दीवाली पटाखे और पोकेमोन से भी इस ड्रेस की तुलना हो गई।

वहीं हर बार की तरह इस बार भी प्रियंका ने इस पूरे ट्रेंड को बेहद स्पोर्टिंगली लिया और खुद ही अपने ऊपर बने इन मीम्स को इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर कर दिया। उन्होंने ये मीम्स शेयर करते हुए ये जाहिर भी किया कि उन्हें ये किस कदर फनी लगे हैं। उन्होंने लिखा कि- मेरा दिन बनाने के लिए शुक्रिया दोस्तों।

बता दें कि इन दिनों प्रियंका चोपड़ा हाल ही में रिलीज हुए अपने संस्मरण अनफिनिश्ड को लेकर जबरदस्त सुर्खियों में हैं। इस किताब में उन्होंने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं।

देवोलीना भट्टाचार्जी ने की शादी और ब्वॉयफ्रेंड को लेकर खुलकर बात, बोलीं- इंडस्ट्री से नहीं है वह जुड़ा

टीवी रिएलिटी शो 'बिग बॉस 14' कंटेस्टेंट देवोलीना भट्टाचार्जी तभी से सुर्खियों में हैं, जबसे उन्होंने शो में शादी और ब्वॉयफ्रेंड को लेकर खुलासा किया है। फैन्स सरप्राइज्ड तब हुए जब न्यूज सामने आई कि देवोलीना इसी साल शादी के बंधन में बंधने की प्लानिंग कर रही हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान देवोलीना भट्टाचार्जी ने इस पर खुलकर बात की।

बॉलीवुड लाइफ संग बातचीत में देवोलीना भट्टाचार्जी ने कहा, मुझे समझ नहीं आता कि कौन यह खबरें फैला रहा है। हां, शादी मुझे करनी है और इसे लेकर मैं लंबे समय से प्लानिंग कर रही हूं, लेकिन इस साल शादी मैं नहीं कर रही हूं। शादी 2022 में करूंगी। मुझे लगता है कि शादी किस्मत का खेल है। रस्में होंगी जब भगवान चाहेंगे।

लड़के के बारे में जब देवोलीना भट्टाचार्जी से बताने के लिए कहा तो उन्होंने कहा कि मेरा ब्वॉयफ्रेंड एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से ताल्लुक नहीं रखता है। वह बहुत ही साधारण इंसान है, जिसके जीवन एकदम संभला हुआ है। मैं भी एक साधारण लड़की हूं जो आम जिदंगी जीना पसंद करती है।

बता दें कि बिग बॉस में पारस छाबड़ा, देवोलीना के सपोर्टर बनकर शो में पहुंचे थे, लेकिन देवोलीना को पारस में सपोर्टर नजर नहीं आया। वहीं, अब जब देवोलीना 'बिग बॉस 14' हाउस से हुईं तो शो से एजाज़ खान का पत्ता भी साफ हो गया था।

श्रीदेवी का हैंड नोट शेयर कर भावुक हुईं जाह्नवी कपूर, सोशल मीडिया पर जाहिर की फीलिंग

बॉलीवुड की चांदनी श्रीदेवी आज भले ही हमारे साथ नहीं हैं लेकिन वह आज भी अपने चाहने वालों के दिलों में बसती हैं। आज के दिन ही श्रीदेवी इस दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया था। उनकी मौत की खबर से उनके परिवार सहित बॉलीवुड शॉक्ड रह गया था। कपूर परिवार के लिए यह दिन काफी दुख भरा होता है। सभी लोग श्रीदेवी को याद कर इमोशनल हो जाया करते हैं। कुछ ऐसा ही हाल श्रीदेवी की बेटी जाह्नवी कपूर का भी है। अपनी मां को याद करते जाह्नवी ने सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट शेयर किया है।

जाह्नवी कपूर ने श्रीदेवी के हाथों का लिखा एक हैंड नोट शेयर किया है। इस नोट में लिखा है आई लव यू मेरी लब्बू, तुम इस दुनिया की सबसे बेस्ट बेबी हो। इस हैंड नोट से लग रहा है कि श्रीदेवी ने जाह्नवी के लिए अपना प्यार दिया था। इस नोट को शेयर करते हुए जाह्नवी ने लिखा 'मिस यू। आपको बता दें कि 24 फरवरी 2018 को दुनिया को अलविदा कह दिया था। उनकी अचानक मौत की खबर सुनकर कोई यकीन ही नहीं कर पाया था कि अब श्रीदेवी हमारे बीच नहीं रहीं। श्रीदेवी की दुबई के एक होटल के कमरे के बाथटब में डूबने से मौत हो गई थी।

बता दें कि श्रीदेवी ने अपने 51 साल के फिल्मी करियर में तकरीबन 300 फिल्मों में काम किया था। उनकी पहली फिल्म बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट जूली थी। उनकी आखिरी फिल्म मॉम थी। जिसके लिए उन्हें मरणोपरांत बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड भी मिला था। इसके अलावा साल 2018 में आई फिल्म जीरो में श्रीदेवी नजर आई थीं। इस फिल्म में उन्होंने कैमियो रोल किया था।

भारत में ही पांच-छह शहरों में होगा आईपीएल 2021 का आयोजन, जल्द शेड्यूल होगा जारी

अहमदाबाद। इंग्लैंड सीरीज के तुरंत बाद होने वाली इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) का आयोजन भारत में ही पांच-छह शहरों में कराया जाएगा। कोरोना के कारण आइपीएल के 13वें सीजन का आयोजन पिछले साल 19 सितंबर से 10 नवंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में किया गया था, लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) ने इस बार तय किया है कि दुनिया की सबसे महंगी क्रिकेट लीग का आयोजन भारत में ही होगा।

बीसीसीआइ के एक पदाधिकारी ने कहा कि पहले हम लोग चर्चा कर रहे थे कि एक शहर में लीग मुकाबले कराएं और दूसरे शहर में नॉकआउट मुकाबले आयोजित कराए जाएं। ऐसे में हम सिर्फ एक बायो-बबल (खिलाड़ियों के लिए बनाए गए विशेष सुरक्षा माहौल) में ही पूरा टूर्नामेंट करा लेते, लेकिन अब यह तय किया गया है कि 11 अप्रैल से शुरू होने वाला यह टूर्नामेंट पांच-छह शहरों में आयोजित किया जाएगा। इसके लिए हमें पांच-छह बायो-बबल बनाने होंगे।

उन्होंने कहा कि जल्द ही कार्यक्रम की घोषणा हो जाएगी। मालूम हो कि पहले दिल्ली कैपिटल्स के सह मालिक पार्थ जिंदल ने कहा कि था कि ऐसा लग रहा है कि लीग मैच मुंबई में और नॉकआउट मुकाबले अहमदाबाद में होंगे। मुंबई में वानखेड़े के अलावा ब्रेबोर्न और डीवाई पाटिल स्टेडियम भी हैं। पदाधिकारी ने कहा कि पहले हम लोग ऐसा सोच रहे थे, लेकिन कोरोना की स्थिति शहर दर शहर बदल रही है। मुंबई में हम सारे मैचों की योजना बना लें और वहां लॉक डाउन लगने जैसी स्थिति आ जाए तो सब खराब हो जाएगा।

2019 में आइपीएल का आयोजन भारत में नौ शहरों (चेन्नई, कोलकाता, मुंबई, जयपुर, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद, मोहाली और विशाखापत्तनम) में हुआ था। इसमें आठ फ्रेंचाइजियों के घरेलू मैदान हैं। बीसीसीआइ के पदाधिकारी ने कहा कि इतना तो तय है कि इस बार नौ मैदानों में मैच नहीं होंगे। यहां तक कि सभी फ्रेंचाइजियों के घरेलू मैदानों में भी मैच नहीं होंगे, लेकिन हम ज्यादा से ज्यादा स्टेडियम में इसे आयोजित करने के बारे में सोच रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आयोजन स्थल पर अभी चर्चा हो रही है। इसमें फ्रेंचाइजियों की भी सहमति लेनी जरूरी है। मुंबई, दिल्ली, अहमदाबाद, चेन्नई, बेंगलुरु और लखनऊ के नामों पर चर्चा हुई है। इसके अलावा भी कई शहरों के नामों पर बात हुई है। जल्द ही फैसला लिया जाएगा। आइपीएल के 14वें सीजन के लिए ऑक्शन हो चुका है, जिसमें सबसे महंगी बोली साउथ अफ्रीका के क्रिस मौरिस पर लगी है। राजस्थान की टीम ने उनको खरीदा है।

इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने नहीं रोया खराब पिच का रोना, बताया क्यों मिली हार

अहमदाबाद। यहां के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए चार मैचों की टेस्ट सीरीज के तीसरे मैच में इंग्लैंड को हार झेलनी पड़ी। हर कोई मोटेरा की पिच को खराब बता रहा है, लेकिन इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने वो कारण बताया है, जिसकी वजह से मेहमान टीम को हार झेलनी पड़ी। इसके अलावा जो रूट ने भारत के हाथों तीसरे टेस्ट मैच में 10 विकेटों से मिली हार को स्वीकार किया है। कप्तान जो रूट ने पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन में कहा, यह निराशाजनक है (इस टेस्ट को हारना) और यह एक कठिन सप्ताह रहा है। हम इस सप्ताह से सकारात्मक चीजें लेंगे और इससे सीखेंगे, लेकिन यह हमें एक टीम के रूप में परिभाषित नहीं करता और एक हार से चीजें रातोंरात नहीं बदलेगी। हमें इसे स्वीकार करना है और आगे बढ़ना है तथा और बेहतर करना है। यह मुश्किल विकेट था और अपनी पारी शुरू करना बहुत मुश्किल था।

उन्होंने कहा, आप जिन लोगों को यहां रन बनाते हुए देखना चाहते हैं, उनमें मैं भी शामिल हूं, क्योंकि प्रत्येक रन वास्तव में मायने रखता है और आपको इसे लेना होगा और अपने आप को ताकत की स्थिति में रखना होगा। हालांकि, ऐसा हुआ नहीं। यहां गुलाबी गेंद ने पिच पर गति पकड़ी, लेकिन भारत ने हमें हर विभाग में पीछे छोड़ दिया। जब एसजी गेंद स्पिनरों के लिए चमक खो चुकी थी, तो उस पर संदेह हुआ। अक्षर ने इस पिच का का फायदा उठाया और इसका इस्तेमाल किया। इंग्लैंड की टीम के कप्तान जो रूट ने एक भी बार ये बात नहीं कही कि मोटेरा का पिच खराब थी।

उनका मानना है कि भारतीय गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी की, जिसके कारण मैच इतनी जल्दी खत्म हो गया। जो रूट पिच पर सवाल इसलिए भी नहीं उठा सकते, क्योंकि उनकी तरफ से भी ओपनर जैक क्राउले ने अर्धशतक जड़ा था और भारत की तरफ से भी ओपनर रोहित शर्मा ने पहली पारी में शानदार अर्धशतकीय पारी खेली थी। एक अन्य बयान में जो रूट ने कहा है कि पिच के खराब या सही होने को देखने के लिए आइसीसी है।

प्रियम गर्ग ने अपनी टीम के लिए लगाया शतक, 16 चौके व 2 छक्कों की मदद से बनाए 115 रन

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के 20 वर्षीय युवा बल्लेबाज प्रियम गर्ग ने विजय हजारे ट्रॉफी टूर्नामेंट 2021 के लीग मैच में रेलवे के खिलाफ शतकीय पारी खेली तो वहीं अक्शदीप नाथ ने भी 93 रन की पारी खेलते हुए टीम के स्कोर को 50 ओवर में 6 विकेट पर 346 तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई।

इस लीग मुकाबले में टॉस रेलवे के पक्ष में रहा और इस टीम के कप्तान करन शर्मा ने यूपी को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया था।

प्रियम गर्ग का शतक

इस मैच में रेलवे के खिलाफ यूपी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम का पहला विकेट सिर्फ 6 रन के स्कोर पर गिर गया। यूपी का पहला विकेट करन शर्मा के रूप में गिरा जो 5 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

दूसरे विकेट के लिए प्रियम गर्ग और अभिषेक गोस्वामी के बीच 61 रन की साझेदारी हुई और फिर अभिषेक भी 32 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद तीसरे विकेट के लिए प्रियम गर्ग व अक्शदीप नाथ के बीच 180 रन की शतकीय साझेदारी हुई और टीम का स्कोर मजबूत हो गया। जब प्रियम का विकेट गिरा तब इस टीम का स्कोर 3 विकेट पर 247 रन पहुंच चुका था। प्रियम गर्ग ने 99 गेंदों पर 16 चौके व 2 छक्कों की मदद से 115 रन की पारी खेली तो वहीं अक्शदीप ने 99 गेंदों पर 10 चौके व 3 छक्कों की मदद से 93 रन बनाए और अपने शतक से चूक गए। इसके बाद रिंकू सिंह ने 21 रन, उपेंद्र यादव ने 12 रन, समीर चौधरी ने 17 गेंदों पर नाबाद 34 रन जबकि कप्तान भुवनेश्वर कुमार ने 2 चौके व 2 छक्कों की मदद से नाबाद 30 रन की पारी खेली। वहीं रेलवे की तरफ से अनथ साहा ने तीन जबकि अमित मिश्रा, सौरव सिंह और कप्तान करन शर्मा ने एक-एक विकेट लिए।

टीम इंडिया से बाहर चल रहे इस ऑलराउंडर ने बनाए नाबाद 133 रन, लगाए 20 चौके 3 छक्के

नई दिल्ली। विजय हजारे ट्रॉफी टूर्नामेंट में टीम इंडिया से बाहर चल रहे ऑलराउंडर व हार्दिक पांड्या के भाई क्रुणाल पांड्या ने छत्तीसगढ़ के खिलाफ बेहतरीन पारी खेलते हुए नाबाद शतक लगाया और टीम के स्कोर को 50 ओवर में 6 विकेट पर 332 रन तक पहुंचा दिया। क्रुणाल पांड्या कमाल की फॉर्म में हैं और इस टूर्नामेंट में खेले चार मैचों में ये उनका दूसरा शतक है। इस मैच से पहले उन्होंने त्रिपुरा के खिलाफ नाबाद 127 रन की पारी खेली थी। बड़ोदा के लिए क्रुणाल के अलावा विष्णु सोलंकी और अतित सेठ ने भी अर्धशतकीय पारी खेली। क्रुणाल ने भारत के लिए अब तक 18 टी20 मैच खेले हैं और 2019 के बाद से वो टीम से बाहर चल रहे हैं।

क्रुणाल का शतक तो अतित ने बनाए 16 गेंदों पर नाबाद 51 रन

छत्तीसगढ़ के खिलाफ लीग मैच में बड़ोदा ने पहले बल्लेबाजी की और टीम के ओपनर बल्लेबाज केदार देवधर ने 12 रन तो वहीं दूसरे ओपनर बल्लेबाज समित पटेल ने 13 रन बनाए। इसके बाद तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए आए विष्णु सोलंकी ने टीम को संभालने का काम किया और 99 गेंदों पर 78 रन बनाए। अभिमन्यू राजपूत ने 5 रन का योगदान दिया तो वहीं प्रदीप यादव ने 32 रन बनाए।

चौथे विकेट के लिए बड़ोदा की तरफ से क्रुणाल पांड्या और विष्णु सोलंकी के बीच 139 रन की शतकीय साझेदारी हुई और टीम काफी मजबूत स्थिति में आ गई, लेकिन क्रुणाल तो कुछ और ही सोचकर आए थे और उन्होंने अपना विकेट मैच खत्म होने तक नहीं गंवाया। उन्होंने 100 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 133 रन बना डाले और अपनी इस पारी के दौरान 20 चौके व 3 छक्के लगाए। छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए क्रुणाल की ये पारी काफी आक्रामक रही तो वहीं टीम के निचले क्रम के बल्लेबाज अतित सेठ ने बेहद तूफानी पारी खेल डाली। उन्होंने 16 गेंदों पर 7 छक्कों की मदद से नाबाद 51 रन बनाए और टीम का स्कोर 332 तक पहंचा दिया। छत्तीसगढ़ की तरफ से सौरव मजूमदार व शशांक सिंह ने दो-दो जबकि वीर प्रताप सिंह और अजय जाधव मंडल ने एक-एक विकेट लिए।

अक्षर के इंटरव्यू में कोहली की मस्ती: भारतीय कप्तान ने कहा- बापू थारी बॉलिंग कमाल छे; हार्दिक पंड्या बोले- विराट नया-नया गुजराती सीख रहा

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ डे-नाइट टेस्ट में जीत के हीरो रहे भारतीय स्पिनर अक्षर पटेल के साथ ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और कप्तान विराट कोहली ने जमकर मस्ती की। मैच के बाद हार्दिक ने अक्षर का इंटरव्यू लिया। इस दौरान कोहली बीच में कूद पड़े और कहा, 'बापू (अक्षर) थारी बॉलिंग कमाल छे।' इतना कहने के बाद तीनों जमकर हंसने लगे। इसके बाद तुरंत हार्दिक ने कहा- 'विराट नया-नया गुजराती सीख रहा है।' यह वीडियो भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने सोशल मीडिया के जरिए शेयर किया है।अक्षर एक डे-नाइट टेस्ट में 11 विकेट लेने वाले अकेले गेंदबाज

टीम इंडिया ने गुरुवार को इंग्लैंड को डे-नाइट टेस्ट में 10 विकेट से शिकस्त दी। इसी के साथ भारत ने 4 टेस्ट की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है। मैच में अक्षर पटेल ने पहली पारी में 6 और सेकंड इनिंग में 5 विकेट लिए। वे एक डे-नाइट टेस्ट में 11 विकेट लेने वाले दुनिया के एकमात्र बॉलर बन गए हैं। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस और वेस्टइंडीज के देवेंद्र बीशू 10-10 विकेट ले चुके हैं। अक्षर लगातार 3 पारियों में 5 या इससे ज्यादा विकेट लेने वाले दुनिया के चौथे गेंदबाज बन गए हैं।

इस शानदार प्रदर्शन के लिए अक्षर को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। हार्दिक ने कहा कि टीम में अक्षर की वापसी से उन्हें बेहद खुशी और गर्व है। इंटरव्यू में अक्षर ने कहा- 'कोई टेस्ट आसान नहीं होता। जब खेलते तब हकीकत पता चलती है। जब मैं 3 साल टीम से बाहर था तब मैंने अपने गेम पर काफी वर्क किया। मैं आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में अच्छा कर रहा था। लोग तरह-तरह की बातें कर रहे थे। इस बीच मेरे परिवार और दोस्तों ने काफी साथ दिया।'

इंग्लैंड के कप्तान जो रूट का दावा, बोले- नरेंद्र मोदी स्टेडियम में क्रिकेट फैंस को लूटा गया

अहमदाबाद। इंग्लैंड की टीम के कप्तान जो रूट ने कहा है कि उनको लगता है कि नरेंद्र मोदी स्टेडियम में तीसरा टेस्ट मैच देखने आए दर्शकों को लूटा गया है। कप्तान जो रूट ने ऐसा इसलिए कहा है, क्योंकि उनको लगता है कि क्रिकेट फैंस देखने आए थे कि विराट कोहली कैसे जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड का सामना करते हैं, लेकिन सिर्फ उनको विकेटों का पतझड़ देखने को मिला। दो दिन से भी कम समय में 30 विकेट गिरे और मैच खत्म हो गया।

भारतीय स्पिनरों ने 19 विकेट चटकाए, जबकि एक विकेट तेज गेंदबाज इशांत शर्मा को मिला। वहीं, इंग्लैंड की तरफ से जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड एक भी विकेट नहीं निकाल सके। भारत ने मुकाबला 10 विकेट से जीतकर सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल कर ली। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में जो रूट ने कहा, हम इस तथ्य से दूर न रहे और न छिपाएं कि हम मैच में बाहर रहे हैं और हमें यह स्वीकार करना होगा। यह एक वास्तविक शर्म की बात है, क्योंकि यह एक शानदार स्टेडियम है और 60 000 लोग शानदार, प्रतिष्ठित टेस्ट मैच देखने आए थे।÷जो रूट ने कहा है, ÷मुझे फैंस के लिए बुरा लग रहा है, क्योंकि वे विराट कोहली को जिमी एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड या जैक लीच का सामना करते हुए देखने के लिए आए थे और अश्विन को बेन स्टोक्स जैसे हमारे शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ देखना चाहते थे। लगभग ऐसा महसूस होता है कि उन्हें लूट लिया गया है, उन्होंने मुझे विकेट(5 विकेट) लेने के लिए देखा, जो कि ऐसा नहीं होना चाहिए। तथ्य यह है कि यह दोनों टीमों और खिलाड़ियों के लिए चुनौतीपूर्ण था, हम जो कर सकते हैं, वह सब आपके सामने है। भारत को श्रेय, उन्होंने हमें उस विकेट पर अच्छा प्रदर्शन किया।÷पिच पर टिप्पणी करते हुए, रूट ने कहा कि खिलाड़ियों को यह तय करना नहीं है कि यह उद्देश्य के लिए फिट है या नहीं और यह कुछ ऐसा है जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) को तय करना है। उन्होंने कहा है, ÷मुझे लगता है कि यह सतह, यह एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण है, जिस पर खेलना बहुत मुश्किल है। यह तय करना खिलाड़ियों के लिए नहीं है कि यह उद्देश्य के लिए फिट है या नहीं? यह आइसीसी के ऊपर है। खिलाड़ियों के रूपमें हम जारहे हैं।कोशिश करो और काउंटर करो जो हमारे सामने सबसे अच्छा है जितना हम कर सकते हैं।

आर अश्विन ने टेस्ट में इस इंग्लिश बल्लेबाज को सबसे ज्यादा बार किया है आउट, 11वीं बार बनाया अपना शिकार

नई दिल्ली। आर अश्विन ने अपनी बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के दौरान कई शानदार रिकॉर्ड्स अपने नाम किए। अश्विन ने इस टेस्ट मैच में कुल 7 विकेट लिए और इसके साथ ही टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने अपने विकेट का आंकड़ा जहां 400 तक पहुंचा दिया तो वहीं इंटरनेशनल क्रिकेट में भी अपने 600 विकेट पूरे कर लिए। अश्विन ने मैच की पहली पारी में जहां 3 विकेट लिए तो वहीं दूसरी पारी में उन्होंने 4 विकेट अपने नाम किए। इनमें इंग्लैंड के बल्लेबाज बेन स्टोक्स भी शामिल थे।

आर अश्विन का टेस्ट में सबसे ज्यादा बार शिकार बने हैं बेन स्टोक्सआर अश्विन ने दूसरी पारी में बेन स्टोक्स को 25 रन पर LBW आउट किया। इसके साथ ही बेन टेस्ट क्रिकेट में अश्विन की गेंद पर सबसे ज्यादा बार आउट होने वाले पहले बल्लेबाज बन गए। आर अश्विन ने बेन स्टोक्स को टेस्ट में अब तक 11 बार आउट कर चुके हैं जबकि डेविड वार्नर उनकी गेंद पर टेस्ट में 10 बार आउट हो चुके हैं और वो दूसरे

नंबर पर हैं। अश्विन ने 9 बार एलिएस्टर कुक को आउट किया था और वो तीसरे नंबर पर हैं।

आर अश्विन की गेंद पर टेस्ट में सबसे ज्यादा बार आउट होने वाले बल्लेबाज-

11 बार- बेन स्टोक्स
10 बार- डेविड वार्नर
9 बार- एलिएस्टर कुक
7 बार- ईडी कोवान/ जेम्स एंडरसन

आपको बता दें कि भारत व इंग्लैंड के बीच अहमदाबाद में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में मेहमान टीम को 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में भारत को जीत के लिए आसान 49 रन का लक्ष्य मिला था जिसे भारतीय टीम ने 10 विकेट पर पूरा कर लिया।

टीम की जीत के बाद कप्तान विराट कोहली ने आर अश्विन के बारे में कहा कि, वो मॉडर्न डे क्रिकेट के लीजेंड हैं और बतौर कप्तान मुझे इस बात की खुशी है कि, वो हमारी टीम का हिस्सा हैं।

पूर्व ओलिंपिक जिम्नास्ट कोच ने खुदकुशी की:अमेरिकन गर्ल्स टीम के कोच पर यौन शोषण और मानव तस्करी समेत 24 आरोप लगे थे

नई दिल्ली। अमेरिका के पूर्व ओलिंपिक जिम्नास्ट कोच जॉन गेडार्ट ने गुरुवार को खुदकुशी कर ली। गर्ल्स टीम के कोच पर यौन शोषण और मानव तस्करी समेत 24 आरोप लगाए गए थे। इस मामले की पुष्टि मिशिगन के एटॉर्नी जनरल डाना नेसेल ने की। यदि वे दोषी साबित होते तो उन्हें उम्र कैद की सजा हो सकती थी। गेडार्ट मिशिगन के लेनसिंग शहर में ट्रेनिंग सेंटर चलाते थे। उन पर जिम की डॉक्टर और एक एथलीट ने यौन शोषण के आरोप लगाए हैं। एथलीट की उम्र 13 से 16 साल के बीच है।

मौत की वजह तलाश रही पुलिस

मिशिगन पुलिस ने कहा, 'गेडार्ट का शव दोपहर करीब 3.20 बजे लेनसिंग के पास हाइवे रेस्ट एरिया से बरामद किया गया। फिलहाल, जांच चल रही है। मौत की वजह अब तक सामने नहीं आई है।'

गेडार्ट को 2018 में कोच पद से सस्पेंड कर दिया गया था। इसके बाद उन्होंने अचानक ही संन्यास की घोषणा भी कर दी थी। उन पर लगे सभी आरोप काफी गंभीर थे। एटन काउंटी कोर्ट में उनका मामला चल रहा था।

बल्ले से नहीं तो गेंद से टीम की जीत में योगदान देकर खुश हैं अक्षर पटेल

अहमदाबाद। मोटेरा के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ डे नाइट टेस्ट मैच में भारतीय टीम की जीत के हीरो लेफ्ट आर्म स्पिनर अक्षर पटेल थे। अक्षर पटेल ने कहा है कि वह खुश हैं कि बल्ले से नहीं तो कम से कम वह गेंद से ही भारतीय टीम की जीत में अपना योगदान दे रहे हैं। स्पिन गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर इंग्लैंड को भारत ने 10 विकेट से हराया।

अपने घरेलू मैदान पर पहला इंटरनेशनल मैच खेलने उतरे अक्षर पटेल ने मैच की पहली पारी में छह और दूसरी पारी में पांच विकेट अपने किए। इसी के दम पर उनको मैन ऑफ द मैच का खिताब मिला। अक्षर ने मैच के बाद कहा, जब इस तरह का प्रदर्शन होता है तो बहुत अच्छा लगता है, लेकिन जब नहीं होता है तो बहुत ही मुश्किल लगता है। मुझे लगता है कि मुझे फिलहाल अपने इसी फॉर्म को आगे भी जारी रखना चाहिए।

पटेल ने कहा है, मैं उन चीजों के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहा हूं कि क्या मुश्किल है और क्या आसान है। मुझे बहुत खुशी हो रही है कि मैं बल्ले से नहीं तो कम से कम गेंद से ही टीम की जीत में अपना योगदान दे रहा हूं और मैं इसे सकारात्मक रूप से ले रहा हूं। अक्षर पटेल ने अपनी गेंदबाजी की ताकत के बारे में भी खुलासा किया है कि मैं विकेट टू विकेट गेंदबाजी करना पसंद करता हूं और अभी तक यही मेरे लिए सफल हो रहा है।

उन्होंने कहा, मुझे पता है कि मैं जब भी गेंद डालता हूं कि तो विकेट टू विकेट डालता हूं। मैं बल्लेबाजों को ज्यादा रूम नहीं देता हूं। मैं जानता हूं कि बल्लेबाज गलती करेगा तो मुझे विकेट मिलेगा। मेरी हमेशा यह सोच रहती है कि मैं बल्लेबाज के लिए रन बनाना मुश्किल करूं। आजकल बल्लेबाज के दिमाग में यही रहता है कि अगर वह एक या दो ओवर मेडेन खेल जाता है तो फिर वह गलत शॉट मारने की कोशिश करता है और विकेट मिलने की संभावना होती है।

भारत ने 9वीं बार 10 विकेट से जीता टेस्ट, सबसे पहले पाकिस्तान के खिलाफ मिली थी ये कामयाबी

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ अहमदाबाद टेस्ट में धमाकेदार खेल दिखाते हुए 10 विकेट से जीत हासिल की। महज दो दिन के भीतर इंग्लैंड की टीम को मात देकर भारत ने सीरीज में 2-1 की अजेय बढ़त बनाई। टेस्ट इतिहास में 9वीं बार टीम इंडिया ने किसी टीम के खिलाफ 10 विकेट से जीत हासिल की है।

अहमदाबाद टेस्ट में भारतीय स्पिनर अक्षर पटेल और आर अश्विन ने पहली पारी में इंग्लैंड की टीम के महज 112 रन पर समेट दिया। भारत ने पहली पारी में 145 रन बनाकर 33 रन की बढ़त बनाई थी। दूसरी पारी में इंग्लैंड को भारत ने 81 रन पर ढेर कर दिया और उसे जीत के लिए महज 49 रन का लक्ष्य मिला। रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने बिना कोई विकेट गंवाए लक्ष्य हासिल किया और भारत को 10 विकेट की बड़ी जीत दिलाई।

सबसे पहले पाकिस्तान को हराया था 10 विकेट से

भारत ने सबसे पहले पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच में 10 विकेट से जीत हासिल की थी। 13 नवंबर 1952 में मुंबई टेस्ट में भारत ने यह कमाल किया था। जनवरी 1980 में चेन्नई टेस्ट में पाकिस्तान के खिलाफ दूसरी बार भारत ने 10 विकेट की जीत हासिल की थी। दिसंबर 1988 में न्यूजीलैंड की टीम को भी भारत ने हैदराबाद टेस्ट में इसी अंतर से हराया था। साल 2001 में

भारतीय टीम ने मोहाली में इंग्लैंड को 10 विकेट से हराया था।

2005 में भारत ने हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ 10 विकेट की बड़ी जीत हासिल की जो विदेशी धरती पर पहली ऐसी जीत थी। 2009 में हैमिल्टन में भारत ने न्यूजीलैंड को इसी अंतर से हराया। 2010 में भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ उसी घर पर 10 विकेट से जीत हासिल की थी। अक्टूबर 2018 में भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज को आखिरी बार 10 विकेट के अंतर से मात दी थी।